MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 26 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-353

अंधेर नगरी चौपट राजा

रेवंत राज में जहाँ देखो वहाँ जाम, जिधर देखो उधर अंधेरा

टी. उमा महेंदर तेलंगाना भाजपा के हैदराबाद - गोलकोंडा जिला अध्यक्ष होने के साथ-साथ स्पष्टवादी, बेबाक-बेदाग छवि वाले नीडर व्यक्तित्व भी हैं। इनके अंतर्गत चारमीनार, गोशामहल, कारवान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र और इन क्षेत्रों के असंख्य नेता व कार्यकर्त्ता आते हैं। पार्टी की विचारधारा, लक्ष्य, क्षेत्र की समस्याओं, राज्य सरकार की कार्यशैली सहित विभिन्न मुद्दों पर 'शुभ लाभ' के साथ विशेष साक्षात्कार में टी. उमा महेंदर ने खुलकर अपनी बात रखी। आईए उनसे हुई खास बातचीत के मुख्य अंश पर एक नजर डालते हैं...

पार्टी में भाषाई भेदभाव का आरोप

महेंदर 1989 से राजनीति में हैं। जब उनसे पूछा गया कि आपकी पार्टी के कट्टर समर्थक माने जाने वाले हिन्दी भाषियों की अक्सर यह शिकायत रहती है कि पार्टी में बडे पदों की जब बात आती है तो इस वर्ग को न केवल नजरअंदाज किया जाता है, बल्कि दोयम दर्जे का व्यवहार भी होता है, क्यों? इस पर महेंदर जी ने तपाक से जवाब दिया कि क्या गोशामहल से तीन बार के विधायक टी. राजा सिंह लोध हिन्दी भाषी नहीं है? क्या पूर्व विधायक प्रेमसिंह सिंह राठौड़ को दो बार पार्टी ने टिकट नहीं दिया था? राठौड़ तो जिलाध्यक्ष, स्टेट सेक्रेटरी भी रह चुके हैं। टी. महेंदर ने दिवंगत भँवरलाल वर्मा को याद करते हुए कहा कि मोंडा मार्केट (सिकंदराबाद) से पार्षद थे और उन्हें सनतनगर से भी विधायक का टिकट दिया गया था। उन्होंने साफ किया कि पार्टी में भाषाई आधार पर न पहले कभी भेदभाव था, न कभी रहेगा। जिन लोगों ने भी पार्टी के लिए दिन-रात एक किया, उन्हें न्याय ही मिला है। श्री महेंदर ने घांसीबाजार की मेघारानी अग्रवाल, रेणु सोनी, वर्तमान पार्षद लाल सिंह (गोशामहल), राकेश जायसवाल (जामबाग) और कारवान के अमर सिंह का उदाहरण भी दिया, जो हिन्दी भाषी हैं।

वार्ड विभाजन पर प्रतिक्रिया

टी. महेंदर ने जीएचएमसी के वार्डों की संख्या 150 से बढाकर 300 करने की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह साफतौर पर तुष्टिकरण की राजनीति का ही हिस्सा है। गोशामहल में जहाँ 65,000 हजार मतदाता हैं, वहीं नये वार्ड एक्जीबिशन ग्राउंड में सिर्फ 20,000 और घांसीबाजार में 55,000 तो खाजीपुरा में केवल 25,000 जनसंख्या। उनका कहना है कि सभी वार्डों को जब एक जैसा बजट मिलेगा तो बडे वार्ड के साथ न्याय कहाँ से होगा? इस मामले में सरकार मुस्लिम बहुल क्षेत्रों को छोटा और हिन्दू क्षेत्रों को बडा रखकर सीधे-सीधे हिन्दुओं कै साथ अन्याय कर रही है। कुल मिलाकर जीएचएमसी में कांग्रेस और मजलिस मिलकर भाजपा को

रोकने की साजिश कर रही हैं।

अबकी बार जीएचएमसी मेयर हमारा

जीएचएमसी चुनावों में भाजपा के लक्ष्य पर महेंदर ने कहा कि उनकी पार्टी हैदराबाद नगर निकाय में मेयर का पद हासिल करके रहेगी। जनता कार्पोरेशन, असेंब्ली और सेंट्रल तीनों जगह भाजपा की सरकार चाहती हैं। चूंकि यह जनता का सपना है, उसे साकार करने की जिम्मेदारी भी अब जनता की ही होगी।

ओल्ड सिटी में भ्रष्टाचार का बोलबाला

तेलंगाना भाजपा के वरिष्ठ ऊर्जावान नेता टी. उमा महेंदर ने आरोप लगाया कि ओल्ड सिटी के अधिकतर विकास कार्य केवल कागजी खानापूर्ति हैं। उनका सीधा आरोप है कि मजलिस के नेता सरकारी योजना और विकास के नाम पर पैसा डकार जाते है। उन्होंने इस सच्चाई को उजागर करने के लिए उच्चस्तरीय जाँच की माँग की। साथ ही उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि चारमीनार के आस-पास के प्रतिबंधित क्षेत्र में अनाधिकृत निर्माणों को मजलिस (एमआईएम पार्टी) न केवल प्रोत्साहित करती है, बल्कि ऐसे निर्माणकर्ताओं को संरक्षण भी प्रदान कर आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बन रही है। उन्होंने ओल्ड सिटी विशेषकर चारमीनार, नया पुल, अफजलगंज, सिद्दीअंबर बाजार आदि क्षेत्रों में मजलिस की शह पर हुए अतिक्रमण व सडकों को जाम कर रहे ठेले वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की माँग की। उन्होंने कहा कि मजलिस अपने वोट बैंक को खुश करने शहर के तालाब, नालों और पहाड़ों तक को निगल गई।

एंटी हेट स्पीच लॉ का प्रस्ताव

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा एंटी हेट स्पीच संबंधी कानून के प्रस्ताव पर टी. महेंदर ने कहा कि किसी भी धर्म के खिलाफ नफरत फैलाना और देवी-देवताओं का मजाक उडाना निंदनीय हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि उनके द्वारा जुबली हिल्स उप चुनाव के समय कांग्रेस मतलब मुसलमान और मुसलमान बोले तो कांग्रेस वाली टिप्पणी क्या हेट स्पीच के दायरे में नहीं आती? हिन्दू देवी-देवताओं का आपके द्वारा खिल्ली उडाना क्या हेट स्पीच नहीं है? महेंदर ने स्पष्ट किया कि यदि अच्छी मंशा से बिल आएगा तो उनकी पार्टी पूरा समर्थन करेगी।

ट्रैफिक की हालत सबसे खराब

भाजपा नेता ने यातायात व्यवस्था को लचर बताते हुए कहा कि अतिक्रमण व अकर्मण्यता इसके लिए जिम्मेदार है। उनका कहना है कि यातायात पुलिसकर्मियों का काम सिर्फ और सिर्फ फोटो खींचकर नागरिकों से चालान वसूलना ही रह गया है। सारा शहर जहाँ-तहाँ ट्रैफिक जाम से बेहाल है, लेकिन इस विकराल होती समस्या का यातायात पुलिस के पास कोई समाधान नजर नहीं आ रहा। और तो और स्ट्रीटलाइटों का सही रखरखाव न होने से पूरा शहर अंधेरे में डूबा नजर आ रहा है।

उस्मानिया दवाखाना दूर हों

उमा महेंदर का आरोप है कि उस्मानिया अस्पताल का निर्माण हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के इशारे पर दारूस्सलाम स्थित डक्कन मेडिकल कालेज के छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखकर ही गोशामहल ग्राउंड में किया जा रहा है, ताकि असद के इस कालेज के छात्र वहाँ ट्रेनिंग ले सके। अन्यथा ऐसे बडे अस्पताल जनवासों से काफी दूर बनाये जाते हैं, ताकि किसी प्रकार के वायरस के फैलने पर जनता की रक्षा हो सके।

रैतु भरोसा के लिए होगा सैटेलाइट डेटा का उपयोग

हैदराबाद, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य सरकार ने चल रहे रबी सीजन के दौरान कृषि भूमि के सत्यापन के लिए सैटेलाइट मैपिंग और अन्य उन्नत प्रौद्योगिकियों को तैनात करने का निर्णय लिया है। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि रैतु भरोसा योजना के तहत वित्तीय सहायता केवल वास्तविक किसानों और वास्तव में खेती के तहत आने वाली जमीनों तक ही पहुँचे।

सरकार को सैटेलाइट आधारित डेटा प्राप्त होने और उसके विश्लेषण के बाद, जनवरी में संक्रांति उत्सव के आसपास रबी सीजन के लिए प्रति एकड़ 6,000 रुपये की सहायता वितरित किए जाने का प्रस्ताव है।

कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कृषि विभाग के अधिकारियों को सैटेलाइट मैपिंग प्रक्रिया में तेजी

केवल वास्तविक खेती पर मिलेगी सहायता

लाने और जनवरी के पहले सप्ताह तक खेती योग्य भूमि पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रबी सीजन की सहायता राशि पूरी तरह से सैटेलाइट मैपिंग डेटा के आधार पर जारी की जाएगी, जो मौजूदा सत्यापन तंत्र में एक बड़ा बदलाव होगा।

हाल ही में खरीफ सीजन के दौरान, सरकार ने किसानों को लगभग 9,000 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए थे। अधिकारियों का अनुमान है कि सैटेलाइट मैपिंग के जरिए खेती न की जाने वाली और परती भूमि को लाभार्थी सूची से बाहर करने पर सरकार कम से कम 2,000 करोड़ रुपये बचा सकती है। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और त्रुटियों या दुरुपयोग की गुंजाइश कम होगी। इस परियोजना को प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय के माध्यम से लागू किया जा रहा है, जिसमें इटली स्थित 'सिंथेटिक अपर्चर रडार' एजेंसी तकनीकी सहायता प्रदान कर रही है। सरकार ने दो साल की अवधि के लिए इस परियोजना हेतु 9 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं और

▶10पर

वीबी जी राम जी सर्वेक्षण आज से

ग्रामीण रोजगार और आजीविका बढ़ाने की नई पहल

नई नियमावली और रोजगार की गारंटी

निज़ामाबाद, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में 'विकास भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन' (वीबी जी राम जी) के तहत 26 दिसंबर से 31 दिसंबर तक राज्यव्यापी फील्ड सर्वेक्षण शुरू किया जाएगा। इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कार्यों की पहचान करना और योजनाएं तैयार करना है। इस पहल के माध्यम से पैतृक गांवों में ही रोजगार के अवसर पैदा कर पलायन को रोकने का लक्ष्य रखा गया है।फील्ड स्टाफ राज्य भर के गांवों का दौरा करेगा और जनभागीदारी के साथ प्रस्तावों को अंतिम रूप देगा, जिसके बाद बजट जारी किया जाएगा। स्थानीय समुदायों के सहयोग से ग्रामीण विकास के कार्य किए जाएंगे।

केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का नाम बदल दिया है और इसके मानदंडों में संशोधन किया है। इसके तहत प्रमुख बदलाव में कार्य दिवसों की संख्या 100 से बढ़ाकर 125 कर दी गई है।

आवेदन के 15 दिनों के भीतर रोजगार प्रदान करना अनिवार्य होगा। ऐसा न होने पर राज्य सरकार को

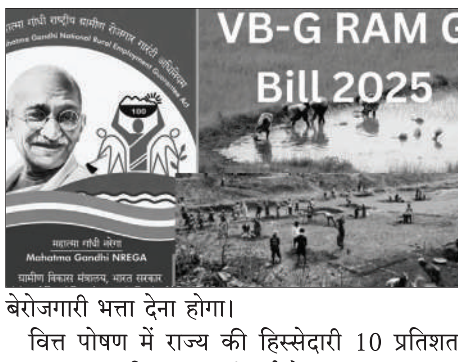

बेरोजगारी भत्ता देना होगा।

वित्त पोषण में राज्य की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दी गई है।

संशोधित योजना के तहत, फसल के मुख्य सीजन के दौरान 60 दिनों के अंतराल की अनुमति दी जाएगी। वर्ष 2026-27 के नए कार्यों की पहचान इसी सर्वेक्षण अवधि के दौरान की जाएगी। दो महीने पहले आयोजित की गई ग्राम सभाएं कार्य दिवसों और वानिकी एवं सड़क कार्यों सहित विभिन्न परियोजनाओं को अंतिम रूप देने में मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगी।

▶10पर

ओड़ीशा के कंधमाल में एक करोड़ के इनामी समेत 4 नक्सली ढेर

कंधमाल, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

ओड़ीशा में सुरक्षा बलों ने माओवादी विरोध अभियान के मोर्चे पर एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। कंधमाल एवं गंजाम जिलों के सीमावर्ती वन

क्षेत्रों में संयुक्त अभियान के दौरान एक वरिष्ठ माओवादी नेता को मार गिराया गया है। यह अभियान सशस्त्र माओवादी कैडरों की उपस्थिति से संबंधित विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर एलडब्ल्यूई-प्रभावित रम्भा वन क्षेत्र में प्रारंभ किया गया। यह क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से माओवादियों की आवाजाही, पुनर्गठन एवं रसद आपूर्ति का प्रमुख मार्ग रहा है। बुधवार तड़के, वन क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा बलों और माओवादी

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

कर्नाटक के चित्रदुर्ग में बस-ट्रक की टक्कर में दस लोगों की मौत

चित्रदुर्ग, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में गुरुवार तड़के एक निजी बस एवं ट्रक की आमने-सामने की टक्कर के बाद आग लगने से दस लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर हिरियूर तालुक के गोरलाथु गांव के पास तड़के हुआ। उन्होंने बताया कि बेंगलुरु से शिवमोग्गा जा रही बस टक्कर के तुरंत बाद आग की चपेट में आ गई, जिससे आग तेजी से फैल गई और कई यात्री अंदर फंस गए। चित्रदुर्ग के पुलिस अधीक्षक रंजीत कुमार बंदारू और पुलिस महानिरीक्षक बी आर रविकांत गौड़ा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। दमकल विभाग की टीमें भी मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान चलाया गया और घायलों और मृतकों को हिरियूर और

▶10पर

यात्रीगण कृपया ध्यान दें आज से महंगी होगी रेल यात्रा

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।

रेल यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर है । अगर आप ट्रेन से यात्रा करते हैं तो अब इसके लिए आपको ज्यादा जेब ढीली करनी पड़ेगी ।

रेल टिकट की संशोधित दरें गुरुवार आधी रात के बाद प्रभावी हो गई हैं जिनके अंतर्गत 215 किलोमीटर से ज्यादा दूरी का सफर प्रति किलो मीटर एक से दो पैसे महंगा हो जाएगा।

रेलवे को किरायों में इस वृद्धि से सालाना 600 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आमदनी होने का अनुमान है।

भारतीय रेलवे के यात्री विपणन (समन्वय) प्रभाग के निदेशक प्रवीण कुमार की ओर से गुरुवार को इस संबंध में रेलवे के सभी जोन को परिपत्र

इस साल दूसरी बार बढ़ा किराया

भेज दिये गये हैं। नोटिस में कहा गया है कि वास्तविक संशोधित किराये वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के संबंध में पूर्व में जारी निर्देशों के अनुसार प्रभावी होंगे। नोटिस में कहा है कि यदि किसी यात्री ने किराया बढ़ोतरी का निर्णय घोषित होने की तिथि (21 दिसंबर) से पहले टिकट खरीद लिया है, तो उससे अतिरिक्त राशि नहीं वसूली जाएगी। रेलवे ने कहा है कि शुक्रवार से सभी स्टेशन पर टिकटों की नयी दरों के प्रभावी होने के संबंध में सूचना प्रसारित होगी। यात्रियों के टिकट के दरों में हुए बदलाव और ज़रूरी निर्देश देने के लिए स्टेशन पर विशेष व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए कर्मचारियों को तैनात किया जाएगा। इसी तरह प्रेस, मीडिया, अधिसूचना और स्टेशनों पर घोषणाओं के माध्यम से टिकटों की दरों में हुए बदलाव के बारे में यात्रियों को जानकारी दी जाएगी

उल्लेखनीय है कि रेलने ने गत रविवार को यात्री किराये के ढांचे में बदलाव करने की घोषणा की थी, जिसके मुताबिक 215 किलोमीटर से ज्यादा सफर करने पर प्रति किमी एक से दो पैसे की वृद्धि की गयी थी। 215 किलोमीटर से कम दूरी की यात्रा करने वालों और मासिक सीजन टिकट की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। रेलवे के मुताबिक 215 किमी से ज्यादा के सफर पर साधारण श्रेणी के किराये में प्रति किमी एक पैसा प्रति किलो मीटर की बढ़ोतरी की गयी है। वहीं, मेल/एक्सप्रेस में गैर वातानुकुलित श्रेणी दो पैसा किलो मीटर किराया बढ़ाया गया है। वातानुकूलित श्रेणी की किराया दरों में भी दो पैसा प्रति किमी की बढ़ोतरी की गयी है।

गैर वातानुकुलित श्रेणी में 500 किमी की यात्रा करने पर पर यात्रियों को कुल मिलाकर मौजूदा किराया से 10 रुपये ज्यादा देने पड़ेंगे। रेलवे ने 215 किलोमीटर से कम के सफर पर किराए में वृद्धि नहीं की है। दैनिक यात्रियों के सीजन मासिक टिकटों (एमएसटी) तथा , उपनगरीय ट्रेनों के टिकट की दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई जैसे शहरों में लोकल ट्रेनों से सफर करने वाले लाखों यात्रियों पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा।

रेलवे के सूत्रों के मुताबिक टिकटों के दामों में बढ़ोतरी परिचालन

▶10पर

17 साल बाद लंदन से ढाका लौटे तारिक रहमान, सड़कों पर समर्थकों का सैलाब, बढ़ा बांग्लादेश का सियासी तापमान

ढाका

वाशिंगटन,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला, जब बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान 17 साल के लंबे निर्वासन के बाद लंदन से स्वदेश लौट आए। तारिक रहमान का विमान पहले सिलहट के उस्मानी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा, जहां से वे ढाका के लिए रवाना हुए। उनकी वापसी को बीएनपी फरवरी 2026 में प्रस्तावित आम चुनावों से पहले एक बड़ी राजनीतिक उपलब्धि के रूप में देख रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तारिक रहमान सिलहट पहुंचने के बाद अपनी मां और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया से मिलने के लिए अस्पताल जाने वाले हैं। इसके बाद वे पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। तारिक की वापसी की खबर मिलते ही बीएनपी समर्थकों में उत्साह की लहर दौड़ गई और देश के कई हिस्सों, खासकर ढाका और सिलहट में सड़कों पर समर्थकों का हुजूम उमड़ पड़ा। इस बीच बांग्लादेश में हालात पहले से ही तनावपूर्ण बने हुए हैं। बुधवार को ढाका में हुए एक शक्तिशाली विस्फोट के बाद राजधानी में फिर हिंसा भड़क उठी। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि भड़की भीड़ ने देर रात ढाका विश्वविद्यालय परिसर में जमकर तोड़फोड़ की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उपद्रवी काजी नजरुल इस्लाम की कविताएं पढ़ते और धार्मिक नारे लगाते हुए टेबल-कुर्सियां तोड़ते रहे, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। ऐसे संवेदनशील माहौल में तारिक रहमान की वापसी को लेकर सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं। बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक, हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। वीवीआईपी टर्मिनल के मुख्य द्वार पर सुरक्षा की कई परतें तैनात की गई हैं, जिनमें सेना, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी), वायुसेना, पुलिस और रैपिड एक्शन बटालियन (रैब) के जवान शामिल हैं। तारिक रहमान को एयरपोर्ट से बुलेटप्रूफ बस के जरिए बाहर ले जाया जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, तारिक रहमान का विमान स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11:45 बजे सिलहट से उड़ान भरकर दोपहर करीब 12 बजे ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंड करेगा।

न्यूज ब्रीफ

कैलिफोर्निया में तूफान, भारी बारिश काफी हिस्सा बाढ़ से घिरा

सैक्रामेंटो (कैलिफोर्निया)। कैलिफोर्निया को बुधवार को शक्तिशाली तूफान का सामना करना पड़ा। इस दौरान तेज हवा चलने लगी। कुछ देरबाद बरसात शुरू हो गई। देखते-देखते नदियां उफना गईं। कई इलाके बाढ़ से घिर गए। सड़कों में मलबा बहने लगा। कुछ जगहों पर बाढ़ में फंसे लोगों को बचाया गया। मौसम एवं विज्ञान विभाग ने कहा कि दक्षिणी कैलिफोर्निया में सालों बाद क्रिसमस पर सबसे अधिक बारिश हो सकती है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने आकस्मिक बाढ़ और भूस्खलन की चेतावनी जारी की है। जनवरी में जंगल की आग से प्रभावित कुछ इलाकों में लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा गया। लॉस एंजिल्स काउंटी के अधिकारियों ने कहा कि जर्जर घरों में रहने वाले लगभग 380 लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है। लॉस एंजिल्स दमकल विभाग ने बुधवार सुबह बताया कि दमकलकर्मियों ने उत्तर-पश्चिम में एक ड्रेनेज टनल में फंसे एक व्यक्ति को बचा लिया। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूजोम ने बुधवार को लॉस एंजिल्स, ऑरेंज, रिवरसाइड, सैन बर्नार्डिनो, सैन डिएगो और शास्ता काउंटियों में आपातकाल की घोषणा की। नेशनल वेदर सर्विस ने मंगलवार देरशाम तूफान आने की चेतावनी जारी की थी। लॉस एंजिल्स के अधिकारियों के अनुसार, तूफान के दौरान पेड़ और बिजली के तार टूट कर गिर गए। इस वजह से कई प्रमुख सड़कें बंद हो गई हैं। नेशनल वेदर सर्विस के मौसम विज्ञानी माइक वॉफोर्ड ने कहा कि दक्षिणी कैलिफोर्निया में आमतौर पर साल के इस समय आधा इंच से एक इंच बारिश होती है, लेकिन इस हफ्ते कई इलाकों में चार से आठ इंच बारिश हो सकती है।

18 साल तक मां ने अपने बच्चों से छुपा रखा एक सच

एरिजोना। दुनिया में मां और बेटे के रिश्ते को अटूट माना जाता है कि लेकिन कई बार परिस्थितियां ऐसी

बन जाती हैं, जब मां को अपने ही कलेजे के टुकड़े से दूरी बनानी पड़ती है। हाल ही में सोशल मीडिया पर अमेरिका के एरिजोना की रहने वाली मॉडल कैटरीना रोज ने अपनी जिंदगी से जुड़ा एक चौंकाने वाला सच साझा किया। इस सच में उनकी मां का एक ऐसा फैसला शामिल था, जिसने एक बेटे को 18 साल तक अपनी असली पहचान और अपने सगे भाई-बहनों के प्यार से दूर रखा। कैटरीना हमेशा यही मानती थीं कि उनका परिवार बड़ा और खुशहाल है। पिता की ओर से उनके तीन भाई थे और मां की ओर से छह बहनें। लेकिन जब कैटरीना 16 साल की हुईं, तब उनके भाई-बहनों ने उन्हें एक ऐसा राज बताया, जिसने उनके पैरों तले जमीन खिसका दी। उन्हें पता चला कि उनका एक और भाई भी है, जिसके बारे में उन्हें कभी कुछ नहीं बताया गया था। यह सच्चाई तब सामने आई, जब उस युवक ने अपने 18वें जन्मदिन पर अपने जैविक परिवार की तलाश शुरू की और कैटरीना की मां को एक मैसेज भेजा। इसके बाद कैटरीना की मां ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपनी युवावस्था में एक बेटे को जन्म दिया था। उस समय उनकी जिंदगी में काफी उथल-पुथल थी। वह कैटरीना के पिता को डेट कर रही थीं, लेकिन एक अन्य युवक के साथ हुई छोटी सी मुलाकात के बाद वह गर्भवती हो गईं और नौ महीने बाद एक बेटे को जन्म दिया।

पाकिस्तान के नापाक इरादे! भारत को दो तरफ से घेरने बांग्लादेश से कर रहा रक्षा समझौता

इस्लामाबाद। पिछले कुछ महीनों में उच्च पाकिस्तानी रक्षा अधिकारियों ने बांग्लादेश का लगातार दौरा

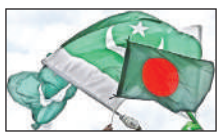

किया। पाकिस्तान के जॉइंट चीफ ऑफ़ स्टाफ के चेयरपर्सन, नौसेना प्रमुख से लेकर आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल आसिम मलिक तक सभी ढाका जा चुके हैं, क्योंकि मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश को भारत से दूर पाकिस्तान ले जा रहे हैं। यह भारत के साथ बढ़ते तनाव के बीच, पाकिस्तान और बांग्लादेश अब एक रक्षा समझौते पर नज़र गड़ाए हुए हैं, जैसा कि इस्लामाबाद ने सऊदी अरब के साथ किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर में सऊदी अरब ने परमाणु संपन्न देश पाकिस्तान के साथ एक रणनीतिक आपसी रक्षा समझौता किया। हालांकि, जिस बात ने ध्यान खींचा, वह थी इसकी भाषा- किसी भी देश पर हमला दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। पाकिस्तान में इस समझौते को भारत के खिलाफ एक रणनीतिक बचाव के रूप में देखा, जिसने मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्लामाबाद को घुटने पर ला दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक अब चर्चा है कि पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ इस तरह का नाटो-स्टाइल रक्षा समझौता करने की तैयारी कर रहा है। यह 1971 में बांग्लादेश की आज़ादी के बाद इस तरह का पहला समझौता होगा।

पेंटागन ने चेताया : भारत संग संबंधों को सामान्य करने के पीछे चीन की गहरी चाल

काठमांडू,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

चीन द्वारा बीते कुछ वक्त से भारत के साथ जारी संबंधों को सामान्य बनाने की तेज कवायद पर अमेरिका की मिर्ची लग गई है यानी उसकी नजरें चीन की तरफ टेढ़ी हो गई हैं। पेंटागन (अमेरिकी वॉर डिपार्टमेंट) ने अपनी एक हालिया रिपोर्ट में दावा किया है कि वर्ष 2020 में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हुए सैन्य विवाद की समाप्ति का फायदा उठाकर चीन भारत के साथ एक बार फिर से अपने द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने की जोरशोर से कोशिशें करने में लगा हुआ है। जिसके पीछे उसकी असली और कुटिल मंशा भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक संबंधों को गहरा होने से रोकना और भारत को कहीं न कहीं अपने ग्रुप में लाकर हिंद-प्रशांत के इलाके में अमेरिकी रणनीति को कमजोर बनाना है। हालांकि भारत चीन की इस सोच से वाकिफ है और इसे लेकर पूरी तरह सतर्क भी है। सीमाई विवाद जैसे मामलों को लेकर फिलहाल दोनों देशों के बीच पूरा तरह से भरोसा कायम नहीं हुआ है। अविश्वास की स्थिति बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि एलएसी विवाद की समाप्ति पिछले साल भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच रूस के कजान शहर में हुई उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय बैठक के बाद हुई थी। जिसकी घोषणा यहां नई दिल्ली में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने की थी। इसी के साथ अपने शीर्ष नेताओं की मंत्रणा से निकले महत्वपूर्ण निष्कर्षों और उनके मार्गदर्शन के साथ आगे बढ़ते हुए दोनों देश अपने आपसी संबंधों को सामान्य बनाने में लगे हुए हैं। इसी क्रम में अब तक कई जरूरी कदम उठाए जा चुके हैं। जिनमें वीजा प्रक्रिया को फिर से बहाल करना, पवित्र कैलाश मानसरोवर यात्रा की पुनः शुरुआत, हवाई उड़ान सेवाओं का आगाज, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने समेत लगातार उच्च-स्तरीय बैठकों की कवायद को जारी रखना मुख्य रूप से शामिल है। भारत और चीन के बीच हालिया समय में हुई महत्वपूर्ण उच्च-स्तरीय बैठकों में चीन के तियानजिन शहर में पिछले शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन से इतर हुई दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात मुख्य है। अमेरिका ने रिपोर्ट में ये भी कहा कि चीन चाहता है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकातों के बाद भी भारत के साथ बातचीत का सिलसिला क्रमवार ढंग से चलता रहे।

अमेरिका में ट्रक चलाते पकड़े गए 30 भारतीयों समेत 49 प्रवासी गिरफ्तार

वाशिंगटन। अमेरिकी सीमा सुरक्षा बलों ने कैलिफोर्निया में एक व्यापक अभियान चलाते हुए 49 अवैध प्रवासियों को हिरासत में लिया है। पकड़े गए व्यक्तियों में 30 भारतीय नागरिक शामिल हैं। ये सभी प्रवासी अमेरिका में वैध दस्तावेजों के बिना रह रहे थे और व्यावसायिक ड्राइविंग लाइसेंस (सीडीएल) का उपयोग कर बड़े सेमी-ट्रक चला रहे थे। हाल के हफ्तों में विभिन्न इमिग्रेशन चेकपॉइंट्स और अंतर-एजेंसी अभियानों के दौरान यह कार्रवाई की गई है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई एल सेंट्रो सेक्टर के एजेंटों द्वारा अंजाम दी गई। 23 नवंबर से 12 दिसंबर के बीच, इंडियो स्टेशन के सुरक्षा कर्मियों ने हाईवे 86 और 111 पर स्थित इमिग्रेशन चेकपॉइंट्स पर वाहनों की सघन जांच की। इस दौरान 42 ऐसे ड्राइवरों को पकड़ा गया जो अवैध रूप से सीमा पार कर अमेरिका आए थे और ट्रकिंग व्यवसाय में लगे हुए थे। इनमें से अकेले 30 ड्राइवर भारतीय मूल के पाए गए। शेष गिरफ्तार प्रवासी एल साल्वाडोर, चीन, रूस, सोमालिया, तुर्की, यूक्रेन, हैती और मैक्सिको जैसे देशों से संबंधित हैं। 10 और 11 दिसंबर को सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन हाईवे सेंटिनल में हिस्सा लिया। यह दो दिवसीय बड़ा अभियान ओंटारियो और फॉन्टाना के क्षेत्रों में चलाया गया था। इस संयुक्त कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य उन ट्रकिंग कंपनियों को निशाना बनाना था जो इमिग्रेशन नियमों का उल्लंघन कर अवैध प्रवासियों को रोजगार दे रही हैं। इस विशेष अभियान में 45 अवैध प्रवासियों को कमर्शियल लाइसेंस के साथ पकड़ा गया, जिनमें से कई गिरफ्तारियां इंडियो स्टेशन के एजेंटों ने कीं। गिरफ्तार लोगों में ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के नागरिक भी शामिल थे। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान सीमा संकट से उत्पन्न होने वाले गंभीर खतरों को उजागर करता है। विभाग का मानना है कि जिन राज्यों ने बिना उचित सत्यापन के इन लोगों को भारी वाहन चलाने के लाइसेंस जारी किए, वे सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहे हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस तरह के अभियान जारी रहेंगे ताकि सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा सके। बता दें हाल के दिनों में अमेरिका में कई घातक सड़क हादसे हुए थे, जिनमें अवैध रूप से लाइसेंस प्राप्त प्रवासियों द्वारा चलाए जा रहे सेमी-ट्रक शामिल थे। इसी के मद्देनजर यह कार्रवाई की गई ताकि अमेरिकी राजमार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बढ़ती हिंसा के बीच यूनुस को झटका, गृह मंत्रालय के विशेष सहायक चौधरी ने दिया इस्तीफा

अंकारा,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

ढाका

बांग्लादेश में जारी भारी अशांति और हिंसा के बीच मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को एक और बड़ा झटका लगा है। गृह मंत्रालय के विशेष सहायक और पूर्व पुलिस महानिदेशक खुदाबख्श चौधरी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, जिसे राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने स्वीकार कर लिया है।

खुदाबख्श चौधरी की नियुक्ति नवंबर 2024 में की गई थी, लेकिन देश के बिगड़ते हालातों के बीच उनका पद छोड़ना सरकार की स्थिरता पर सवाल खड़े कर रहा है। यह इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब देश में हिंसक घटनाएं चरम पर हैं। हाल ही में विद्रोह के नेता उस्मान हादी की मृत्यु के बाद उपजे तनाव ने पूरी राजधानी को अपनी चपेट में ले लिया है। ढाका के एक चर्च के पास हुए बम हमले में एक व्यक्ति की जान जाने से सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई है। हिंसा की इस नई लहर में उग्र भीड़ ने देश के दो प्रमुख समाचार पत्रों के कार्यालयों को आग के हवाले कर दिया और दशकों पुराने सांस्कृतिक संगठनों के दफ्तरों में भी भारी तोड़फोड़ की गई। विशेष सहायक का यह इस्तीफा अंतरिम सरकार के भीतर बढ़ते असंतोष का संकेत माना जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में सरकार के कई महत्वपूर्ण सलाहकार और छात्र नेता अपने पदों से त्यागपत्र दे चुके हैं। यह राजनीतिक अस्थिरता इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि बांग्लादेश में फरवरी 2026 में आम चुनाव प्रस्तावित हैं। जुलाई 2024 में पिछली सरकार के पतन के बाद यह पहला राष्ट्रीय चुनाव होगा, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए शांतिपूर्ण मतदान कराना अंतरिम सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। शासन के भीतर लगातार होते इस्तीफे और सड़कों पर बढ़ती अराजकता ने यूनुस सरकार की कार्यप्रणाली और कानून व्यवस्था बनाए रखने की क्षमता पर गंभीर दबाव डाल दिया है

विमान में चाय-कॉफी में इस्तेमाल होने वाला पानी नहीं होता है सुरक्षित

लंदन। कई एयर होस्टेस और पूर्व क्रू मेंबर्स ने दावा किया है कि विमान में सर्व की जाने वाली चाय-कॉफी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला पानी पूरी तरह सुरक्षित नहीं होता। इसकी वजह प्लेन में लगे पानी के स्टोरेज टैंक बताए जा रहे हैं, जिनकी सफाई बहुत कम होती है और जिनमें बैक्टीरिया पनपने का खतरा बना रहता है। सोशल मीडिया पर कई एयर होस्टेस और पूर्व क्रू मेंबर्स यह खुलास किया है। कई अध्ययनों में विमान के पानी में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया और यहां तक कि ई.कोलाई जैसे खतरनाक कीटाणु पाए जाने की बात सामने आ चुकी है। यह मुद्दा नया नहीं है। अमेरिका की एनवायरनमेंटल प्रोटेक्शन एजेंसी (ईपीए) की 2004 और उसके बाद की स्टडीज में भी कई विमानों के पानी के सैंपल्स में बैक्टीरिया मिलने की पुष्टि हुई थी। 2019 की एक रिपोर्ट में भी कई एयरलाइंस के पानी की गुणवत्ता पर सवाल उठाए गए थे। नियमों के मुताबिक, एयरलाइंस को विमान के पानी के टैंक साल में चार बार साफ करने और उनकी टेस्टिंग कराने की जरूरत होती है। लेकिन कई एयर होस्टेस का दावा है कि ये टैंक या तो कभी साफ नहीं होते या बहुत कम साफ किए जाते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कई क्रू मेंबर्स कहते नजर आए कि वे खुद प्लेन की चाय-कॉफी नहीं पीते, क्योंकि उन्हें पानी की हकीकत पता होती है।

वेटिकन सिटी में क्रिसमस की धूम, पोप लियो का संदेश-यह दान और उम्मीद का त्योहार

द हेग,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

वेटिकन सिटी

वेटिकन सिटी में क्रिसमस की धूम है। पोप लियो (चतुर्दश) ने क्रिसमस की पूर्व संध्या पर जारी संदेश में कहा-'' यह दान और उम्मीद का त्योहार है।'' उन्होंने प्रभु के जन्म के पवित्र क्रिसमस मास खुशी का एलान करते हुए कहा कि सब लोग क्रिसमस को विश्वास, दान और उम्मीद के त्योहार के रूप में मनाएं।

वेटिकन न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पोप लियो ने सेंट पीटर बेसिलिका में रात को क्रिसमस मास की अध्यक्षता करते हुए चमकीले तारे को याद किया। उन्होंने कहा, 'एक नई जली हुई चिंगारी आसमान को रोशन कर रही है।' उन्होंने कहा कि प्रभु हर जगह मौजूद है। आसमान में टिमटिमाता यह तारा हर अंधेरे को रोशन करता है। इसकी रोशनी से पूरी मानवता एक नए और अनंत जीवन की सुबह देखती है।

पोप लियो ने कहा यीशु के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए यह प्रार्थना करनी चाहिए कि वह हमें सभी बुराइयों से छुटकारा दिला सकें। पोप ने कहा कि शिशुओं की देखभाल में दिव्यता का अनुभव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'प्रभु हर इंसान में खुद को प्रकट करते हैं।' पोप ने इस बात पर जोर दिया कि ईश्वर हर व्यक्ति की अनंत गरिमा को प्रकट करता है। उन्होंने कहा कि 'मसीह के दिल में प्रेम का बंधन धड़कता है। यह बंधन स्वर्ग और पृथ्वी, निर्माता और जीवों को जोड़ता है।' पोप ने कहा कि इस सत्य को पहचानने की जरूरत है। पोप लियो ने इस अवसर पर पिछले साल के समारोह को याद किया। उन्होंने कहा कि पिछले साल इसी दिन पोप फ्रांसिस ने जुबली वर्ष की शुरुआत के मौके पर सेंट पीटर बेसिलिका का पवित्र दरवाजा खोला था। आखिर में पोप लियो ने सभी के बीच क्रिसमस की खुशी बांटने का आह्वान किया।

भाई का दावाः भारत पर हत्या का आरोप लगाने वाले यूनुस ने खुद कराई हादी की हत्या

ढाका,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में इंकलाब मंच के प्रवक्ता और कट्टरपंथी युवा छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की बीते दिनों हुई मौत के मामले पर उनके भाई ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण खुलासा किया है। जिसमें शरीफ उमर हादी ने मंगलवार 23 दिसंबर को ये साफ किया कि मेरे भाई उस्मान हादी की हत्या के लिए अंतरिम सरकार का मुखिया यानी मोहम्मद यूनुस ही जिम्मेदार है।

सत्ता पर काबिज लोगों ने अगले साल फरवरी में बांग्लादेश में घोषित किए गए आम चुनावों को पटरी से उतारने के लिए ऐसा किया है। यह जानकारी बांग्लादेश के एक समाचारपत्र ने अपनी एक रिपोर्ट के जरिए दी है। वहीं, पड़ोसी देश में ये भी कहा जा रहा था कि हादी को गोली मारने के बाद हत्यारे भारत भाग गए हैं। पूर्व में मामले को लेकर बांग्लादेश ने भारत पर आरोप मढ़ने की कोशिश की थी। जिसके तहत कट्टरपंथियों की उग्र भीड़ ने राजधानी ढाका सहित कई अन्य जगहों पर मौजूद भारत के दूतावास परिसरों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास किए। लेकिन भारत ने इसे लेकर अंतरिम सरकार के साथ ही यहां देश में बांग्लादेश के उच्चायुक्त को तलब कर सख्त अंदाज में अपना विरोध दर्ज कराया है। बताते चलें कि उस्मान हादी

को एक रैली के दौरान बीते 12 दिसंबर को सिर में गोली मारी गई थी। जिसके बाद शुरुआती उपचार के बाद बांग्लादेश से उसे सिंगापुर ले जाया गया था। जहां उसकी मौत हो गई थी। घटना के बाद पूरे बांग्लादेश में कट्टरपंथियों के हिंसक विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए थे।

हादी के भाई शरीफ उमर हादी ने यह बयान इंकलाब मंच द्वारा उनके भाई के सम्मान में आयोजित किए गए शाहिदी शोपोथ नामक एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी। जिसका बांग्लादेशी समाचारपत्र ने अपनी रिपोर्ट में जिक्र किया है। उमर हादी ने ये भी कहा कि मेरे भाई की इच्छा थी कि बांग्लादेश में अगले साल फरवरी महीने में तय किए गए राष्ट्रीय चुनाव सही समय पर कराए जाएं। इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि वो मेरे भाई की इच्छा का सम्मान करें और चुनावों को सही तथा नियत समय पर ही संपन्न कराएं। इसके अलावा अधिकारी चुनावी माहौल को बाधित न करें। उमर हादी ने चेतावनी देते हुए कहा कि हत्यारों के खिलाफ जल्द ही मुकदमा दायर किया जाना चाहिए। जिससे चुनावी माहौल में कोई बाधा न आए। मामले की जांच में सरकार की तरफ से कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। अगर उस्मान हादी के हत्यारों को जल्द पकड़ा नहीं गया तो एक दिन आपको (अंतरिम सरकार के प्रतिनिधियों) भी बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ेगा।हादी और उसके साथ हुए विरोध-प्रदर्शनों के बीच बांग्लादेश में कट्टरपंथियों की बेकाबू भीड़ ने मैमनसिंह इलाके में एक हिंदू अल्पसंख्यक युवक दीपू चंद्र दास की बेरहमी से हत्या कर दी थी। दोनों घटनाओं के बीच वर्तमान समय में भारत और बांग्लादेश के संबंधों में तनाव की स्थिति बनी हुई है। भारत ने पड़ोसी देश में मौजूद अपने वीजा आवेदन केंद्र को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। जबकि बांग्लादेश ने भी भारत की देखा देखी यहां स्वदेश में सरकार से मांग की है कि वो नई दिल्ली और कोलकाता में उच्चायोग परिसरों के बाहर हो रहे प्रदर्शनों पर काबू पाएं।

गृह मंत्री अमित शाह ने मध्य प्रदेश में 1,655 औद्योगिक इकाइयों का किया शिलान्यास, 2 लाख करोड़ के निवेश से मिलेंगे लाखों रोजगार

ग्वालियर,25 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को 'अभ्युदय मध्य प्रदेश ग्रोथ समिट' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विषय था 'निवेश से रोजगार : अटल का संकल्प, उज्ज्वल मध्य प्रदेश।' इस मौके पर केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 1,655 औद्योगिक इकाइयों (इंडस्ट्रियल यूनिट्स) का शिलान्यास किया, जिनमें 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश होगा। इन परियोजनाओं से करीब 2 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। गृह मंत्री ने इसे अटल बिहारी वाजपेयी के सुशासन और राष्ट्र निर्माण के सपने को सच्ची श्रद्धांजलि बताया।

यह समिट अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मभूमि ग्वालियर में आयोजित हुई, जो आत्मनिर्भरता, विकास और समावेशी प्रगति की उनकी सोच को दर्शाती है।

इस दौरान अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की मिलकर काम करने वाली व्यवस्था से मध्य प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है और

अब यह 'विकसित भारत' का एक मजबूत आधार बन रहा है। केंद्र सरकार आगे भी मध्य प्रदेश को पूरा सहयोग देती रहेगी और प्रधानमंत्री मोदी के विजन के साथ मिलकर देश को समृद्ध बनाने का काम करेगी।

इसी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने समिट का उद्घाटन किया। यहां निवेशकों को भूमि आवंटन पत्र सौंपे गए, कई परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ और 10,000 करोड़ रुपए से अधिक की योजनाएं जनता को समर्पित की गईं।

ऊर्जा क्षेत्र में 60,000 करोड़ रुपए की तीन बड़ी परियोजनाएं शुरू होंगी, जिनसे 12,600 नौकरियां मिलेंगी। खनन क्षेत्र में 7,050 करोड़ रुपए की 13 परियोजनाओं से 9,505 रोजगार पैदा होंगे। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 35,581 करोड़ रुपए के 496 प्रोजेक्ट्स से 5,535 नौकरियां मिलेंगी।

पर्यटन क्षेत्र में 386 करोड़ रुपए के दो प्रोजेक्ट्स से 2,700 रोजगार, जबकि स्वास्थ्य क्षेत्र में 240 करोड़ रुपए के निवेश से 240 नौकरियां पैदा होंगी। इसके अलावा 40 करोड़ रुपए स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने पर खर्च किए जाएंगे।अमित शाह ने कहा कि क्षेत्रीय निवेश समितियों के जरिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास की मजबूत नींव रखी है। उन्होंने यह भी कहा कि मोहन यादव अपने प्रयासों से लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल की तेज रफ्तार से भी आगे जाते दिखाई दे रहे हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश की भौगोलिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए यहां पूरे राज्य में उद्योगों का संतुलित विकास जरूरी है। उन्होंने मालवा और ग्वालियर-चंबल क्षेत्रों में कपास उत्पादन का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कपास से जुड़े उद्योग स्थानीय स्तर पर लगाए जाएं, तो किसानों को बेहतर दाम मिलेंगे और उनकी आमदनी बढ़ेगी। इससे परिवहन लागत कम होगी और दिल्ली व अन्य राज्यों के बाजारों से सीधा जुड़ाव होगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने संथाली भाषा में भारत का संविधान जारी किया

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में संथाली भाषा में भारत का संविधान जारी किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि यह सभी संथाली लोगों के लिए गर्व और खुशी की बात है कि भारत का संविधान अब संथाली भाषा में, ओल चिकी लिपि में उपलब्ध है। इससे वे संविधान को अपनी भाषा में पढ़ और समझ सकेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि इस वर्ष हम ओल चिकी लिपि की शत-ाब्दी मना रहे हैं। उन्होंने विधि एवं न्याय मंत्री और उनकी टीम की प्रशंसा की, जिन्होंने शताब्दी वर्ष में भारत के संविधान को ओल चिकी लिपि में प्रकाशित करवाया।

भारत के राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट में बताया गया, अलचिकि लिपि में लिखित संताली भाषा में भारत के संविधान का लोकार्पण करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। यह हमारे लिए गौरव एवं प्रसन्नता की बात है कि भारत का संविधान संताली भाषा में प्रकाशित हुआ है।

पोस्ट में आगे लिखा गया, संताली भाषा में संविधान का उपलब्ध होना समस्त संताली समुदाय के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है।

ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और बिहार में रहने वाले सभी संताली लोग अपनी मातृभाषा एवं लिपि में लिखे गए संविधान को पूरी तरह जान सकेंगे। संविधान के अनुच्छेदों को वे ठीक से समझ सकेंगे।इस कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल मौजूद रहे।

बता दें कि संथाली भाषा, जिसे 2003 के 92वें संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था, भारत की सबसे प्राचीन जीवित भाषाओं में से एक है। यह झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार में बड़ी संख्या में आदिवासी लोगों द्वारा बोली जाती है।

मध्य प्रदेश: राजगढ़ में सराफा बाजार के कई दुकानों में डकैती, सदमे में व्यापारी के पिता की मौत

राजगढ़ ,25 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिला मुख्यालय पर बुधवार देर रात उस समय दहशत फैल गई, जब 10 से 12 हथियारों से लैस बदमाशों ने सराफा बाजार में कई दुकानों को निशाना बनाते हुए डकैती की वारदात को अंजाम दिया। हथियारबंद बदमाश गुलेल, सब्बल और पिस्तौल लेकर आए थे और उन्होंने सर्राफा कारोबारियों की दुकानों के ताले तोड़े। जानकारी के अनुसार, बदमाशों ने सबसे पहले सर्राफा कारोबारी राजेंद्र विजय वर्गी की दुकान को निशाना बनाया। यहां ताला तोड़कर डकैत करीब एक किलो चांदी, तीन तोला सोना और लगभग तीन लाख रुपए नकद लेकर फरार हो गए। वारदात के दौरान सबूत मिटाने के इरादे से बदमाशों ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए। इसके बाद बदमाशों ने सचिन सोनी की बागेश्वर ज्वेलर्स की दुकान का ताला तोड़ा और वहां से अलमारी में रखे 32 हजार रुपए नकद, करीब 200 ग्राम चांदी सहित अन्य सामान चुरा लिया। बताया जा रहा है कि जिस समय बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया, उस वक्त 75 वर्षीय बुजुर्ग गोपाल चंद्र सोनी दुकान के अंदर ही सो रहे थे। आहट लगने पर उनकी नींद खुली और उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया। इसी दौरान बदमाशों ने लोहे का सब्बल अंदर की ओर घुसा दिया, जो बुजुर्ग के पैर में जा घुसा, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। वारदात के दौरान बदमाशों ने गुलेल से पत्थर बरसाए और फायरिंग भी की। घटना दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है।डकैती के बाद जब शोर सुनकर आसपास के लोग जागे तो उन्होंने बदमाशों का पीछा किया। इस दौरान बदमाश बांसवाड़ा क्षेत्र की ओर भाग निकले। इस दौरान बदमाशों ने फायरिंग करते हुए गुलेल से पत्थर फेंके। इस हमले में कमल मेवाड़े की आंख में चोट आई, जबकि अमित नामक युवक की पीठ में चोट लगी।सूचना पाकर राजगढ़ एसपी अमित कुमार तोलानी मौके पर पहुंचे। उनके साथ फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट, डॉग स्क्वॉड और पुलिस की अन्य टीमें भी घटनास्थल पर पहुंचीं और साक्ष्य जुटाने का काम शुरू किया। एसपी ने स्थानीय लोगों और व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

अटल बिहारी वाजपेयी के दिल के करीब थी रीवा की बघेली भाषा : अमित शाह

रीवा,25 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के रीवा जिले में आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि रीवा की बघेली भाषा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दिल के बहुत करीब थी और वे अक्सर इसी भाषा में बात किया करते थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह बात राज्य सरकार की 'प्राकृतिक खेती परियोजना' के शुभारंभ के अवसर पर कही। इस कार्यक्रम से पहले अमित शाह ने ई-कार्ट के जरिए एक गौशाला का निरीक्षण किया और रीवा के बसामन मामा क्षेत्र में कृषि विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी को भी देखा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित कई स्थानीय भाजपा नेता मौजूद रहे।

बघेली भाषा बघेलखंड क्षेत्र की प्रमुख स्थानीय भाषा है, जिसमें रीवा, सीधी और सतना जिले शामिल हैं। यह भाषा अवधी और भोजपुरी से काफी मिलती-जुलती है। रीवा जिला उत्तर प्रदेश की सीमा से तीन दिशाओं- प्रयागराज (इलाहाबाद), मिर्जापुर-वाराणसी, और चित्रकूट-से जुड़ा हुआ है, जिससे यहां की भाषा और संस्कृति पर भी उसका प्रभाव दिखाई देता है।

उन्होंने बसामन मामा गौशाला का भी जिक्र किया,

जहां 7,000 से अधिक गायों को आश्रय दिया गया है। यह गौशाला विशेष रूप से बेसहारा गायों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से स्थापित की गई है।

रीवा में आयोजित यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री मोहन यादव की कृषि विकास और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दूरदर्शी सोच का हिस्सा है।

बता दें कि महिला सशक्तिकरण (2024-25) और औद्योगिक विकास (2025-26) को समर्पित दो वर्षों के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने वर्ष 2026 को 'कृषि वर्ष' घोषित किया है।

इस पहल के तहत किसानों की आय बढ़ाने, जलवायु अनुकूल प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, फसलों के उचित दाम सुनिश्चित करने, तकनीकी सुधारों और डिजिटल माध्यमों से कृषि को मजबूत करने के लिए समन्वित प्रयास किए जाएंगे।

मध्य प्रदेश देश में मक्का और सोयाबीन उत्पादन में पहले स्थान पर है, जबकि गेहूं, उड़द, मसूर, चना, सरसों, तिलहन, दलहन, अनाज और मोटे अनाज के उत्पादन में दूसरे स्थान पर है।

पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार ने 48.51 लाख किसानों से 2.41 करोड़ मीट्रिक टन अनाज की खरीद की है और इसके बदले 81,767 करोड़ रुपए की राशि सीधे किसानों के खातों में ट्रांसफर की गई है।

प्राकृतिक आपदाओं से फसल नुकसान की स्थिति में किसानों को राहत देने के लिए बीते दो वर्षों में 77 लाख किसानों को 1,243.54 करोड़ रुपए का मुआवजा भी दिया गया है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत केंद्र सरकार किसानों को सालाना 6,000 रुपए देती है, जबकि राज्य सरकार भी 6,000 रुपए की सहायता देती है। अप्रैल 2025 से अब तक इस संयुक्त योजना के अंतर्गत 1.61 करोड़ किसानों को कुल 65,756 करोड़ रुपए वितरित किए जा चुके हैं।

सीनियर रजिडेंसी के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग की जाए आरम्भ : मुख्यमंत्री

शिमला,25 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने यहां स्वास्थ्य विभाग, इंदिरा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, शिमला और निदेशालय चिकित्सा शिक्षा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों और आई.जी.एम.सी. शिमला में 22 दिसम्बर को हुई घटना पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग, आई.जी.एम.सी और निदेशालय चिकित्सा शिक्षा के अधिकारियों से इस घटना से जुड़े सभी तथ्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। सुक्खू ने कहा कि इस घटना की जांच 24 दिसम्बर, 2025 तक पूर्ण कर अतिशीघ्र उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि हर संस्थान में पेशेवरों का व्यवहार सौम्य और शांत होना चाहिए। इससे व्यक्तित्व के साथ-साथ संस्थान की छवि भी झलकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आई.जी.एम.सी. से पढ़ाई करने के उपरान्त चिकित्सकों ने राज्य का नाम देश और विदेश में रौशन किया है। आई.जी.एम.सी. में हुई घटना निंदनीय है। किसी भी संस्थान में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुक्खू ने निदेशालय चिकित्सा शिक्षा को सीनियर रेजिडेंसी करने के लिए चिकित्सा महाविद्यालय में आने वाले चिकित्सकों को इंडक्शन टेऋनिंग प्रदान करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सीनियर रेजिडेंसी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने विगत तीन वर्षों के दौरान चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक महत्त्वाकांक्षी पहल की हैं। चिकित्सकों और पैरा मेडिकल स्टाफ को संस्थान और अस्पताल में बेहतर वातावरण प्रदान करने के लिए विश्व-स्तरीय मानकों को अपनाया जा रहा है। सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को न केवल सुदृढ़ कर रही है बल्कि इस क्षेत्र में आदर्श राज्य बनने के लिए कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास और विस्तार पर तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा स्वास्थ्य संस्थानों में दो दशकों से इस्तेमाल हो रहे पुराने चिकित्सा उपकरणों को नए और अत्याधुनिक उपकरणों से बदला जा रहा है।

बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने चिकित्सा शिक्षा से सम्बन्धित विभिन्न सुझाव दिए। मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, सचिव स्वास्थ्य संदीप कदम, निदेशक, चिकित्सा शिक्षा डॉ. राकेश शर्मा, निदेशक स्वास्थ्य डॉ. गोपाल बेरी, एम.एस. आई.जी.एम.सी डॉ.राहुल राव, अतिरिक्त निदेशक नीरज कुमार गुप्ता और वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

इस साल दिल्ली से सबसे ज्यादा बांग्लादेशी नागरिकों का निर्वासन, 2200 से अधिक डिपोर्ट

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसियां)। साल 2025 दिल्ली में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए याद किया जाएगा। गृह मंत्रालय के निर्देशों पर दिल्ली पुलिस ने पूरे साल अभियान चलाकर लगभग 2200 बांग्लादेशी नागरिकों को पहचानकर उनको देश वापस भेजा। यह संख्या पिछले वर्षों की तुलना में कई गुना अधिक है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और कानूनी व्यवस्था को मजबूती मिली है। आंकड़ों के अनुसार, 2024 में दिल्ली से केवल 14 बांग्लादेशी डिपोर्ट किए गए थे। 2023 में यह संख्या 5 और 2022 में 50 थी, लेकिन 2025 में गृह मंत्रालय के सख्त आदेशों के बाद कार्रवाई तेज हुई। विशेषकर पहलगाम आतंकी हमले के बाद अभियान और तेज हो गया। दिल्ली पुलिस ने पहचान, सत्यापन और निर्वासन प्रक्रिया को तेज किया। इनमें से अधिकांश बांग्लादेशी फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारत में रह रहे थे। उन्होंने फर्जी आधार कार्ड, वोटर आईडी, पैन कार्ड और अन्य सरकारी दस्तावेज बनवाए थे। वे कई वर्षों से दिल्ली के विभिन्न इलाकों, जैसे उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम, बाहरी दिल्ली, झुग्गी-झोपड़ियों और होटलों, में छिपकर रह रहे थे। कुछ ने यहां शादी की, नौकरी की और बैंक लोन तक ले लिया।दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच, स्पेशल सेल और सभी जिला इकाइयों ने दरवाजा-दरवाजा जांच, रेड और वेरिफिकेशन ड्राइव चलाईं। एफआरआरओ (विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय) के सहयोग से इनकी पहचान कर ट्रेन, बस और विमान से पूर्वी राज्यों (जैसे त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल) भेजा गया और पूर्वी भूमि सीमा से बांग्लादेश वापस भेज दिया गया। कई मामलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे, जिनकी देखभाल का विशेष ध्यान रखा गया।यह अभियान राष्ट्रीय सुरक्षा, चुनावी प्रक्रिया की शुद्धता और अवैध घुसपैठ रोकने के लिए महत्वपूर्ण है। दिल्ली पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी दें।

वाजपेयी दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने भारत को परमाणु शक्ति बनाया : चंद्रबाबू नायडू

अमरावती,25 दिसंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एक दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने भारत को परमाणु शक्ति बनाकर दुनिया के सामने भारतीयों की क्षमताओं को साबित किया। गुरुवार को वाजपेयी की 101वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान वाजपेयी ने स्पष्ट कर दिया था कि यदि कोई भारत को चुनौती देगा तो वह उचित जवाब देगा। यही संकल्प हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भी देखने को मिला। मुख्यमंत्री नायडू ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ अमरावती राजधानी क्षेत्र के वेंकटपालेम में अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस

अवसर पर उन्होंने वाजपेयी के जीवन पर आधारित फोटो प्रदर्शनी देखी और कार्यक्रम स्थल पर लगे विभिन्न स्टॉलों का भी अवलोकन किया।इसके बाद मुख्यमंत्री ने पास ही आयोजित सुशासन दिवस की जनसभा में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्रीनिवास वर्मा और पेम्मासानी चंद्रशेखर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पीवीएन माधव, राज्य मंत्री सत्यकुमार यादव, पी. नारायण, कंदुला दुर्गेश सहित कई नेता मौजूद रहे। टीडीपी, भाजपा, जनसेना के कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने प्रतिमा अनावरण समारोह में भाग लिया।इससे पहले मुख्यमंत्री नायडू ने 'एक्स' पर वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लिखा, अपने नाम की तरह ही अटल बिहारी वाजपेयी जी राष्ट्र सेवा के संकल्प में अटल थे। वे गरिमामय राज-नेता, कवि हृदय और दुर्लभ दूरदर्शिता वाले नेता थे, जो अपनी ईमानदारी, विनम्रता और दलों के बीच सहमति बनाने की क्षमता के लिए जाने जाते थे।टीडीपी प्रमुख ने वाजपेयी के साथ अपने संबंधों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने भारत की सुरक्षा को मजबूत किया, शासन को नई दिशा दी और अपने विचारों व कार्यों से पीढ़ियों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा, मुझे उनके साथ काम करने और उनकी बुद्धिमत्ता से सीखने का सौभाग्य मिला। देश के विकास में उनके परिवर्तनकारी योगदान के लिए उन्हें हमेशा सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद किया जाएगा।सुशासन दिवस की जनसभा में मुख्यमंत्री ने दोहराया कि अमरावती को विश्वस्तरीय शहर के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यहां के किसानों का बलिदान ही अमरावती में वाजपेयी स्मृति वनम के निर्माण की प्रेरणा है। उन्होंने कहा, यह स्मारक हम अटल बिहारी वाजपेयी को ऐसा भव्य सम्मान देने के लिए बना रहे हैं, जिसे इतिहास याद रखेगा।मुख्यमंत्री ने बताया कि भाजपा ने अटल-मोदी सुशासन यात्रा शुरू की है और गठबंधन सरकार मिलकर 26 जिला मुख्यालयों में वाजपेयी की प्रतिमाएं स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार वाजपेयी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मना रही है।नायडू ने पूर्व मुख्यमंत्री और टीडीपी संस्थापक एन. टी. रामाराव (एनटीआर) के योगदान को भी याद किया। उन्होंने कहा कि एनटीआर और वाजपेयी ने इतिहास की दिशा बदल दी। एनटीआर ने गैर-कांग्रेस दलों को राष्ट्रीय मोर्चे के तहत एकजुट किया।

कम उम्र, बड़ा स्टारडम: 16 साल की नगमा ने सलमान खान संग बॉलीवुड में रखा कदम

फिल्म इंडस्ट्री में बहुत कम ऐसे चेहरे होते हैं, जो इतनी कम उम्र में शोहरत की ऊंचाई तक पहुंच जाते हैं कि लोग उन्हें सालों तक याद रखते हैं। 90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री नगमा भी उन्हीं नामों में शामिल हैं। उनकी पहचान सिर्फ एक सफल अभिनेत्री के तौर पर नहीं, बल्कि एक ऐसी लड़की के रूप में भी बनी, जिसने बेहद कम उम्र में स्टारडम हासिल किया। बहुत कम लोग जानते हैं कि जब नगमा ने सलमान खान के साथ फिल्म 'बागी' साइन की थी, तब उनकी उम्र महज 16 साल थी। उनका फिल्मी सफर आज भी लोगों के लिए दिलचस्प बना हुआ है। नगमा का जन्म 25 दिसंबर 1974 को मुंबई में हुआ था। उनका असली नाम नंदिता अरविंद मोरारजी है। उनकी मां मुस्लिम थीं और पिता हिंदू, जो एक जाने-माने उद्योगपति थे। बचपन से ही नगमा का मन फिल्मों और कला से जुड़ा रहा। उनकी मां ने ही उन्हें अभिनय की दुनिया में आने के लिए प्रेरित किया। पढ़ाई के साथ-साथ नगमा का झुकाव कैमरे और अभिनय की तरफ बढ़ा। उनकी किस्मत अच्छी थी कि कम उम्र में ही उन्हें फिल्मों का ऑफर मिल गया।

साल 1990 में नगमा ने सलमान खान के साथ फिल्म 'बागी: अ रिबेल ऑफ लव' से बॉलीवुड में कदम रखा। उस समय सलमान भी नए थे और नगमा तो उम्र में उनसे काफी छोटी थीं। महज 16 साल की नगमा का स्क्रीन पर आत्मविश्वास, मासूमियत और खूबसूरती दर्शकों को खूब पसंद आई। 'बागी' उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हुई और नगमा रातोंरात स्टार बन गईं। कम उम्र में पहली ही फिल्म का सुपरहिट होना किसी सपने से कम नहीं था। पहली सफलता के बाद नगमा के पास फिल्मों की लाइन लग गई। उन्होंने 'यलगार', 'सुहाग', 'लाल बादशाह', 'कुंवारा' और 'अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों' जैसी कई फिल्मों में काम किया। हालांकि, उनका बॉलीवुड करियर ज्यादा लंबा नहीं रहा, लेकिन जितनी भी फिल्में कीं, उनमें उनकी मौजूदगी हमेशा चर्चा में रही। कम उम्र में इंडस्ट्री में आकर काम करना आसान नहीं होता, लेकिन नगमा ने हर फिल्म में खुद को साबित किया।

बॉलीवुड में काम करने के बाद नगमा ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री का रुख किया, जहां उनकी किस्मत ने नया मोड़ लिया। उन्होंने तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों में एक के बाद एक हिट फिल्में दीं। साउथ में उनकी लोकप्रियता इतनी बढ़ी कि वे वहां की टॉप अभिनेत्रियों में गिनी जाने लगीं। इसके बाद नगमा ने भोजपुरी फिल्मों में भी काम किया और वहां भी उन्होंने सफलता हासिल की। भोजपुरी सिनेमा में उनके आने से इंडस्ट्री की पहचान बदली और ग्लैमर का नया दौर शुरू हुआ। फिल्म 'दूल्हा मिलल दिलदार' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार भी मिला।

इंडस्ट्री में बहुत कम अभिनेत्रियां ऐसी रही हैं, जिन्होंने इतनी अलग-अलग भाषाओं में काम किया हो और हर जगह पहचान बनाई हो।

फिल्मों से दूरी बनाने के बाद नगमा ने राजनीति में कदम रखा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी जॉइन की और स्टार प्रचारक के तौर पर काम किया। साल 2014 में उन्होंने लोकसभा चुनाव भी लड़ा। हालांकि राजनीति में उन्हें फिल्मों की तरह सफलता नहीं मिली, लेकिन उन्होंने अपनी अलग पहचान जरूर बनाई।निजी जीवन की बात करें तो नगमा हमेशा चर्चा में रहीं, लेकिन उन्होंने कभी शादी नहीं की। उनके जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए। उन्होंने हर दौर को मजबूती से संभाला। आज भले ही नगमा फिल्मों से दूर हैं, लेकिन 16 साल की उम्र में सुपरस्टार बनने की उनकी कहानी आज भी लोगों को हैरान करती है।

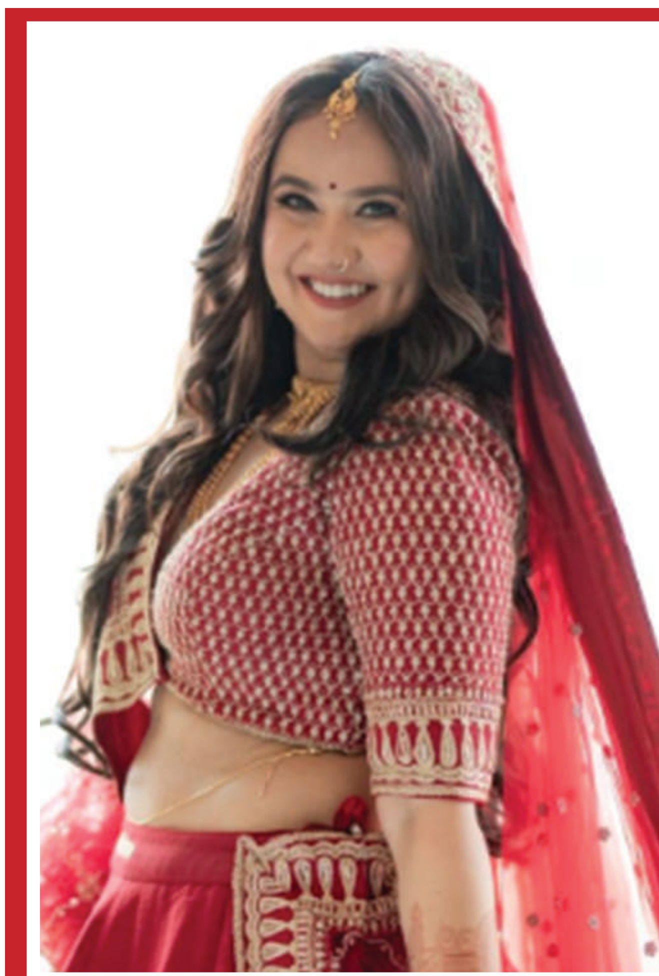

रूपल त्यागी ने रचाई शादी

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री रूपल त्यागी हाल ही में शादी के बंधन में बंध गईं। अभिनेत्री की शादी में मनोरंजन जगत से कई लोगों ने शिरकत की थी, लेकिन एक खास मेहमान ने भी शिरकत की थी, जिनका नाम है महिमा मकवाना। शादी में अभिनेत्री के शामिल होने पर रूपल ने खुशी जाहिर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर महिमा के साथ तस्वीर शेयर की। इसमें दोनों एक-दूसरे के साथ खास बॉन्ड शेयर करते दिख रही हैं। अभिनेत्री ने लिखा, 'सपने सुहाने लड़कपन के' सिर्फ एक सीरियल नहीं था, बल्कि जीवन का एक महत्वपूर्ण सफर था। इस दौरान मैंने जिंदगी के सबसे खुशी भरे पल और कठिन क्षण भी देखे थे। यही कारण है कि यह अनुभव मेरे दिल के बेहद करीब है। धीरे-धीरे शो से जुड़े सभी कलाकार और क्रू उनके परिवार जैसे बन गए।

अभिनेत्री ने आगे लिखा, आज भी महिमा मकवाना को देखती हूं, तो भावुक हो जाती हूं। अगर गुंजन की शादी में रचना की मौजूदगी न होती, तो वह अधूरी सी लगती। ठीक वैसे ही, शो के हर सदस्य की उपस्थिति मेरे लिए खास दिन को पूरा बनाती है। आप सभी ने समय निकालकर मेरा साथ दिया, इसके लिए मैं दिल से आभारी हूं। आपने इस दिन को हमेशा यादगार बना दिया।अभिनेत्री ने यह भी जिक्र किया कि उन्हें अफसोस है कि वे निहारिक मैम, निलिमा और राजू सर के साथ एक भी फोटो नहीं खिंचवा पाईं, लेकिन बाकी सभी के साथ यादें और तस्वीरें संजो पाईं, जो उनके लिए अनमोल हैं। रूपल ने सभी के प्रति ढेर सारा प्यार, कृतज्ञता और अपनापन व्यक्त किया और कहा कि ये यादें हमेशा उनके दिल में बसी रहेंगी। बता दें कि रूपल त्यागी और महिमा मकवाना ने धारावाहिक 'सपने सुहाने लड़कपन के' में दो बहनों का किरदार निभाया था, जहां रूपल गुंजन के किरदार में दिखी थी, तो वहीं महिमा ने रचना का किरदार निभाया था।

फिल्म राहु-केतु के अभिनेता पुलकित सम्राट ने वरुण शर्मा, निर्माता सूरज सिंह के साथ महाकालेश्वर मंदिर में की पूजा-अर्चना

हाल ही में अभिनेता पुलकित सम्राट अपनी फिल्म 'राहु केतु' के को-स्टार वरुण शर्मा, शालिनी पांडे और निर्माता सूरज सिंह के साथ उज्जैन स्थित पवित्र महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर पहुंचे थे और वहां अपनी पूरी टीम के साथ उन्होंने भगवान महादेव का आशीर्वाद लिया। गौरतलब है कि ज्योतिष और हास्य के अनोखे संगम से सजी कॉमेडी एंटरटेनर फिल्म 'राहु केतु' अगले वर्ष 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। फिलहाल मंदिर दर्शन की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें पूरी टीम भक्ति में लीन नजर आ रही है। पारंपरिक परिधान में सजे कलाकारों को पूजा-अर्चना करते, विशेष अनुष्ठानों में भाग लेते और हर हर महादेव के जयकारे लगाते देखा जा रहा है। साथ ही मंदिर का आध्यात्मिक और दिव्य वातावरण फिल्म की यात्रा में एक सकारात्मक ऊर्जा जोड़ रहा है। ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन मजबूत दोस्ती के लिए मशहूर पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा पूजा के बीच हल्के-फुल्के पल साझा करते भी नजर आए, जो उनकी शानदार केमिस्ट्री को दर्शाता है। वहीं शालिनी पांडे पूरे मनोयोग और शांति के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल रहीं। निर्माता सूरज सिंह ने पूरी टीम के साथ मिलकर पूजा का नेतृत्व किया, जो इस बात का संकेत है कि फिल्म के प्रमोशन की शुरुआत शुभ और सकारात्मक ऊर्जा के साथ की जा रही है।

टीम ने सोशल मीडिया पर मंदिर दर्शन की झलकियां साझा करते हुए आस्था, कृतज्ञता और दोस्ती जैसे भावों को उजागर किया। यह यात्रा सिर्फ एक धार्मिक पड़ाव नहीं, बल्कि पूरी यूनिट के लिए आत्मचिंतन और एकजुटता का खास पल भी रही। कॉमेडी फिल्म 'राहु केतु' दर्शकों के लिए एक फ्रेश और मनोरंजक अनुभव लेकर आने का वादा करती है, जिसमें ज्योतिषीय मान्यताओं को हास्य के साथ पिरोया गया है। महादेव के आशीर्वाद और टीम की मजबूत एकता के साथ, मेकर्स को पूरा भरोसा है कि फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में दर्शकों के दिलों को जीतने में कामयाब रहेगी।

फिल्म जन नायकन का हिंदी टाइटल रिवील

नए पोस्टर में भिड़ते दिखे थलपति विजय और बॉबी देओल

इमोशन और जबरदस्त उम्मीदों से भरे पल में थलपति विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म के मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर इसके हिंदी टाइटल जन नेता का ऐलान कर दिया है। इसके साथ ही एक धांसू नया पोस्टर भी रिलीज़ किया गया, जिसमें थलपति विजय और बॉबी देओल आमने-सामने नज़र आते हैं। साथ ही ये कन्फर्म कर दिया गया कि फिल्म की उत्तर भारत में रिलीज़ की जिम्मेदारी ज़ी स्टूडियोज संभालेगा। नया पोस्टर आग, तबाही और अराजकता से भरे माहौल में विजय और बॉबी देओल के बीच तीखे टकराव को दिखाता है। ये विजुअल साफ इशारा करता है कि ये कहानी सिर्फ मारधाड़ नहीं, बल्कि सत्ता, विचारधारा और विश्वास की टक्कर है-जहां टकराती हैं सोच, जुनून और जिद। थलपति विजय यहाँ एक सख्त, जमीनी और शांत शक्ति वाले अवतार में नजर आते हैं, जबकि बॉबी देओल का दमदार मिलिट्री-स्टाइल लुक कहानी को और विशाल और टेंशन से भरा बनाता है। हेलीकॉप्टर, विस्फोट और बड़े पैमाने पर तबाही यह संकेत देते हैं कि फिल्म एक बड़े राजनीतिक और राष्ट्रीय कैनवास पर खेली जाने वाली रोमांचक जंग है। सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए केवीएन प्रोडक्शंस ने लिखा, रींिसशींहशी लहरव्ळूर लहरव्ळूर ीुळींपर्शीी हळी`पश श्रीीं वरपलश, और यहीं से उत्साह और बढ़ गया। रिलीज़ से पहले ही फिल्म ने कई ओवरसीज़ बाज़ारों में रिकॉर्ड तोड़ प्री-सेल्स दर्ज कर ली हैं, जो साफ दिखाता है कि फिल्म को लेकर क्रेज़ आसमान पर है। क्योंकि ये थलपति विजय की आखिरी फिल्म है, इसलिए फैन्स के लिए ये एक बेहद इमोशनल और स्पेशल रिलीज़ मानी जा रही है। वहीं ज़ी स्टूडियोज के सपोर्ट से हिंदी बाज़ार में भी ये फिल्म विशाल ओपनिंग की पूरी तैयारी में है।

फिल्म के डायरेक्टर एच. विनोथ अपनी दमदार कहानियों और गहराई से बुने नैरेटिव्स के लिए जाने जाते हैं, और यही उम्मीद इस फिल्म से भी की जा रही है-मकसद, असर और जुनून से भरी कहानी। अनिरुद्ध रविचंदर का संगीत और पूजा हेगड़े, ममिता बैजू, प्रकाश राज, गौतम वासुदेव मेनन, प्रियमणि और नरैन जैसे मज़बूत कलाकार फिल्म के वर्ल्ड को और व्यापक बनाते हैं।

उत्साह को और बढ़ाते हुए फिल्म का ग्रैंड ऑडियो लॉन्च 27 दिसंबर को मलेशिया में होने जा रहा है-जहां जश्न, जोश और भावनाओं का बड़ा धमाका तय है। केवीएन प्रोडक्शंस और प्रोड्यूसर वेंकट के. नारायण द्वारा निर्मित जना नायगन (हिंदी में जन नेता) 9 जनवरी 2026 को दुनिया भर में भव्य रिलीज़ के लिए तैयार है-और ये रिलीज़ पोंगल के त्योहार के उत्साह में और रंग भरने वाली है।

प्रतीक बब्बर के साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार रहा : प्रिया बनर्जी

पॉपुलर वेब सीरीज 'फोर मोर शॉट्स प्लीज' के चौथे और अंतिम सीजन में एक्ट्रेस प्रिया बनर्जी ने अपने पति प्रतीक बब्बर के साथ स्पेशल कैमियो किया है। यह शादी के बाद कपल का पहला ऑन-स्क्रीन कोलैबोरेशन है।

प्रिया ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए इस अनुभव को मजेदार बताया। प्रिया ने कहा, प्रतीक के साथ जिंदगी का नया चैप्टर शुरू करने के बाद स्क्रीन शेयर करना काफी खास लगा। शादी की तस्वीरें वायरल होने के बाद मेकर्स ने इस छोटे कैमियो के लिए उनसे संपर्क किया था। प्रिया ने बताया, प्रतीक चाहता था कि मैं यह प्रोजेक्ट करूं, क्योंकि यह उनके सबसे पसंदीदा शो में से एक है। यह फैसला भी मैंने अचानक से लिया। मैंने सच में यह सिर्फ मजे और उनके साथ उस पल को स्क्रीन पर शेयर करने की खुशी के लिए किया। 'फोर मोर शॉट्स प्लीज' का चौथा सीजन हाल ही में प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ है, जो सीरीज का फाइनल सीजन है। इसमें मुख्य किरदारों के साथ प्रतीक अहम भूमिका में हैं, जबकि प्रिया का कैमियो दर्शकों के लिए सरप्राइज है।

यह सीरीज चार महिलाओं की जिंदगी, दोस्ती, प्यार और चुनौतियों पर आधारित है।

प्रिया इससे पहले भी प्रतीक के साथ काम कर चुकी हैं। इसी साल अक्टूबर में प्रतीक और प्रिया ने एक फैशन इवेंट में शानदार सफेद आउटफिट्स में साथ रैंप वॉक किया था। जब उनसे पूछा गया कि पत्नी के साथ या किसी दूसरी एक्ट्रेस के साथ रैंप वॉक ज्यादा मजेदार लगता है, तो प्रतीक ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया था कि प्रिया के साथ रैंप पर चलना उन्हें आत्मविश्वास के साथ खुशी भी देता है, जो किसी और के साथ नहीं मिलती।

प्रिया और प्रतीक ने 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे पर करीबी परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में घर पर शादी की थी। कपल ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कर प्रशंसकों को जानकारी दी थी।

2026 में रहेंगी 24 एकादशी

यज्ञ से भी ज्यादा फल देता है एकादशी व्रत

हिंदू धर्म में एकादशी को सभी व्रतों में श्रेष्ठ माना जाता है। एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। मान्यता है जो व्यक्ति इस व्रत को सच्चे मन से करता है उसे उसके सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है। एकादशी व्रत करने वाला व्यक्ति इस लोक में समस्त सुख भोगकर मृत्य के बाद स्वर्ग में स्थान पाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ग्यारहवीं तिथि को एकादशी कहते हैं। ये महीने में दो बार आती है। एक शुक्ल पक्ष के बाद और दूसरी कृष्ण पक्ष के बाद। पूर्णिमा के बाद आने वाली एकादशी को कृष्ण पक्ष की एकादशी और अमावस्या के बाद आने वाली को शुक्ल पक्ष की एकादशी कहते हैं। इस तरह साल 24 एकादशी तिथियों को अलग-अलग नाम दिए गए हैं। हर एकादशी का अपना अलग महत्व है। हिंदू धर्म व्रतों और त्योहारों का विशेष महत्व है। एकादशी व्रत का भी सभी व्रत में विशेष महत्व है। एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। हिन्दू पंचांग के अनुसार एकादशी व्रत हर माह में 2 बार पड़ता है एक कृष्ण पक्ष में और एक शुक्ल पक्ष में। इस तरह से साल में 24 एकदशी पड़ती हैं।

हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार एकादशी तिथि भगवान विष्णु को बेहद प्रिय है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस व्रत की महिमा स्वयं श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को बताई थी। एकादशी व्रत के प्रभाव से जातक को मोक्ष मिलता है और सभी कार्य सिद्ध हो जाते हैं, दरिद्रता दूर होती है। अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता, शत्रुओं का नाश होता है, धन, ऐश्वर्य, कीर्ति, पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता रहता है। एकादशी का व्रत सभी व्रतों में सर्वोच्च माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि इस व्रत को करने से व्यक्ति जन्म मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही उसे सभी पापों से मुक्ति मिलती है। एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है और पुण्य की प्राप्ति होती है। जो व्यक्ति सच्ची श्राद्धा और भक्ति से इस व्रत को करते हैं उसकी सभी परेशानियों से उसे छुटकारा मिलता है। साल भर में आने वाली सभी एकादशियों का फल अलग-अलग मिलता है। सालभर में कुल 24 एकादशी आती हैं। हर महीने एक कृष्ण पक्ष की एकादशी और दूसरी शुक्ल पक्ष की एकादशी आती है। इसी के साथ कुल एकादशी की संख्या सालभर में 24 होती है।

यज्ञ से भी ज्यादा फल देता है एकादशी व्रत

पुराणों के मुताबिक, एकादशी को हरी वासर यानी भगवान विष्णु का दिन कहा जाता है। विद्वानों का कहना है कि एकादशी व्रत यज्ञ और वैदिक कर्म-कांड से भी ज्यादा फल देता है। पुराणों में कहा गया है कि इस व्रत को करने से मिलने वाले पुण्य से पितरों को संतुष्टि मिलती है। स्कंद पुराण में भी एकादशी व्रत का महत्व बताया गया है। इसको करने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं।

स्कन्द पुराण में कहा गया है कि हरिवासर यानी एकादशी और द्वादशी व्रत के बिना तपस्या, तीर्थ स्थान या किसी तरह के पुण्याचरण द्वारा मुक्ति नहीं होती। पदम पुराण का कहना है कि जो व्यक्ति इच्छा या न चाहते हुए भी एकादशी उपवास करता है, वो सभी पापों से मुक्त होकर परम धाम वैकुंठ धाम प्राप्त करता है। कात्यायन स्मृति में जिक्र किया गया है कि आठ साल की उम्र से अस्सी साल तक के सभी स्त्री-पुरुषों के लिए बिना किसी भेद के एकादशी में उपवास करना कर्त्तव्य है। महाभारत में श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को सभी पापों ओर दोषों से बचने के लिए 24 एकादशियों के नाम और उनका महत्व बताया है।

एकादशी व्रत का महत्व

वैदिक संस्कृति में प्राचीन काल से ही योगी और ऋषि इन्द्रिय क्रियाओं को भौतिकवाद से देवत्व की ओर मोड़ने को महत्व देते आ रहे हैं। एकादशी का व्रत उसी साधना में से एक है। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार एकादशी में दो शब्द होते हैं एक (1) और दशा (10)। दस इंद्रियों और मन की क्रियाओं को सांसारिक वस्तुओं से ईश्वर में बदलना ही सच्ची एकादशी है। एकादशी का अर्थ है कि हमें अपनी 10 इंद्रियों और 1 मन को नियंत्रित करना चाहिए। मन में काम, क्रोध, लोभ आदि के कुविचार नहीं आने देने चाहिए। एकादशी एक तपस्या है जो केवल भगवान को महसूस करने और प्रसन्न करने के लिए की जानी चाहिए।

एकादशी व्रत 2026

षटतिला एकादशी- 14 जनवरी 2026
जया एकादशी - 29 जनवरी 2026
विजया एकादशी - 13 फरवरी 2026
आमलकी एकादशी - 27 फरवरी 2026
पापमोचिनी एकादशी - 15 मार्च 2026
कामदा एकादशी - 29 मार्च 2026
वरुथिनी एकादशी - 13 अप्रैल 2026
मोहिनी एकादशी - 27 अप्रैल 2026
अपरा एकादशी - 13 मई 2026
पद्मिनी एकादशी - 27 मई 2026
परम एकादशी - 11 जून 2026
निर्जला एकादशी - 25 जून 2026
योगिनी एकादशी - 10 जुलाई 2026
देवशयनी एकादशी - 25 जुलाई 2026
कामिका एकादशी - 9 अगस्त 2026
श्रावण पुत्रदा एकादशी - 23 अगस्त 2026
अजा एकादशी - 7 सितंबर 2026
परिवर्तिनी एकादशी - 22 सितंबर 2026
इन्दिरा एकादशी - 6 अक्टूबर 2026
पापांकुशा एकादशी - 22 अक्टूबर 2026
रमा एकादशी - 5 नवंबर 2026
देवुत्थान एकादशी - 20 नवंबर 2026
उत्पन्ना एकादशी - 4 दिसंबर 2026
मोक्षदा एकादशी - 20 दिसंबर 2026

सुख-समृद्धि और वैवाहिक शांति के लिए विशेष है शुक्रवार का दिन, जानें पूजा विधि और भोग का महत्व

पौष माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि शुक्रवार दोपहर 1 बजकर 43 मिनट तक रहेगी। इसके बाद सप्तमी तिथि लग जाएगी। इस दिन सूर्य धनु और चंद्रमा 27 दिसंबर तक सुबह 3 बजकर 10 मिनट तक कुम्भ राशि में रहेंगे। द्रिक पंचांग के अनुसार, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 1 मिनट से शुरू होकर 12 बजकर 42 मिनट तक रहेगा और राहुकाल का समय सुबह 11 बजकर 4 मिनट से शुरू होकर 12 बजकर 22 मिनट तक रहेगा। इस तिथि पर आडल योग लग रहा है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, आडल योग एक अशुभ योग माना जाता है, जिसमें शुभ कार्य करना वर्जित माना जाता है, लेकिन राहत की बात है कि इसका समय सुबह 7 बजकर 12 मिनट से शुरू होकर 9 बजे तक रहेगा। योग खत्म होने के बाद जातक कोई भी कार्य कर सकते हैं।

हालांकि, धर्मशास्त्रों में इस योग में बचने के कुछ उपाय बताए गए हैं, जिनमें सूर्य पुत्र की विधिवत पूजा, जिसके करने से उनकी कृपा बनी रहती है और दुष्प्रभाव भी खत्म होते हैं।

इसी तिथि पर शुक्रवार भी पड़ रहा है। ब्रह्मवैवर्त और मत्स्य पुराण में शुक्रवार व्रत का उल्लेख मिलता है। इसमें बताया गया है कि इस तिथि पर मां लक्ष्मी और संतोषी माता की पूजा अर्चना करनी चाहिए। मान्यता है कि शुक्रवार व्रत सुख, शांति, धन-धान्य और समृद्धि और वैवाहिक जीवन में शांति लाने के लिए किया जाता है।

इस दिन पूजन करने के लिए सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें। पूजा स्थल पर गंगाजल छिड़कें। लाल कपड़े पर माता लक्ष्मी की मूर्ति या चित्र स्थापित करें। दीप जलाएं और फूल, चंदन, अक्षत, कुमकुम और मिठाई का भोग लगाएं। 'श्री सूक्त' और 'कनकधारा स्तोत्र' का पाठ करें। मंत्र जप करें, 'ऊं श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः' और 'विष्णुप्रियाय नमः' का जप भी लाभकारी है। पूजा के अंत में कमल पुष्प अर्पित करें, लक्ष्मी चालीसा पढ़ें। प्रसाद में खीर, मिश्री और बर्फी बांटें।

नववर्ष 2026 का राशिफल कैसा रहेगा

मीन राशि

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि मीन राशि के लोगों को साल 2026 बेहतरीन उत्साह के साथ जीवन में आगे बढ़ाने वाला साल होगा। साल की शुरुआत में शनि का प्रभाव आपकी राशि पर रहेगा, तो बृहस्पति चौथे भाव में होंगे। साल के बीच में आपके पांचवे भाव में जाकर साल के अंतिम महीने में छठे भाव में चले जाएंगे। दिसंबर तक राहु 12 वे घर में और दिसंबर से 11वें घर में प्रभाव डालेंगे। लंबी यात्राओं के योग बनेंगे। विदेश यात्रा की स्थिति बनेगी। जीवन के विभिन्न पहलुओं पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होगी। कठोर निर्णय लेने आवश्यक होंगे, जो आपके जीवन में बड़े बदलाव लाएंगे। आपको आत्मनिर्भर बनना होगा। आत्मविश्वास से भारे रहना होगा। खुद को कमजोर समझने की भूल करने से बचना होगा। अपनी मानसिक और आंतरिक शांति को प्रभावित होने से बचना होगा। विदेशो में काम करने वाले लोगों को अच्छे लाभ के मौके इस साल प्राप्त होंगे। घर परिवार में कुछ बदलाव हो सकते हैं। साल की शुरुआत में परिवार वालों के साथ समय बिताने से आप प्रेरित होंगे। साल के अंतिम भाग में कंपटीशन हेल्थ और कैरियर में कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। लेकिन फिर भी आपको जीवन के अनेक क्षेत्रों में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है इसलिए आपको सावधानी बरतने के साथ-साथ मेहनत करते हुए सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ना होगा। ऐसा करने की स्थिति में आप करियर में संतुलन बनाकर चल सकेंगे। हालांकि, कार्यों को अपने स्वास्थ्य के अनुसार ही करें और खुद पर ज्यादा बोझ न डालें। ऐसे में, आपका करियर और स्वास्थ्य दोनों संतुलित बना रहेगा। इसके विपरीत, अगर आप अपनी क्षमता से अधिक मेहनत करेंगे, तो इसका बुरा असर आपकी सेहत पर दिखाई दे सकता है। आर्थिक जीवन के लिए साल 2026 अनुकूल कहा जा सकता है, परंतु शुरुआती छह महीनों की तुलना में दूसरा भाग ज्यादा अच्छा रहेगा। मीन राशि के छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में वर्ष का दूसरा हिस्सा सफलता देने का काम करेगा। बात करें प्रेम और विवाह से जुड़े मामलों की, तो साल का दूसरा भाग यानी कि जुलाई से दिसंबर तक का समय बेहद शुभ रहने की संभावना है। अगर आप घर-परिवार में भी सतर्कता से रिश्तों को निभाएंगे, तो परिवारजनों के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे। स्वास्थ्य के लिहाज़ से, वर्ष 2026 थोड़ा कमज़ोर रहने का अनुमान है इसलिए इस दौरान अपनी सेहत का ध्यान रखें।

कैरियर- मीन राशि के जातकों की नौकरी के लिए वर्ष 2026 औसत से बेहतर रहेगा क्योंकि इस साल ज्यादातर समय आपके छठे भाव में केतु विराजमान रहेंगे जो इस भाव में शुभ फल देने वाले माने जाते हैं। ऐसे में, अगर आप कार्यों को मेहनत के साथ समय पर पूरा करेंगे और अपने नैतिक कर्तव्यों के साथ-साथ कार्यालय के नियमों का भी पालन करेंगे, तो आप वरिष्ठों की नज़रों में अपनी जगह बना सकेंगे। हालांकि, आपके लिए यह सब कुछ आसान नहीं रहेगा और आपको कड़ी मेहनत भी करनी पड़ेगी। लेकिन, अगर आप मेहनत से घबराएंगे नहीं, तो आपको निश्चित रूप से सफलता की प्राप्ति होगी। वैसे तो इस वर्ष गुरु ग्रह नौकरी के संबंध में आपकी सहायता करेंगे, लेकिन साल की शुरुआत से लेकर 02 जून तक बृहस्पति, नौकरी से संबंधित माममों में शायद बड़ी मदद न कर पाएं। मीन राशिफल 2026 कहता है कि 02 जून से 31 अक्टूबर की अवधि में गुरु देव आपके पंचम भाव में बैठकर नौकरी में आपकी स्थिति को मज़बूत करेंगे। साथ ही, आपकी आय को भी बढ़ाने का काम करेंगे। वहीं, 31 अक्टूबर के बाद गुरु ग्रह आपके छठे भाव में प्रवेश कर जाएंगे और सही तरीके से काम करने पर आपको शुभ फल प्रदान करेंगे। साल के बीच में कामकाज में उतार चढ़ाव देखने को मिलेंगे और अस्थिरता वृद्धि देखने को मिलेगी। इस समय अवधि में आपको बैलेंस होकर कोई भी फैसला लेना होगा। छात्रों को नौकरी प्राप्ति में मेहनत और ज्यादा कोशिश के बाद सफलता मिल सकती है। नए कारोबार की शुरुआत करने के लिए वर्ष के जुलाई से अक्टूबर का समय अच्छा रहेगा, लेकिन उतार-चढ़ाव आते रहेंगे। साल के अंतिम महीना में बृहस्पति के छठे भाव के गोचर से बिजनेस में समस्याएं आ सकती हैं बाधाएं, अड़चनें, कमजोर स्वास्थ्य और विरोधी आपके बिजनेस को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। रियल एस्टेट से जुड़े बिजनेस में जोखिम बढ़ेगा, लेकिन नौकरी में चुनौतियों के बाद अच्छा सुधार और विस्तार देखने को मिलेगा। नौकरी में बदलाव के योग सामने आएंगे। साल के इस हिस्से में भी आपको उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे, इसलिए अपना हर कदम सावधानी से बढ़ाएं।

आर्थिक स्थिति – मीन राशि वालों का आर्थिक जीवन वर्ष 2026 में मिलाजुला रहेगा। इस साल आपके लाभ भाव के स्वामी शनि की स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं कही जाएगी क्योंकि प्रथम भाव में शनि ग्रह की मौजूदगी को शुभ नहीं माना जाता है। लेकिन, लाभ भाव के स्वामी का प्रथम भाव में जाना बेहद शुभ होता है इसलिए इनकी स्थिति अनुकूल मानी जाएगी। वहीं बात करें धन भाव के स्वामी मंगल की, तो इस वर्ष यह आपको आर्थिक मामलों में औसत या औसत से थोड़े बेहतर परिणाम दे सकते हैं। दूसरी तरफ. धन के कारक ग्रह बृहस्पति देव साल की शुरुआत से लेकर 02 जून 2026 तक आर्थिक जीवन में आपकी कोई विशेष सहायता नहीं कर पाएंगे। वित्तीय रूप से स्थिरता आएगी। आप सेविंग करने पर ध्यान देंगे। शेयर मार्केट में किए गए इन्वेस्टमेंट से भी आपको सेविंग करने में फायदा होगा। आपके परिवार विशेष कर लाइफ पार्टनर और भाइयों से पूरा सपोर्ट मिलेगा। आपके कुछ फ्रेंड्स भी आपकी मदद करेंगे। साल के अंतिम महीनो में वित्तीय निर्णय सोच समझ कर लेना होगा। किसी को धन उधार देना नुकसान से भरा रहेगा और उसमें पूरा रिक्स रहेगा। आपको आर्थिक नुकसान पहुंच सकता है। नई इन्वेस्टमेंट भी नुकसान का कारण बन सकती है।

जोखिम भरे निवेश से दूर रहना ही अच्छा होगा। आपकी आय में बढ़ोतरी होगी, लेकिन खर्च और अचानक से आने वाली आर्थिक चुनौतियां परेशानी खड़ी कर सकती हैं। दिसंबर के महीने में अचानक से धन लाभ और धन हानि सामने आ सकती हैं, इसलिए अपने वित्तीय फसलों में धैर्य और विवेक से काम लेना आपके लिए हर तरीके से अच्छा होगा। हालांकि, 02 जून से लेकर 31 अक्टूबर की अवधि में गुरु ग्रह आपको अच्छी-ख़ासी आमदनी करवा सकते हैं। ऐसे में, आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार देखने को मिलेगा। इसके पश्चात, 31 अक्टूबर 2026 के बाद बृहस्पति महाराज आपके छठे भाव में चले जाएंगे और वहां से आपके धन भाव को देखेंगे। वैसे, गुरु ग्रह की उपस्थिति को छठे भाव में अच्छा नहीं माना जाता है, परंतु इनकी दृष्टि धन भाव पर होने से आप मेहनत के बल पर आय में वृद्धि कर सकेंगे। मीन राशिफल 2026 कहता है कि इस साल के अधिकांश समय गुरु देव आर्थिक जीवन में आपके पक्ष में रहेंगे। कुल मिलाकर, वर्ष 2026 में आपका आर्थिक जीवन औसत या औसत से बेहतर रहेगा।

परिवार- मीन राशि वालों के पारिवारिक जीवन के लिए वर्ष 2026 सामान्य तौर पर अनुकूल रहेगा। इस साल आपके घर-परिवार का माहौल जैसा रहता है, वैसा ही रहेगा। आपके सामने कठिन परिस्थितियां आती-जाती रहेंगी, लेकिन इसके बावजूद भी परिवार का माहौल वैसा ही रहेगा, जैसा रहता होगा। आपके दूसरे भाव के स्वामी मंगल देव आपको औसत परिणाम दे सकते हैं इसलिए किसी समस्या के संकेत नहीं है, परंतु पारिवारिक जीवन में आपकी कोई ख़ास सहायता भी नहीं करेंगे। वैवाहिक जीवन के लिए साल 2026 थोड़ा कमज़ोर रह सकता है, क्योंकि शनि ग्रह की सप्तम दृष्टि पूरे वर्ष आपके सप्तम भाव पर रहेगी। ऐसे में, छोटी सी बात भी बड़ा रूप ले सकती है और कुछ समस्याएं आपके सामने आ सकती हैं। ऐसे में, आपके लिए बेहतर होगा कि छोटी-मोटी समस्याओं को तुरंत खत्म कर दें। वैसे भी जहां प्रेम और अपनापन होता है, वहां जिद को स्थान नहीं देना चाहिए। इस प्रकार, विवाह बंधन में बंधने के लिए साल काफ़ी हद तक अनुकूल रहेगा जबकि वैवाहिक जीवन को प्रेमपूर्ण बनाए रखने के लिए आपको थोड़े प्रयत्न करने होंगे। वहीं, 02 जून से 31 अक्टूबर की अवधि में गुरु ग्रह की शुभ स्थिति की वजह से आप घर-परिवार में संतुलन बनाकर चल सकेंगे। ऐसे में, पारिवारिक माहौल बेहतर होगा। 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति देव की नवम दृष्टि दूसरे भाव पर पड़ने के कारण घर-परिवार में मांगलिक कार्य के योग बनेंगे जो रिश्तों को मज़बूत बनाने का काम करेगा। कुल मिलाकर, वर्ष 2026 में जनवरी से लेकर 02 जून तक परिवार का माहौल औसत रहेगा और उसके बाद माहौल में सुधार नज़र आ सकता है। गुरु का प्रभाव आपके घर में सुख-संस्कार और खुशियों का संचार करेगा। यदि आपने हाल ही में किसी रिश्तेदार के साथ तनाव महसूस किया है, तो इस समय वह खत्म हो सकता है और संबंधों में सुधार हो सकता है। आपके परिवार के सदस्य आपके निर्णयों में भी सहयोग करेंगे और आपके जीवन में स्थिरता प्रदान करेंगे। साल का पहला भाग आपके बच्चों के लिए अनुकूल रहेगा। इस समय आपके बच्चों के भविष्य में उन्नति की संभावना है। उनका पढ़ाई में रुझान बढ़ेगा और वे अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कठोर मेहनत करेंगे। इस अवधि में आपके बच्चे अपनी मेहनत और भाग्य के बल पर अच्छे परिणाम प्राप्त करेंगे, जिससे परिवार में सुख-शांति का माहौल रहेगा।

प्रेम – रोमांस – साल 2026 लव लाइफ और विवाह के मामलों में कुछ अच्छे और कुछ कमजोर परिणाम दिखा सकता है। गुरु बृहस्पति आपकी लव लाइफ को सपोर्ट करते हुए रहेंगे, तो शनि का प्रभाव आपकी मैरिड लाइफ में उतार चढ़ाव लेकर आता रहेगा। साल की शुरुआत में सप्तम भाव पर शनि का प्रभाव लाइफ पार्टनर के साथ संबंध में तनाव उत्पन्न करेगा। यही रिश्तो में दूरी या आंशिक से परेशन का कारण बन सकता है। संचार की कमी और बातचीत का आदान-प्रदान न होना रिश्ते में गंभीरता और समझदारी के अभाव को दिखाएगा। इस समस्या को मिलकर हल करने की कोशिश करना आपके रिश्ते में जिम्मेदारी उत्पन्न करेगा। शादी करने की सोच रखने वालों को इस साल लंबे इंतजार के बाद शादी करने के लिए अनुकूल समय की प्राप्ति होगी। साल के अंत तक आपकी शादी होने के अच्छे योग बनते दिखाई दे रहे हैं। आपके रिश्ते की नई शुरुआत होगी। परिवार में सम्मान बढ़ेगा और प्रतिष्ठा के बढ़ोतरी होगी। साल के बीच में लव लाइफ इंप्रूव होगी। आपके रिश्ते में गंभीरता बढ़ेगी। अपनी भावनाओं में गहराई उत्पन्न करेंगे। सही तरीके से अपने प्रेम का प्रदर्शन करेंगे। इस साल की शुरुआत में सप्तम भाव में स्थित शनि का प्रभाव आपके जीवनसाथी के साथ संबंधों में कुछ तनाव उत्पन्न कर सकता है। शनि की स्थिति आपके रिश्तों में कुछ दूरी या अवरोध ला सकती है, जिससे आपके और आपके जीवनसाथी के बीच संचार में कमी हो सकती है। यह समय आपके रिश्ते में गंभीरता और समझदारी की आवश्यकता होगी। आप दोनों के बीच अगर कोई समस्या है, तो उसे मिलकर हल करने की कोशिश करें। शनि का प्रभाव आपको संयमित और जिम्मेदार बनाएगा, लेकिन आपको अपने साथी से अधिक समय बिताने की आवश्यकता हो सकती है ताकि संबंधों में सुधार आ सके। 31 अक्टूबर के बाद की अवधि थोड़ी कमज़ोर रह सकती है और गुरु ग्रह की कृपा भी आप पर नहीं होगी इसलिए इस दौरान रिश्तों में उत्साह भी कम रह सकता है। हालांकि, इस अवधि में कोई बड़ी समस्या नहीं आएगी। आपको वर्ष 2026 प्रेम जीवन के संबंध में काफ़ी हद तक अनुकूल परिणाम देता हुआ प्रतीत हो रहा है।

शिक्षा- शिक्षा की दृष्टि से मीन राशि वालों के लिए वर्ष 2026 काफ़ी हद तक अनुकूल रहेगा। लेकिन, ऐसा तब ही होगा जब आपकी सेहत अच्छी बनी रहेगी। आपका स्वास्थ्य मज़बूत रहने पर शिक्षा के लिए यह वर्ष बहुत अच्छा रहेगा। ऐसे में, पढ़ाई में आपका प्रदर्शन शानदार रहने की संभावना है। वहीं, उच्च शिक्षा के कारक गुरु ग्रह जनवरी से लेकर 02 जून 2026 तक आपके चतुर्थ भाव में रहेंगे। हालांकि, बृहस्पति देव की इस स्थिति को बहुत शुभ नहीं माना जाता है, फिर भी यह पढ़ाई में किसी न किसी तरह आपकी मदद करते रहेंगे। संभव है कि आपके आसपास का माहौल ठीक न रहे, परंतु आप कोशिश करने की स्थिति में अपने विषयों पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम होंगे। 02 जून से 31 अक्टूबर की अवधि में गुरु ग्रह की स्थिति बहुत अच्छी रहेगी, क्योंकि प्रथम तथा कर्म भाव के स्वामी के रूप में बृहस्पति आपके पंचम भाव में उच्च अवस्था में रहेंगे। इसके परिणामस्वरूप, प्राथमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा हासिल करने वाले छात्रों को सफलता की प्राप्ति होगी। यह समय पेशेवर कोर्सों की पढ़ाई करने वालों के लिए भी शुभ रहेगा। हालांकि, 31 अक्टूबर 2026 के बाद की अवधि में गुरु ग्रह मीन राशि के छात्रों की सहायता नहीं कर पाएंगे। लेकिन, प्रतियोगी परीक्षा में हिस्सा लेने वाले छात्रों के लिए समय अनुकूल रहेगा। कुल मिलाकर, अगर आपका स्वास्थ्य मज़बूत रहेगा, तो यह वर्ष पढ़ाई के लिए सकारात्मक रहेगा। जो विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें साल के पहले छह महीनों में कुछ दिक्कतों और रुकावटों का सामना करना पड़ सकता है। मनोबल थोड़ा कमजोर पड़ सकता है और आप अपनी पूरी क्षमता से ध्यान नहीं लगा पाएंगे। इस दौरान उत्साह की कमी और ज़्यादा सोचने की प्रवृत्ति भी आपको परेशान कर सकती है। हालांकि साल का दूसरा भाग आपके लिए काफी बेहतर रहेगा। इसमें किसी नकारात्मक ग्रह का असर नहीं दिख रहा है। अगर आपकी कुंडली में शुभ योग बन रहे हैं, तो इस दौरान आप एक अच्छा रैंक या स्थान प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। जो विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए आवेदन कर रहे हैं, उन्हें भाग्य और अनुकूल परिस्थितियों का पूरा सहयोग मिलेगा। आप जिस कॉलेज, यूनिवर्सिटी या कोर्स की इच्छा रखते हैं, उसमें एडमिशन मिलने के अच्छे योग बन रहे हैं। हालांकि अगर आप विदेश जाकर पढ़ाई करने का सोच रहे हैं, तो साल के पहले हिस्से में यह प्लान थोड़ा टालना बेहतर रहेगा। जून में बृहस्पति के पहले गोचर के बाद, समय आपके लिए ज्यादा शुभ और अनुकूल रहेगा।

स्वास्थ्य- साल 2026 हेल्थ में सुधार दिखता है, लेकिन पूरे साल शनि का प्रभाव आपकी राशि पर राहु का प्रभाव 12 वे घर पर और साल के अंतिम महीनो में बृहस्पति का प्रभाव छठे भाव पर होने से हेल्थ में उठा पटक दिखाई देती रहेगी। साल की शुरुआत में शनि की स्थिति हेल्थ कमजोर करने वाली होगी और बहुत बड़ी समस्याएं तो नहीं आएंगी, लेकिन सामान्य रूप से हेल्थ प्रॉब्लम परेशान करती रहेगी। आपकी शारीरिक और मानसिक शक्ति शनि के प्रभाव से नियंत्रित होगी, इसलिए आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। शनि की दृष्टि सातवें घर पर होने से हेल्थ कमजोर रहने वाली शनि का असर आपके के लिए स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। पहले भाग में सामान्य स्थिति बनी रहेगी, लेकिन जैसे-जैसे वर्ष का अंत नजदीक आएगा, स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। आपको अपने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता होगी, खासकर कुछ खास ग्रहों के प्रभाव के कारण। साल का पहला भाग स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सामान्य रहेगा। शनि का प्रभाव आपके लग्न यानि राशि पर है, जो शारीरिक और मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकता है। इस समय, आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा, क्योंकि शनि का प्रभाव मानसिक तनाव और चिंता को जन्म दे सकता है। मानसिक दबाव के कारण आपके शारीरिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है, इसलिए आपको आराम करने और मानसिक शांति बनाए रखने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इस समय आपके मन में बेहतर विचार और सकारात्मक दृष्टिकोण बना रहेगा जिससे मानसिक शांति का अनुभव हो सकता है। इस दौरान राहु की बारहवें भाव में स्थिति के चलते आप शारीरिक रूप से ज्यादा एक्टिव रह सकते हैं लेकिन इस समय के दौरान आपको अपनी फूड हैबिट्स पर भी कंट्रोल लगा के रखना होगा। दैनिक कार्यकलाप और खानपान सामान्य रहना चाहिए। अगर आप संतुलित आहार और नियमित व्यायाम पर ध्यान देंगे तो आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। किसी भी प्रकार के मानसिक तनाव और चिंता को खुद से दूर करने का प्रयास करना होगा। साल के बीच में बृहस्पति का गोचर पांचवे भाव से आपकी राशि पर प्रभाव डालने के कारण सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा। मानसिक शांति मिलेगी। मानसिक तनाव दूर होगा। आप सही निर्णय लेंगे और यह सोचेंगे कि हेल्थ को इंप्रूव करने के लिए आप क्या-क्या कर सकते हैं, लेकिन इसी समय अवधि में राहु का 12 वे भाव में होने के कारण शारीरिक रूप से ज्यादा एक्टिविटी करना आपको समस्या देगा और आपकी फूड हैबिट अच्छी न होने से परेशानियां खड़ी कर सकता है।

ज्योतिष उपाय –भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा.अनीष व्यास ने बताया कि घर से निकलते हुए सदैव अपनी जेब में एक पीला साफ़ रुमाल ज़रूर रखें। हनुमान जी की आराधना करें। विष्णु सहस्रनाम स्तोत्र का पाठ करें। दही, चीनी, दूध जैसी सफेद वस्तुओं का दान करें। सुबह-शाम ' ओम नमः शिवाय ' का जाप करें।

संपादकीय

अरावली में खनन रोकें

पर्वतमालाएं किसी भी देश की प्रहरी और सुरक्षा-कवच होती हैं। उन्हें क्यों खोदा और छीला जाए? खनिज माफिया कहीं और खुदाई करके मुनाफा कमा सकता है। कमोबेश उसे तो छोड़ दिया जाए, जो इनसानी अस्तित्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सर्वोच्च अदालत ने अरावली पर्वतमाला पर समिति की अनुशंसाएं मानते हुए जो फैसला सुनाया था, उसे ब्रह्म-वाक्य नहीं माना जा सकता। सर्वोच्च अदालत अपने फैसलों पर पुनर्विचार करती आई है, लिहाजा अरावली पहाडियों की 100 मीटर ऊंचाई के मानदंड पर भी पुनर्विचार किया जा सकता है। जिस पहाड़ी की ऊंचाई 100 या अधिक मीटर है, वह अरावली है, शेष पहाडियां लावारिस हैं। यह कैसे स्वीकार्य हो सकता है? संपूर्ण अरावली पर्वतमाला को सुरक्षित और संरक्षित किया जाना चाहिए। आज अरावली का नंबर है, कल हिमालय को भी खंडित किया जा सकता है! अरावली पर्वतमाला राजधानी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात में 692 किमी लंबी है। इसमें से अधिकांश हिस्सा राजस्थान के तहत आता है। यह देश की सबसे प्राचीन और अरबों साल पुरानी धरोहर है, लिहाजा आदरणीय भी है। जन-आंदोलन राजस्थान में ही नहीं, शेष राज्यों में भी उग्र करना चाहिए, क्योंकि यह पर्वतमाला हमारे अस्तित्व से जुड़ी है। जब ये पहाडियां नहीं रहेंगी, तो देश की राजधानी दिल्ली समेत मैदानी इलाकों की कितनी भयावह, गरम और मरुस्थलीय स्थितियां होंगी, यह सोच कर भी दहशत होने लगती है। यदि लगातार खनन के बाद अरावली पर्वतमाला शेष नहीं रही, तो राजधानी दिल्ली समेत उत्तरी भारत गरम और रेतीली हवाओं में घिर जाएंगे। धीरे-धीरे रेत के पहाड़ आकार लेंगे और रेगिस्तान दिल्ली, हरियाणा, गुजरात तक भी फैल जाएगा। राजस्थान का काफी हिस्सा आज ही मरुस्थल है। खनन और वनों की कटाई बढ़ी, तो दिल्ली-एनसीआर में पीएम 10 और पीएम 2.5 सरीखे प्रदूषण के कण बहुत तेजी से बढ़ेंगे। नतीजतन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाश्वत रूप से 'गंभीर' या 'अत्यंत खतरनाक' श्रेणी में ही रहेंगे। आज राजधानी क्षेत्र के निवासी गर्मियों में 48-50 डिग्री सेल्सियस तापमान झेल कर ही बिलबिलाने लगते हैं। मरुस्थलीय स्थितियों में तापमान बढ़ेगा और प्राकृतिक ठंडक खत्म हो जाएगी, तो क्या होगा? राजधानी क्षेत्र हमेशा धुंध-कोहरे में घिरा रहेगा, तो कैसा महसूस करेंगे? अरावली पर्वतमाला अपनी ऊंचाई के कारण प्राकृतिक रूप से धूल-अवरोधक है, जो थार मरुस्थल और उत्तरी भारत के उपजाऊ मैदानों के बीच एक प्राकृतिक दीवार का काम करती है। मानसून की हवाओं को रोक कर बारिश कराती है, लिहाजा पर्वतमाला को छिन्न-भिन्न करने से हरियाणा और राजस्थान में अकाल की नौबत भी आ सकती है। वह दिल्ली-एनसीआर और गुजरात में भी खाद्य-संकट पैदा कर सकती है। तो अरावली में खनन, खुदाई क्यों की जाए? हालांकि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव का बयान है कि खनन अरावली पर्वतमाला के पूरे क्षेत्र के मात्र 0.19 फीसदी भाग में ही होता है। राजधानी दिल्ली में खनन की कोई भी अनुमति नहीं है, लेकिन फरीदाबाद और गुरुग्राम के जंगलात में जाकर मंत्री जी ने कभी जायजा लिया है। हरियाणा में भिवानी जिले के तोशाम विधानसभा क्षेत्र के एक गांव-खानक-का एक दृश्य सामने आया है। उस छोटे से गांव में हर 100 कदम पर 300 क्रशर मशीनें पहाडियां खोद रही हैं। वहां 150 से अधिक खनन साइट हैं, जहां हर वक्त 500 से अधिक डंपर मौजूद रहते हैं। गांव में करीब 1500 घर हैं। हरेक के घर की दीवारों में या तो दरारें आ गई हैं अथवा प्लास्टर उधड़ चुके हैं। क्या खनन की इजाजत इसलिए दी जाती रही है कि पहाडियों से बेशकीमती खनिज निकलते हैं और माफिया अमीर होता चला जाता है? अरावली पर्वतमाला के औसतन प्रत्येक हेक्टेयर में 20 लाख लीटर भू-जल पुनः भरने की अपार क्षमता है। कल्पना कीजिए, जब पानी ही नहीं होगा, तो क्या खेती करेंगे और क्या पीएंगे? अरावली को काटने-छांटने से एक दिन ऐसा होगा कि बनास, लूणी, साहिबी जैसी अरावली की नदियां ही सूख जाएंगी। तेंदुआ, भेडिया, सियार जैसे जंगली जानवर और असंख्य वनस्पतियां भी विलुप्ति के कगार पर आ सकते हैं। प्रधानमंत्री और मंत्री जी! आप के जिम्मे अभी बहुत से काम हैं। अरावली आपके घोषणा-पत्र का एजेंडा भी नहीं है। कृपया इसे बख्श दें अथवा जन-आंदोलन का सामना करें। प्रकृति का संरक्षण सरकार का पहला कत्तव्य है। हालांकि सामूहिक समाज की जिम्मेवारी भी है कि वह प्रकृति का विनाश न होने दे और अपनी भूमिका निभाए।

सर्वोच्च अदालत ने अरावली पर्वतमाला पर समिति की अनुशंसाएं मानते हुए जो फैसला सुनाया था, उसे ब्रह्म-वाक्य नहीं माना जा सकता। सर्वोच्च अदालत अपने फैसलों पर पुनर्विचार करती आई है, लिहाजा अरावली पहाड़ियों की 100 मीटर ऊंचाई के मानदंड पर भी पुनर्विचार किया जा सकता है। जिस पहाड़ी की ऊंचाई 100 या अधिक मीटर है, वह अरावली है, शेष पहाड़ियां लावारिस हैं। यह कैसे स्वीकार्य हो सकता है? संपूर्ण अरावली पर्वतमाला को सुरक्षित और संरक्षित किया जाना चाहिए। आज अरावली का नंबर है, कल हिमालय को भी खंडित किया जा सकता है! अरावली पर्वतमाला राजधानी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात में 692 किमी लंबी है। इसमें से अधिकांश हिस्सा राजस्थान के तहत आता है। यह देश की सबसे प्राचीन और अरबों साल पुरानी धरोहर है, लिहाजा आदरणीय भी है। जन-आंदोलन राजस्थान में ही नहीं, शेष राज्यों में भी उग्र करना चाहिए, क्योंकि यह पर्वतमाला हमारे अस्तित्व से जुड़ी है। जब ये पहाड़ियां नहीं रहेंगी, तो देश की राजधानी दिल्ली समेत मैदानी इलाकों की कितनी भयावह, गरम और मरुस्थलीय स्थितियां होंगी, यह सोच कर भी दहशत होने लगती है। यदि लगातार खनन के बाद अरावली पर्वतमाला शेष नहीं रही, तो राजधानी दिल्ली समेत उत्तरी भारत गरम और रेतीली हवाओं में घिर जाएंगे। धीरे-धीरे रेत के पहाड़ आकार लेंगे और रेगिस्तान दिल्ली, हरियाणा, गुजरात तक भी फैल जाएगा। राजस्थान का काफी हिस्सा आज ही मरुस्थल है।

सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं

अरावली की चिन्ताः नारे से आगे, अस्तित्व की लड़ाई

अरावली पर्वत श्रृंखला की नई परिभाषा को लेकर उठा विवाद अब जन-आन्दोलन का रूप ले रहा है। इसी के अन्तर्गत अरावली बचाओ की चिन्ता-यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं, बल्कि भारत के पर्यावरणीय भविष्य की जीवनरेखा है। गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली अरावली पर्वतमाला पृथ्वी की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह पर्वत केवल पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि जल, जंगल, जैव-विविधता, जलवायु संतुलन और मानव जीवन के लिए एक प्राकृतिक कवच है। आज जब खनन, शहरीकरण और विकास की आड़ में इस पर्वतमाला को टुकड़ों में बांटने की कोशिशें हो रही हैं, तब यह प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मनुष्य जाति के अस्तित्व का बन गया है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अरावली को लेकर सरकारों की चिन्ता व्यर्थ न जाये, कोई सकारात्मक रंग लाए। पहाड़ी इलाकों के खनन, उपेक्षा एवं लोभवृत्ति पर विचार करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारों की उपेक्षा की वजह से अरावली के बड़े हिस्से का खनन ही नहीं हुआ, आमजन एवं प्रकृति-पर्यावरण रक्षा का यह कवच ध्वस्त भी हुआ है। अरावली की आयु भूगर्भीय दृष्टि से करोड़ों वर्षों में आंकी जाती है। यह हिमालय से भी पुरानी है। यही कारण है कि अरावली का स्वरूप अपेक्षाकृत निचला और क्षरित दिखाई देता है, किंतु इसका महत्व कहीं अधिक गहरा है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली के बड़े हिस्सों में वर्षा जल का संचयन, भूजल रिचार्ज और मरुस्थलीकरण पर नियंत्रण अरावली के कारण ही संभव है। थार मरुस्थल को पूर्व की ओर बढ़ने से रोकने में अरावली की भूमिका किसी अदृश्य दीवार की तरह है। आज के समय में पर्यावरणीय संकट बहुआयामी हो चुका है-जल संकट, वायु प्रदूषण, जैव-विविधता का क्षय, जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित शहरी विस्तार। इन सभी चुनौतियों का एक साझा समाधान अरावली जैसी प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण है। दुर्भाग्यवश, खनन और निर्माण गतिविधियों ने इस पर्वतमाला को गहरे घाव दिए हैं। पत्थर, संगमरमर और अन्य खनिजों के लिए की जा रही अंधाधुंध खुदाई ने न केवल पहाड़ों को खोखला किया है, बल्कि आसपास के गांवों, नदियों और जंगलों को भी संकट में डाल दिया है। लगातार संकट से घिर रही अरावली को बचाने के लिये एक याचिका 1985 से न्यायालय में विचाराधीन है। हालांकि इस याचिका का ही नतीजा है कि अरावली का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा संरक्षित श्रेणी में आता है। वैसे अब समय आ गया है कि अरावली को पूरी तरह से खनन-मुक्त रखने का फैसला किया जाये। अब भी खनन जारी रहा तो उससे होने वाले लाभ से कई गुणा ज्यादा कीमत हमें पर्यावरण के मोर्चे पर चुकानी पडेग़ी। सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं। न्यायालय का दृष्टिकोण स्पष्ट रहा है कि पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगनी चाहिए और विकास के नाम पर प्रकृति के विनाश को वैधता

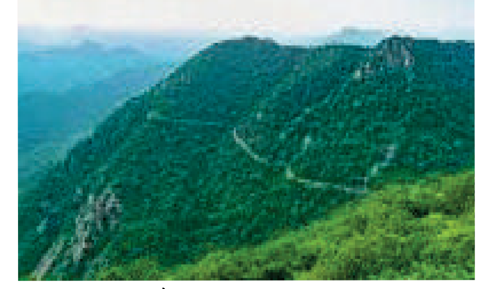

नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद, विभिन्न स्तरों पर नियमों की व्याख्या और पुनर्व्याख्या के जरिए खनन को अनुमति देने के प्रयास होते रहे हैं। विशेष रूप से "100 मीटर ऊंचाई" जैसे मानदंडों के आधार पर पर्वतों को परिभाषित करना और उससे नीचे की संरचनाओं को खनन योग्य मानना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। यह तर्क न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से कमजोर है, बल्कि पर्यावरणीय समझ के भी विपरीत है। खनन की वजह से अरावली की छलनी हो चुकी है। पर्वत केवल ऊंचाई से नहीं पहचाने जाते, बल्कि उनके भूगर्भीय ढांचे, जलधारण क्षमता और पारिस्थितिकी तंत्र से उनकी पहचान होती है। 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने ऊंचे पर्वत। यदि इस तर्क को स्वीकार कर लिया जाए, तो धीरे-धीरे पूरी अरावली को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाप्त किया जा सकता है। यह दृष्टिकोण अल्पकालिक आर्थिक लाभ को दीर्घकालिक पर्यावरणीय सुरक्षा से ऊपर रखता है। राजस्थान सरकार की कुछ पहलें संरक्षण की दिशा में सराहनीय कही जा सकती हैं, जैसे वन क्षेत्रों की अधिसूचना, अवैध खनन पर कार्रवाई और पर्यावरणीय स्वीकृतियों की सख्ती। किंतु इन प्रयासों के समानांतर ऐसी नीतिगत ढील भी दिखाई देती है, जो खनन और रियल एस्टेट गतिविधियों को बढ़ावा देती हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर यह तर्क दिया जाता है कि नियंत्रित खनन से विकास संभव है। परंतु अनुभव बताता है कि "नियंत्रित" शब्द व्यवहार में अक्सर अर्थहीन हो जाता है। भले ही वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव स्पष्टीकरण दे रहे हैं कि सिर्फ 277 वर्ग किमी में ही खनन की अनुमति है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि नई परिभाषा से खनन बढ़ेगा नहीं, बल्कि अवैध खनन रूकेगा। विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना एक पुरानी भूल है। सच्चा विकास वही है जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाकर हो। अरावली का संरक्षण विकास विरोधी कदम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक विकास की शर्त है। जिन क्षेत्रों में अरावली को नुकसान पहुंचा है, वहां जल स्तर गिरा है, तापमान बढ़ा है और जैव-विविधता घट गई है। दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा और जल संकट में अरावली के क्षरण की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली में वन्यजीव लगभग खत्म होने को है। खनन के विकल्प पर विचार करना होगा। खनन मुख्यत पत्थर के लिये होता है और पत्थरों से सुन्दर घर बनाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है, इस परम्परा पर नये सिरे से चिन्तन करने की अपेक्षा है। घर या इमारत बनाने के दूसरे संसाधन पर सोचना होगा। जिनसे मकान तो बहुत बन जायेंगे, पर कटने वाले पहाड़ फिर कभी खड़े नहीं होंगे। पर्यावरण एवं प्रकृति रक्षक ये पहाड़ कहां से लायेंगे? सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली के साथ-ही-साथ उत्तराखण्ड में भी जंगलों में हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ चिन्ता का इजहार किया है। लेकिन अदालतों के साथ सरकारों को भी पर्यावरण, प्रकृति, पहाड़, पहाड़ी जंगलों एवं वन्यजीवों पर कड़ा रुख अपनाना होगा और इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता में रखना होगा। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो विश्व के अनेक देशों ने अपनी प्राचीन पर्वतमालाओं और प्राकृतिक संरचनाओं को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में संरक्षित किया है। यूरोप में आल्प्स, अमेरिका में रॉकी पर्वत और चीन में पीली नदी के बेसिन क्षेत्र इसके उदाहरण हैं। इन क्षेत्रों में खनन और निर्माण पर कठोर नियंत्रण है, क्योंकि वहां यह समझ विकसित हो चुकी है कि प्रकृति की कीमत पर आर्थिक समृद्धि टिकाऊ नहीं होती। भारत में भी इस सोच को अपनाने की आवश्यकता है। अरावली केवल जल का स्रोत नहीं है; यह जैव-विविधता का आश्रय है। यहां पाए जाने वाले वनस्पति और जीव-जंतु पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जंगलों की कटाई और पहाड़ों की खुदाई से वन्यजीवों का आवास नष्ट होता है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ता है। यह समस्या केवल पर्यावरणीय नहीं, सामाजिक भी है। आज देशभर में अरावली के संरक्षण को लेकर आंदोलन हो रहे हैं। ये आंदोलन इस बात का संकेत हैं कि समाज अब खामोश नहीं रहना चाहता। नागरिकों, पर्यावरणविदों, न्यायपालिका और नीति-निर्माताओं के बीच संवाद आवश्यक है। यह समय भावनात्मक नारों से आगे बढ़कर ठोस नीतिगत निर्णय लेने का है-खनन पर पूर्ण प्रतिबंध, पुनर्वनीकरण, जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थानीय समुदायों की भागीदारी। बीज अगर आज प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्यार का बोए जाएंगे, तो कल स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और सुरक्षित भविष्य का फल मिलेगा। अरावली बचेगी तो भारत खुशहाल रहेगा, यह केवल कविता की पंक्ति नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सत्य है। धरती मां की रक्षा करना हमारा अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। यदि आज हमने लालच को प्राथमिकता दी, तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी। अंततः, अरावली का सवाल केवल एक पर्वतमाला का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो विकास को विनाश से अलग देखती है। इतिहास उन्हीं समाजों को याद रखता है, जिन्होंने प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर प्रगति की। आइए, हम भी वही इतिहास लिखें, जहां हर आवाज़ शोर बने और अरावली के साथ जीवन भी भरपूर सुनिश्चित हो।

गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली अरावली पर्वतमाला पृथ्वी की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह पर्वत केवल पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि जल, जंगल, जैव-विविधता, जलवायु संतुलन और मानव जीवन के लिए एक प्राकृतिक कवच है। आज जब खनन, शहरीकरण और विकास की आड़ में इस पर्वतमाला को टुकड़ों में बांटने की कोशिशें हो रही हैं, तब यह प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मनुष्य जाति के अस्तित्व का बन गया है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अरावली को लेकर सरकारों की चिन्ता व्यर्थ न जाये, कोई सकारात्मक रंग लाए। पहाड़ी इलाकों के खनन, उपेक्षा एवं लोभवृत्ति पर विचार करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारों की उपेक्षा की वजह से अरावली के बड़े हिस्से का खनन ही नहीं हुआ, आमजन एवं प्रकृति-पर्यावरण रक्षा का यह कवच ध्वस्त भी हुआ है।

देश दुनिया से

अधूरा बचपन, अधीर संबंध व आत्म सुरक्षा

मनुष्य के जीवन में संबंध केवल बाहरी जुड़ाव नहीं, बल्कि आत्मा की गहनतम यात्रा का साधन हैं। यही कारण है कि हम प्रेम की ओर आकर्षित होते हैं, परंतु यही प्रेम जब भय, असुरक्षा और आश्रय की मांग से घिर जाता है, तब वह संबंध को पोषित करने के बजाय संबंध को थका देता है। इसे 'आश्रित मन' कहा जाता है, ऐसा मन जिसे बचपन में आश्वासन नहीं मिला, जो कभी भी अपने अभिभावकों से पूरी सुरक्षा का अनुभव नहीं कर पाया। इसलिए वह मन वयस्क होने पर भी उसी सुरक्षा की खोज करता रहता है, कभी साथी के पास, कभी परिवार में, कभी समाज में। बचपन की इस छाया से वयस्क जीवन के संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जब शिशु को अपने माता-पिता से समय पर स्पर्श, ध्यान, प्रेम और भरोसा मिलता है, तब उसका भावनात्मक जन्म सुरक्षित होता है। परंतु यदि यह जन्म असुरक्षित, अधूरा या टूटा हुआ हो, तो यही टूटी हुई संरचना आगे चलकर संबंधों में चिंता, भय और निर्भरता के रूप में प्रकट होती है। असलियत यह है कि बचपन की कमी को वयस्क संबंध पूरा नहीं कर सकते, इसीलिए जब व्यक्ति में ऐसे जुड़ाव की चाहत होती है जिसमें बहुत ज्यादा चिंता शामिल हो, छोड़ दिए जाने का डर शामिल हो तो वह अपने साथी से सामान्य से अधिक आश्वासन चाहता है। उसे लगता है कि कहीं साथी छोड़ न दे, कहीं प्रेम कम न हो जाए, कहीं वह अकेला न पड़ जाए। मन इतना भयभीत हो जाता है कि वह सबसे प्रिय व्यक्ति के साथ चिपककर रहने लगता है। एक स्पिरिचुअल हीलर के रूप में मैंने महसूस किया है कि आश्रित मन में तीन मुख्य वृत्तियां दिखती हैं। सबसे पहली वृत्ति है छोड़ दिए जाने का भय, और यह भय इतना गहरा है कि मन बार-बार भविष्य की कल्पना करता है .. 'अगर वह मुझे छोड़ दे तो? अगर उसे कोई और मिल गया तो?' यह कल्पना इतनी गहरी हो जाती है कि वास्तविकता भी धुंधली पडऩे लगती है। इसी कारण उसे अतिरिक्त आश्वासन की आवश्यकता महसूस होती है और व्यक्ति बार-बार पुष्टि चाहता है .. 'क्या तुम मुझसे प्यार करते हो? क्या तुम नाराज तो नहीं? क्या तुम मुझे छोड़ तो नहीं दोगे?' यह प्रश्न साथी को थकाता है, अंततः यह भावनात्मक उथल-पुथल में बदल जाता है और छोटी-छोटी बातों में भी चिंता बढ़ जाती है। यह सब इसलिए नहीं कि व्यक्ति गलत है, बल्कि इसलिए कि उसका मन अधूरा है और वह अधूरापन प्रेम से भरना चाहता है। परिणाम यह होता है कि संबंध में संघर्ष उत्पन्न होने के आसार बढ़ जाते हैं। जब रिश्ते में एक साथी भावनात्मक रूप से अतिशय आश्रित होता है और दूसरा तुलनात्मक रूप से स्वतंत्र, तो संघर्ष स्वाभाविक है। आश्रित साथी अधिक निकटता चाहता है, दूसरा साथी थोड़ी-सी दूरी भी चाहता है। यहीं कठिनाई उत्पन्न होती है क्योंकि आश्रित मन निकटता को प्रेम समझता है, और दूरी को अस्वीकृति, परंतु दूरी कभी-कभी आवश्यक होती है जैसे सांस लेने के लिए हवा चाहिए, वैसे ही संबंध को भी अपनी स्वतंत्रता चाहिए। मानसिक सुरक्षा, आश्रित मन की सबसे बड़ी जरूरत है। वह साथी को पकडक़र रखना नहीं चाहता, वह सिर्फ यह महसूस करना चाहता है कि मैं सुरक्षित हूं, मुझे छोड़ा नहीं जाएगा। परंतु समस्या यह है कि यह सुरक्षा अंदर नहीं है, इसलिए वह बाहर तलाशता है। आश्रित मन को ठीक करने के लिए किसी साथी को बदलने की आवश्यकता नहीं होती, आवश्यक है अपने भीतर 'स्व-आश्रय' का निर्माण। जब व्यक्ति स्वयं को सहारा देना सीख जाता है, तब उसे बाहरी सहारे की आवश्यकता कम हो जाती है। यह तीन मार्गों से संभव है। इनमें सबसे पहली है आत्म जागरूकता की साधना, इसके बाद आता है सीमाएं निर्धारित करना, यानी किसी को कहां तक के व्यवहार की छूट देनी है, यह प्रेम की रक्षा के कवच की तरह काम करती है। तीसरी और अंतिम है अपनी खुद की देखभाल करना, खुद से प्यार करना, अपने भीतर अपने लिए प्रेम उगाना। आत्म-जागरूकता की साधना के लिए हमें अपने भय को पहचानना होता है, अपने ट्रिगर को समझकर अपने मन के पैटर्न को देखना होता है। इसका वास्तविक अर्थ है अपने मन को दर्पण दिखाना। जब हम देखते हैं कि हमारा भय वास्तव में हमारे बचपन की लालसाएं हैं, न कि हमारा साथी, तब संबंधों में बोझ कम होता है। आत्म-जागरूकता हमें प्रतिक्रियाओं से मुक्त करती है। हम जान जाते हैं कि यह हमारी कमी है, साथी की गलती नहीं। इसी प्रकार सीमाओं का स्पष्टीकरण दरअसल प्रेम की रक्षा का कवच है। कई लोग सीमाओं को दूरी समझते हैं। परंतु सीमा वास्तव में प्रेम की मर्यादा है। सीमाएं होने से संबंध स्पष्ट होता है कि कब बात करनी है, कब निजी समय है, कहां हम एक-दूसरे की स्वतंत्रता स्वीकारते हैं। सीमा वही है जो नदी को दिशा देती है, नदी बंधन में नहीं बंधती, प्रवाह पाती है। जब हम किसी दूसरे पर अत्यधिक निर्भर हो जाते हैं, अपने हर काम और हर विचार के लिए उसकी सहमति चाहते हैं, स्वीकृति चाहते हैं तो हम खुद तो कमजोर होते ही हैं, अपने साथी को भी परेशान करते हैं, इस हद तक कि उसे हमसे चिढ़ होने लग जाए। इससे बचने का सरल उपाय यह है कि हम अपने भीतर अपने लिए प्रेम जगाएं। इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा और रिश्तों की मिठास कम नहीं होगी। हम जब अपने लिए अपने भीतर प्रेम जगाते हैं, तभी हम बाहरी प्रेम को सहजता से स्वीकार कर पाते हैं। इसका सीधा सा मतलब है अपने मन को विश्राम देना, अपने शरीर को सम्मान देना, अपने अकेलेपन को मित्र बनाना। जब व्यक्ति केवल साथी से ही प्रेम की अपेक्षा करता है, तब संबंध असंतुलित हो जाता है। परंतु जब वह अपने भीतर भी प्रेम उगाता है, तब संबंध खिल उठता है। कई बार व्यक्ति के भीतर गहरी भावनात्मक चोटें होती हैं। जब कोई हमें छोड़ दे, अलग हो जाए, या हमें अस्वीकृत कर दे, लगातार हमारी उपेक्षा करता रहे तो भावनात्मक चोट सचमुच गहरी होती है और आज के प्रेम में अक्सर दिखाई देती हैं। इन घावों को समझने और भरने के लिए संवाद महत्वपूर्ण है, पर कभी-कभी किसी अनुभवी मार्गदर्शक, किसी चिकित्सक, या किसी गुरु की शरण भी आवश्यक होती है, क्योंकि कुछ घाव ऐसे होते हैं जो अकेले नहीं भरे जा सकते, उन पर प्रेम, करुणा और समझ की मरहम लगानी होती है। प्रेम एक-दूसरे को पकडक़र रखने का नाम नहीं है। प्रेम का अर्थ है एक-दूसरे को सुरक्षित अनुभव कराना। सुरक्षित संबंध में मन शांत होता है, भय कम हो जाता है और हृदय खुलने लगता है। पर यह याद रखना भी जरूरी है कि यह कोई दोष नहीं है। यह अधूरे प्रेम की पुकार है। जब हम इसे पहचान लेते हैं और आपसी प्रेम और सहयोग से इसका उपचार कर लेते हैं, तब यही मन सबसे अधिक करुणामयी, संवेदनशील और प्रेमपूर्ण बन जाता है।

कुछ अलग

चुप्पी ही भली है बंधु...

लोकतंत्र के चार स्तम्भों की जानकारी हमें थी। पहला स्तम्भ प्रैस है, इसमें से गोदी मीडिया कौनसा है और तीखा सच बयान करने वाला कौनसा, इसकी पहचान आजकल कठिन होती जा रही है। गोदी मीडिया क्या वह होता है जिसे सरकार ने या धनपतियों ने गोद ले रखा हो। क्रांति या यथार्थ मीडिया वह, जिसकी ज़ुबान सच बयान करते हुए तनिक भी न थरथराए। ऐसी दूर की कौड़ी तलाश कर लाए कि आदमी को किसी सनसनीखेज घटना से टकराने का एहसास हो जाए। लेकिन सुनने और पढऩे वालों की परेशानी यह है कि प्रैस और मीडिया के दोनों रूप एक दूसरे को गोदी और अपने आप को यथार्थ कहते फूले नहीं समाते। कुछ भी अघटनीय घट जाए, लेकिन जो जिसके हाजमे में नहीं उतरता, वह उसके बारे में चुप लगा कर अभयदान की मुद्रा में आ जाता है और मीडिया का दूसरा रूप उसकी नकाबनोच सनसनी फैला देता है।

आप का नज़रिया

पंचायतों के बढ़ते दायरे

प्रगति विकास और स्थानीय स्वशासन की बागडोर में नए संकल्प और सुधार लाने की जरूरत से पंचायती राज संस्थाओं के दायरे में परिवर्तन आ रहा है। हालांकि परिवर्तन का परिणाम छोटा है, फिर भी मकसद की शर्त पर कुछ कसौटियां तय हो रही हैं। सोलन और ऊना में छह नई पंचायतों का गठन सिर्फ चुनाव के नए दायरे नहीं, बल्कि नए क्षितिज की तलाशी भी है। इन दोनों जिलों में कई पंचायतें पूरी तरह औद्योगिक रूप से चिन्हित हैं और इसी के परिप्रेक्ष्य में नई पंचायतों का वजूद भी आर्थिक व राजनीतिक निवेश को आमंत्रण दे रहा है। हिमाचल की भौगोलिक, सामाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक स्थिति के बीच स्थानीय निकायों की बनावट व चुनावी लिखावट का एक खास मुकाम है। इसी संदर्भ में नई पंचायतों के अलावा 31 का पुनर्गठन अपने संकेतों से प्रदर्शित है। हालांकि एक सीमित परिदृश्य में पंचायती राज संस्थाओं के दायरे बदले जा रहे हैं, फिर भी इस प्रक्रिया के मुकम्मल होने के बाद ही चुनावी माहौल बाहर आएगा। हिमाचल की छोटी-बड़ी चुनावी कसरतें अपनी शुरुआत में गांवों की परिक्रमा करती हैं और यही दस्तूर सियासी दलों के लिए साहसिक हो जाता है। पूरा महकमा छह नई पंचायतों के गठन से औद्योगिक शहरों की फैलती सूरत देख रहा है, जबकि प्रदेश में शहरीकरण के फैलाव ने टीसीपी कानून के दरवाजे पर दस्तक देनी शुरू की है। भले ही धर्मशाला-शिमला के नगर निगमों की शहरी गणना के बाद मंडी, सोलन, पालमपुर और अब हमीरपुर-ऊना की शहरी तस्वीर में कई पंचायतें दाखिल हो चुकी हैं, लेकिन पंचायतों में घुसे शहरों को व्यवस्थित करने के लिए कहीं ग्रामीण क्षेत्रों का वजन घटाना पड़ेगा, तो कहीं स्थानीय निकायों के पुनगर्ठन में कुछ पंचायतों का लेबल हटाना पड़ेगा। हम चुनाव की खुराक में ग्रामीण हलकों को पुष्ट रखते हैं, जबकि शहरीकरण, औद्योगीकरण तथा ग्रामीण आर्थिकी की घटती जमीन का मकसद अब नए शहरी निकाय ही पूरा करेंगे। उदाहरण के लिए प्रदेश के छावनी क्षेत्र से बाहर हो रहे क्षेत्रों को पंचायतों की जिल्द में सांस मिलेगी या इनकी व्यवस्था कि लिए शहरी निकाय को आवाज देनी होगी। योल छावनी से मुक्त हुए क्षेत्र पंचायतों के दरवाजे पर माथा रगड़ रहे हैं, जबकि आजादी के पहले से ही इन इलाकों के बाशिंदे शहरी व्यवस्था में अतिरिक्त नागरिक सुविधाएं पा रहे थे। नतीजतन योल कैंप के नागरिक क्षेत्र में कुछ ही अवधि के बाद कूड़े के ढेर, सड़ांध और बाकी सुविधाओं की शून्यता पैदा हो गई है। कायदे से यह क्षेत्र धर्मशाला नगर निगम के तहत शहरीकरण के दायरे में आ चुका है, लेकिन नागरिक चेतना (?) अब गांव में सुस्ताना चाहती है। गांव व शहर की परिभाषा के सारे मायने हिमाचल में नेताओं की मुट्ठी में बंद हैं, जहां मुफ्त की सेवाओं में नागरिक को मतदाता के रूप में देखा जाता है। एक ओर टीसीपी के प्रावधान और दिक्कतों के बीच मंत्री महोदय के समाधान,लेकिन आज तक शहरी एवं ग्रामीण सीमाओं का पुनगर्ठन स्पष्ट नहीं हो पाया। साडा की असफलता किसी क्षेत्र के विशेष दर्जे, परियोजना व भविष्य को सुनिश्चित नहीं कर पाई, तो आर्थिक जरूरतों का समाधान कैसे होगा। बैजनाथ को पपरोला से मिलकर एक उत्तम परिवेश चाहिए या नई आर्थिक क्रांतियों के शहरों को विकास का नक्शा चाहिए, तो भोटा, चिंतपूर्णी, शाहपुर, राजगढ़, भुंतर, घुमारवीं, दियोटसिद्ध-शाहतलाई, नयनादेवी, सरकाघाट व सिहुंता-चुवाड़ी से जुड़ रहे गांवों की तस्वीर में पंचायतों के घुंघरू कब तक बजेंगे।

सोलन और ऊना में छह नई पंचायतों का गठन सिर्फ चुनाव के नए दायरे नहीं, बल्कि नए क्षितिज की तलाशी भी है। इन दोनों जिलों में कई पंचायतें पूरी तरह औद्योगिक रूप से चिन्हित हैं और इसी के परिप्रेक्ष्य में नई पंचायतों का वजूद भी आर्थिक व राजनीतिक निवेश को आमंत्रण दे रहा है। हिमाचल की भौगोलिक, सामाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक स्थिति के बीच स्थानीय निकायों की बनावट व चुनावी लिखावट का एक खास मुकाम है। इसी संदर्भ में नई पंचायतों के अलावा 31 का पुनर्गठन अपने संकेतों से प्रदर्शित है। हालांकि एक सीमित परिदृश्य में पंचायती राज संस्थाओं के दायरे बदले जा रहे हैं, फिर भी इस प्रक्रिया के मुकम्मल होने के बाद ही चुनावी माहौल बाहर आएगा। हिमाचल की छोटी-बड़ी चुनावी कसरतें अपनी शुरुआत में गांवों की परिक्रमा करती हैं और यही दस्तूर सियासी दलों के लिए साहसिक हो जाता है। पूरा महकमा छह नई पंचायतों के गठन से औद्योगिक शहरों की फैलती सूरत देख रहा है, जबकि प्रदेश में शहरीकरण के फैलाव ने टीसीपी कानून के दरवाजे पर दस्तक देनी शुरू की है। भले ही धर्मशाला-शिमला के नगर निगमों की शहरी गणना के बाद मंडी, सोलन, पालमपुर और अब हमीरपुर-ऊना की शहरी तस्वीर में कई पंचायतें दाखिल हो चुकी हैं, लेकिन पंचायतों में घुसे शहरों को व्यवस्थित करने के लिए कहीं ग्रामीण क्षेत्रों का वजन घटाना पड़ेगा, तो कहीं स्थानीय निकायों के पुनगर्ठन में कुछ पंचायतों का लेबल हटाना पड़ेगा। हम चुनाव की खुराक में ग्रामीण हलकों को पुष्ट रखते हैं, जबकि शहरीकरण, औद्योगीकरण तथा ग्रामीण आर्थिकी की घटती जमीन का मकसद अब नए शहरी निकाय ही पूरा करेंगे।

दृष्टि कोण

बांग्लादेश की घटनाएँ आँखें खोलने वाली हैं

बांग्लादेश में हालात बहुत खराब हैं और बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं की हालत तो और भी खराब है। एक खास धर्म के लोगों का हिंदुओं पर हमला बहुत निंदनीय है। हमारी भारत सरकार को इस हत्याकांड को रोकने के लिए तुरंत एक्शन लेना चाहिए।

यह बात सब जानते हैं कि जहाँ भी हिंदू माइनॉरिटी में होते हैं, वे सॉफ्ट टारगेट बन जाते हैं। घरों, मंदिरों, दुकानों को जलाना और हिंदुओं को लूटना और मारना तथा हिंदू महिलाओं के साथ रेप बड़े पैमाने पर हो रहा है।

इस समय बांग्लादेश में इस सब अराजकता के लिए यूनुस सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है और यूनुस कट्टरपंथी मुसलमानों को भड़काकर हिंदुओं का कत्लेआम करवा रहा है। यह सब एक एजेंडे के तहत पाकिस्तान के मुल्ला मुनीर के इशारे पर हो रहा है। बांग्लादेशियों को यह नहीं भूलना चाहिए कि आज उनका वजूद भारत की वजह से है और वे आज़ाद हैं।

यह अजीब बात है कि इन तथाकथित भारत के सेक्युलर और टुकड़े-टुकड़े गैंग ने अपनी जुबान पर ताला लगा लिया है क्योंकि यह अत्याचार मुस्लिम पर ना होकर हिंदुओं पर हो रहा है।

भारत सरकार को चाहिए कि सबसे पहले देश के अंदर के गद्दारों के खिलाफ तुरंत कड़ी कार्रवाई की जाए।

हमारे देश में कुछ नेता भड़का रहे हैं कि इस तरह का हत्याकांड भारत में भी हो सकता है और एंटी-सोशल एलिमेंट बांग्लादेश की तरह प्रधानमंत्री के घर में घुसकर कब्जा कर सकते हैं। मेरा सुझाव है कि सरकार को उन नेताओं के खिलाफ भी सख्त एक्शन लेना चाहिए जो भड़काऊ भाषण देकर देश के लोगों को भड़का रहे हैं।

इन एंटी-सोशल एलिमेंट्स पर एंटी-नेशनल एक्टिविटीज़ के तहत केस होना चाहिए और अब नेशनलिस्ट्स और हिंदुओं के लिए यह सोचने का सही समय है कि खुद को, अपनी प्रॉपर्टी को और सबसे बढ़कर अपने प्यारे देश को बचाने के लिए एकजुट होने का सही समय है।

-अजय कुमार अग्रवाल

राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंटरनेशनल चैंबर्स ऑफ़ पब्लिक रिलेशंस
ब्रिटिश संसद में अंतरराष्ट्रीय भारत गौरव पुरस्कार ग्रहिता

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ
आज आप को अतिरिक्त जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी तभी सारे काम पूरे होंगे। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। आमदनी बढ़ेगी। काम के सिलसिले में अपने चतुराई का प्रयोग करना सराहनीय कदम होगा। व्यवसायिक की दिक्कतों से आप कुछ चिंतित हो सकते हैं।वैवाहिक जीवन के लिए समय अच्छा रहेगा। युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटेंगे। आर्थिक हालात ठीक रहेंगी। संतान पक्ष को सफलता मिलेगी। नई योजना बनेगी। दाम्पत्य जीवन ठीक रहेगा। आज निवेश करने से लाभ जरूर बनेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो
आज के दिन दिक्कतें जरूर बन सकती हैं। आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। धीरज के साथ सभी जिम्मेदारियों को पूरा करने का प्रयास करें। तनाव पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी की सलाह नजरअंदाज न करें। वाहन चलाते समय लापरवाही न बरतें। किसी से अनबन हो सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। कारोबार में लाभ होने की संभावना है। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। सेहत ठीक रहेगी। किसी काम को पूरा करने में अनुभवी लोगों की मदद आपके लिए लाभकारी होगी। यात्रा पर जा सकते हैं। धन लाभ का अवसर मिलेंगे। आज युवाओं की बेरोजगारी दूर हो सकती है।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह
आज बगैर पूछे किसी को मशवरा नहीं देना। कुछ नए काम की शुरू कर सकते हैं। शारीरिक कार्य पूरे होंगे। विद्यार्थियों का आज पढ़ाई में मन नहीं लगेगा।बिना सोचे समझे कोई काम न करें। निवेश की स्थिति ठीक नहीं है। कर्ज से मुक्ति मिल सकती है। रिश्तेदारों से आपको सहयोग मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। सेहत को लेकर लापरवाही न करें। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। दूसरों की सहायता मिलेगी। विरोधियों के चलते आपके कुछ काम प्रभावित होंगे। पारिवारिक जिम्मेदारी पूरे करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो
आप शादी उम्र के योग्य है तो रिश्ता हो सकता हैं। नया काम शुरू कर सकते हैं।मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे। रिश्तेदारों से कोई अच्छी खबर आ सकती है। नए प्रोजेक्ट से लाभ होगा। मित्रों के साथ पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। छात्रों की दिक्कतें दूर होंगी। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति से मुलाकात का मौका मिलेगा। जीवनसाथी को घुमाने ले जा सकते हैं। आज का दिन बेहद सुखद रहेगा। आज अपने खर्च पर नियंत्रण रख पाएंगे। आज आप नौकरी बदले का मन कर रहे हैं तो बढ़िया समय है कोशिश सफल होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे
आज लक्ष्मी जी को रक्त पुष्प अर्पित करें कर्ज मुक्त होंगे। धन लाभ होगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार के सिलसिले में ज्यादातर किए गए प्रयास सफल रहेंगे। जीवनसाथी के साथ मतभेद हो सकते हैं। कारोबारी यात्रा सफल रहेगी। आपकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। आज आप खुश रहेंगे। किसी से मुलाकात होगी। मित्रों साथ झगड़ा कर सकते हैं। जोखिम से जुड़े कार्यों को टालें। खानपान को नियंत्रित रखना होगा। तनाव दूर होने की संभावना है। भोजन सुपाच्य करें सेहत ठीक रहेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो
आज ईश्वर का मंत्र स्मरण जप करें किस्मत का साथ मिलेगा। कारोबार को लेकर नई योजना बनाने के लिए आज का दिन अच्छा होगा। दिनभर कार्य की व्यस्तता के चलते तनाव हो सकता है। युवाओं के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। शादीशुदा लोगों को घूमने जाने का अवसर मिलेगा। गैरजरूरी खर्च पर नियंत्रण रख पाएंगे। खर्च में कमी आएगी। लव कपल के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस का माहौल सकारात्मक रहेगा। दुश्मनों के अनुभव का लाभ मिलेगा। कार्यस्थल पर नए मौके मिलेंगे। छात्र नये कोर्स पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते
आज धन का निवेश करें कारोबार में प्रगति होगी। दोस्तों और रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। ऑफिस में आपका काम की सराहना होगी। छात्रों को फायदा होगा। आज धन लाभ होने की संभावना है। आपके शत्रु शांत रहेंगे। परिवार के सदस्यों से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है। आज आप अपनी मेहनत से अपनी हर दिक्कत को आसान कर लेंगे। वाहन चलाते समय सतर्क रहें। धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य के कारण सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू
आप को सकारात्मक रहने की जरूरत है आप सरकारी नौकरी में है तो दिक्कतें आएगी फिर भी आप में जोश देखने को मिलेगा। आपके कार्यक्षेत्र में सराहना होगी। दिन की शुरुआत सामान्य होगी। व्यवसाय में उतार चढ़ाव बना रहेगा। संतान पक्ष को लेकर कुछ दिक्कत हो सकती है। जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे। कई लोगों से मुलाकात होगी। रिश्तेदारों एवं मित्रों पर धन खर्च होगा। आज किसी की बातों में आकर नया काम शुरू न करें। आज का दिन सुखद रहेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे
आज मन में उत्साह और उल्लास रहेगा आप बेहद खुश रहेंगे। आपका भाग्य प्रबल रहेगा। कार्य क्षेत्र में शुभ फलों की प्राप्ति होगी। आज आप खूब आनंद उठाएंगे, लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें। आप गलतफहमी के शिकार हो सकते हैं। तनाव न लें। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है। परीक्षा में कामयाबी मिल सकती है। परिवार के किसी सदस्य की मदद करेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। अपने को शान्त रखें क्रोध पर नियंत्रण रखना आप की तरक्की के रास्ते खोलेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि
आज कुछ तनाव रहेगा परिस्थियां आपके अनुकूल नहीं होगी इसलिए परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं। सेहत को लेकर सावधान रहने की जरूरत है। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किस्मत का साथ मिलेगा। माता-पिता की सेवा करना शुभ फल देगा। खानपान पर नियंत्रण रखें। मित्रों की मदद से आपके कई काम पूरे होंगे। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंतित रह सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताएं। मन में नकारात्मक विचार न आने दे। ईश्वर की आराधना करने से मानसिक शांति मिलेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द
आज स्वभाव में तेजी होगी क्रोध हावी रहेगा चिड़चिड़ापन बनेगा जिसके कारण किसी से आपका विवाद हो सकता है। काफी दिनों के बाद किसी परिचित व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। आज का दिन आपकी सेहत के लिहाज से काफी अच्छा है। कारोबार के सिलसिले में आज यात्रा कर सकते हैं। रिश्तेदारों से सुखद सूचना मिल सकती है। धन लाभ होने की संभावना है। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। आज आपको किस्मत का साथ मिलेगा। परिवार को पूरा समय दें सब कुछ अनुकूल होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची
आज व्यापार मे लेनदेन मे निवेश के हिसाब से दिन बहतर हैं व्यवसाय में आज उम्मीद से अधिक लाभ होगा। बातचीत करने के दौरान सावधान रहें। आपको शुभ फलों की प्राप्ति होगी। आलस्य ज्यादा रहेगा। आज शासकीय कार्य पूरे कर पाएंगे। युवाओं को नए मौके मिलेंगे। ऋण से मुक्ति मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में आशाजनक परिणाम नहीं मिलेंगे। आप दूसरों की देखभाल में आपका समय बीतेगा। संतान पक्ष से आपको खुशखबरी मिलेगी। रिश्ते की सूचना मिलेगी। दफ्तर में किसी सहयोगी से अनबन की आशंका है। कन्या को खीर का भोग रखे।

आज का पंचांग

दिनांक : 26 दिसंबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी दोपहर 01:45 तक
नक्षत्र : शतभिषा प्रातः 09:01 तक
योग : सिद्धि दोपहर 02:00 तक
करण : तैतिल दोपहर 01:45 तक
चन्द्रराशि : कुंभ रात्रि 03:11 तक
सूर्योदय : 06:43, सूर्यास्त 05:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 06:01 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:33, सूर्यास्त 05:52 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:33, सूर्यास्त 05:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान को गुड गवर्नेन्स में रोल मॉडल बनाएं : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुसार 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम सुशासन' के मंत्र को साकार करने के लिए हम सभी को निष्ठा और समर्पण से प्रयास करने चाहिए। उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों से जनसेवा, नवाचार और जवाबदेहिता की कार्य-संस्कृति को आत्मसात करते हुए राजस्थान को गुड गवर्नेन्स में रोल मॉडल बनाने का आह्वान किया।

शर्मा गुरुवार को एचसीएम रीपा में सुशासन दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी को नमन करते हुए कहा कि सुशासन हमेशा भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। हमारे यहां सुशासन को राम राज्य कहा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राम राज्य के आदर्शों पर चलते हुए स्व. वाजपेयी ने शासन को सुशासन और स्वराज को सुराज में बदला। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से गांवों के विकास और स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के जरिए देश के आर्थिक विकास को गति दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. वाजपेयी ने देश को सूखा और बाढ़ से मुक्ति दिलाने के लिए प्रमुख नदियों को जोड़ने की महत्वाकांक्षी योजना भी प्रारंभ की। स्व. अटल में राष्ट्र प्रेम की प्रबल धारा सदैव प्रवाहित रहती थी। कारगिल युद्ध में ऑपरेशन विजय हो या बाहरी दबावों की चिंता किए बिना परमाणु परीक्षण करना, उन्होंने स्वाभिमानी भारत की आधारशिला रखी। उन्होंने जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान का नारा देकर देश के विकास में विज्ञान को बढ़ावा देने का काम किया।शर्मा ने कहा कि स्व. अटल की सुशासन की विरासत को प्रधानमंत्री मोदी ने आगे बढ़ाया और देश को सुशासन का रोल मॉडल बनाने पर कार्य किया। उन्होंने नागरिक प्रथम के ध्येय के साथ तकनीक के माध्यम से आमजन को सीधे सरकार से जोड़कर शासन में भागीदार और अधिकार संपन्न बनाया है। सबका साथ, सबका विकास की सोच के साथ ऐसी नीतियां और योजनाएं लागू की जिनका लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचे। श्री मोदी ने लोकतंत्र से लोक को जोड़ा और नौकरशाही को सही मायने में लोकसेवक बनाया और खुद को देश का प्रधान सेवक बनाया।

साहिबजादों का साहस और बलिदान युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा: भजनलाल

जयपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर सिख समुदाय के प्रतिनिधिमण्डल से मुलाकात की। उन्होंने वीर बाल दिवस (26 दिसम्बर) की पूर्व संध्या पर कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों ने मातृभूमि एवं धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महत्वपूर्ण निर्णय लेकर साहिबजादों की शहादत को वीर बाल दिवस के रूप में चिरस्थाई बनाया। उन्होंने युवा पीढ़ी से साहिबजादों के अदम्य साहस और बलिदान से प्रेरणा लेने की अपील की। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुरेन्द्र पाल सिंह टीटी, राजस्थान सिख समाज अध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह, जयपुर के विभिन्न गुरुद्वारों के प्रतिनिधि सहित विभिन्न गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने किया राज्य स्तरीय सिविल सेवा सीएस चैलेंजर कप का शुभारंभ

जयपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।
मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय सिविल सेवा सीएस चैलेंजर कप-2025 का विधिवत उद्घाटन किया। कार्मिक विभाग के तत्वावधान में जयपुर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता वर्ष 2012 से निरंतर आयोजित की जा रही है, जो सिविल सेवाओं में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने का सशक्त माध्यम बन चुकी है। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि फिट इंडिया मूवमेंट जैसे अभियानों से देश में खेल संस्कृति को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि सीएस चैलेंजर कप जैसी प्रतियोगिताएं न केवल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शारीरिक रूप से फिट रखने में सहायक हैं, बल्कि टीम भावना, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा को भी बढ़ावा देती हैं। उन्होंने गांधीनगर (गुजरात) में आयोजित अखिल भारतीय सिविल सेवा लॉन टेनिस प्रतियोगिता के पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

राजस्थान के मुख्य चुनाव अधिकारी नवीन महाजन ने सुशासन दिवस के अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं खिलाड़ियों को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता राजकीय दायित्वों के साथ खेलों में सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव नीरज के. पवन ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि राजस्थान के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों, विशेषकर ओलंपिक में पदक विजेता बनें। इसके लिए खेल अवसंरचना, प्रशिक्षण एवं संसाधनों पर निरंतर निवेश किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सीएस चैलेंजर कप-2025 के अंतर्गत 25 से 29 दिसंबर, 2025 तक टेनिस, बैडमिंटन एवं क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

स्टेट जीएसटी की आयरन-स्टील एवं स्क्रैप पर बड़ी कार्रवाई

125 करोड़ की कर चोरी उजागर

जयपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।
कर अपवंचन पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के उद्देश्य से वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा प्रदेश में लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार से आयरन-स्टील एवं स्क्रैप कारोबार के विरुद्ध प्रदेशभर में एक साथ बड़ी कार्रवाई की गई। इस दौरान कुल 100 प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गई।

राज्य के मुख्य कर आयुक्त कुमार पाल गौतम के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में मौके पर ही लगभग 8 करोड़ रुपये की राशि जमा करवाई गई। जांच के दौरान कई स्थानों से इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, कच्ची पर्चियां एवं संदिग्ध दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं, जिनकी विस्तृत जांच विभागीय अधिकारियों द्वारा की जा रही है। इसके साथ ही प्रदेश में स्क्रैप के अवैध परिवहन के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई जारी है। विभिन्न स्थानों पर वाहनों की सघन जांच की जा रही है ताकि कर चोरी एवं अवैध व्यापार पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके।

गौरतलब है कि वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा हाल के दिनों में कर चोरी के खिलाफ व्यापक सख्ती बरती जा रही है। गत कुछ दिनों में ही विभाग लगभग 500 करोड़ रुपये की कर चोरी उजागर कर चुका है।

खेलों से अनुशासन की मिलती है सीख : जोराराम कुमावत

पाली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।
युवा शक्ति का उत्सव, सांसद खेल महोत्सव, समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह पाली जिले के बांगड़ स्टेडियम में हुआ जिसमें कुल 13 खेलों की अंडर-19 पुरुष एवं महिला टीमों द्वारा भाग लिया गया।

खेलों में कैरम, बैडमिंटन, 400 मीटर स्प्रिंट, 100 मीटर स्प्रिंट, ऊंची कूद, कबड्डी, लंगडी, फुटबॉल क्रिकेट, खो-खो, वॉलीबॉल, हॉकी व रस्साकसी की टीमों द्वारा भाग लिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी वर्चुअल इस कार्यक्रम से जुड़े। प्रधानमंत्री के उद्बोधन के पश्चात कार्यक्रम प्रारंभ की घोषणा कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत द्वारा की गई। ध्वजारोहण सांसद पी.पी. चौधरी ने किया। साथ ही सांसद खेल प्रतियोगिता में पाली का नाम रोशन करने तथा खेल को खेल भावना से खेलने की शपथ दिलाई गई।

जिला कलेक्टर एल.एन. मंत्री द्वारा सुशासन दिवस की शपथ दिलाई गई। उन्होंने कहा कि खेलों में या तो आदमी खेलता है या सीखता है। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने अपने उद्बोधन में खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आज के इस मशीनरी युग में आदमी मानसिक दबाव में रहता है जिसमें खेल से आराम मिलता है व खेलों से अनुशासन की सीख भी मिलती है।

अरावली सिर्फ पहाड़ नहीं, भारत की जीवन रेखा है : दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।
जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने अरावली पर्वतमाला को देश के पर्यावरणीय भविष्य से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण विषय बताया है। उन्होंने कहा कि अरावली केवल पत्थरों और पहाड़ियों की श्रृंखला नहीं, बल्कि उत्तर भारत विशेषकर हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली-एनसीआर के पर्यावरणीय संतुलन, जल संरक्षण और करोड़ों लोगों के जीवन की ऐतिहासिक जीवन रेखा है। दिग्विजय ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा पर्यावरण मंत्रालय की उस सिफारिश को स्वीकार किए जाने पर गहरी चिंता जताई, जिसमें 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली का हिस्सा न मानने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि इस फैसले का सीधा अर्थ यह है कि अरावली की लगभग 91 प्रतिशत छोटी पहाड़ी श्रृंखलाएं और कटक, जिनकी ऊंचाई 30 से 80 मीटर के बीच है और जो भूजल रिचार्ज, मिट्टी संरक्षण और मरुस्थलीकरण रोकने में सबसे अहम भूमिका निभाती है, अब खनन माफिया और अनियंत्रित निर्माण के लिए पूरी तरह खुल सकती है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि अरावली भारत की सबसे पुरानी पर्वतमाला है, जिसकी आयु लगभग 1.8 अरब वर्ष से भी अधिक मानी जाती है और जो हिमालय से भी कहीं अधिक प्राचीन है। आज यह थार मरुस्थल और उपजाऊ गंगा-यमुना के मैदानों के बीच एक प्राकृतिक हरित दीवार बनकर खड़ी है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि पिछले दो अरब वर्षों से अरावली ने पश्चिमी हवाओं, वर्षा वितरण और मिट्टी के कटाव को नियंत्रित कर उत्तर भारत को रेगिस्तान बनने से बचाया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अरावली की यह प्राकृतिक ढाल कमजोर हुई तो पश्चिम से उड़ने वाली धूल और रेत सीधे दिल्ली-एनसीआर तक पहुंचेगी, जिससे पहले से गंभीर वायु प्रदूषण और अधिक जानलेवा हो जाएगा।

सिरसा-रानियां-टिब्बी-हनुमानगढ़ सडक़ को चार-मार्गीय किया जाना समय की आवश्यकता: सैलजा

चंडीगढ़, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने भारत सरकार से मांग की है कि सिरसा-रानियां-टिब्बी-हनुमानगढ़ सड़क को शीघ्र चार-मार्गीय (फोर लेन) किया जाए। उन्होंने कहा कि यह सड़क हरियाणा और राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, व्यापार और संपर्क के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे पूर्व सैलजा ने सिरसा-ऐलनाबाद-रावतसर मार्ग को चार लेन राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित कर भारतमाला परियोजना में शामिल करने की मांग कर चुकी है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सिरसा-रानियां-टिब्बी-हनुमानगढ़ सडक़ के चार-मार्गीय होने से श्रीगंगानगर के निकट स्थित लालगढ़ सैन्य छावनी की दूरी हिसार सैन्य छावनी से सबसे कम हो जाएगी, जिससे सेना की त्वरित आवाजाही और रणनीतिक तैयारियों को मजबूती मिलेगी। यह मार्ग रक्षा दृष्टि से देश के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस सड़क के विकसित होने से नई दिल्ली से श्रीगंगानगर की दूरी भी न्यूनतम हो जाएगी। वर्तमान में सिरसा से श्रीगंगानगर जाने के जो तीन प्रमुख मार्ग हैं, उनकी तुलना में यह मार्ग सबसे कम दूरी, कम समय और कम ईंधन खर्च वाला बनेगा। कुमारी सैलजा ने बताया कि चार-मार्गीय सड़क बनने से क्षेत्र के किसानों, व्यापारियों और उद्योगों को सीधा लाभ मिलेगा। कृषि उपज और औद्योगिक माल का परिवहन तेज़ होगा, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नया बल मिलेगा। साथ ही, सडक़ दुर्घटनाओं में कमी आएगी और यात्रियों को सुरक्षित व सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह बड़ा कदम : अनिल विज

चंडीगढ़, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।
हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि ''अरावली पर्वत श्रृंखला विश्व की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है और इसके संरक्षण के लिए केंद्र सरकार द्वारा लिया गया निर्णय सराहनीय है। उन्होंने कहा कि अरावली क्षेत्र में नए खनन पट्टे न दिए जाने के केंद्र सरकार के फैसले का वे स्वागत करते हैं और पर्यावरणविदों व प्रकृति प्रेमियों को भी इस निर्णय का स्वागत करना चाहिए''। इसके अलावा, विज ने कहा कि 'इतिहास में बहुत बडी-बडी गलतियां हो रखी है इसलिए बंग्लादेश में हिन्दूओं पर हो रहे अत्याचारों को गंभीरता से विचार करना चाहिए' क्योंकिः-''खता लम्हों ने की, सजा सदियों ने पाई''। विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा अरावली पर्वत श्रृंखला में खनन को लेकर पूछे गए सवालों का उत्तर दे रहे थे। उल्लेखनीय है कि अरावली पर्वतमाला की पुनर्परिभाषा को लेकर हुए विवाद के बाद, केंद्र सरकार ने गत दिवस राज्यों को निर्देश जारी कर पर्वत श्रृंखला के भीतर नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने को कहा है। पर्यावरण व वन मंत्रालय ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद को पूरे अरावली क्षेत्र में अतिरिक्त क्षेत्रों और जोन की पहचान करने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हाल ही में उच्चतम न्यायालय के एक आदेश के बाद लोगों में यह भ्रांति फैल गई थी कि इससे बड़े पैमाने पर खनन होगा और अरावली पर्वतों को भारी नुकसान पहुंचेगा।

अटल जी दूरदर्शी राजनेता, जिनका जीवन सुशासन की प्रेरणा : सैनी

पंचकूला, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें एक दूरदर्शी राजनेता बताया। उन्होंने कहा स्वर्गीय अटल जी का जीवन ईमानदारी, लोकतांत्रिक मूल्यों और जन-केंद्रित शासन का प्रतीक रहा। मुख्यमंत्री ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को स्मरण करते हुए कहा कि वे अपने विचारों में जितने दृढ़ थे, उतने ही अपने मूल्यों और सिद्धांतों में भी अडिग थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंचकूला में राज्यस्तरीय सुशासन दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भले ही सरकारें आती-जाती रहीं, लेकिन अटल जी हमेशा अपने आदर्शों पर अटल रहे। उनके जीवन को निरंतर प्रेरणा का स्रोत बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जीवन यात्रा राष्ट्र को मूल्यों, ईमानदारी और सिद्धांतों पर आधारित नेतृत्व का महत्व सिखाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार, अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा दिखाए गए मार्ग का दृढ़ता से अनुसरण कर रही है और सुशासन से जुड़े उनके आदर्श आज भी हरियाणा की नीतियों और जनसेवा को प्रेरित कर रहे हैं।

सुशासन दिवस के अवसर पर एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य के सभी 87 शहरी स्थानीय निकायों में कम से कम एक सार्वजनिक स्थल का नामकरण अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम पर किया जाएगा। उनमें अटल जी प्रतिमाएं भी स्थापित की जाएंगी।

ताकि उनके लोकतंत्र, राष्ट्रीय एकता और पारदर्शी शासन के आदर्श समाज का मार्गदर्शन करते रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सभी निकायों में एक ऐसे सामुदायिक भवन, पार्क, वाचनालय, सभागार, वृद्धाश्रम या व्यावसायिक स्थल को चिन्हित कर लिया गया है और अगले 6 माह में अटल की स्मृति में इस फैसले को लागू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और कार्यों से नई पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए उनके नाम पर अनेक संस्थाएं भी खोली जाएंगी, ताकि युवाओं के बीच अटल जी के जीवन, विचारों और अमूल्य योगदानों के प्रति जागरूकता फैलाई जा सके।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस दौरान कई महत्वाकांक्षी डिजिटल परियोजनाओं और पोर्टलों का भी शुभारंभ किया। इन पहलों में मानव संसाधन विभाग का सिक्योरिटी ऑफ़ सर्विस पोर्टल, नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग के बुनियादी ढांचे से वंचित औद्योगिक क्षेत्रों की घोषणा हेतु आवेदन प्रस्तुत करने के लिए पोर्टल का शुभारंभ किया गया। इनके अलावा मुख्यमंत्री ने सूचना जनसपर्क एवं भाषा विभाग के प्रेस रिलीज़ मैनेजमेंट सिस्टम और ऑनलाइन प्रेस मान्यता का लोकार्पण भी किया। उन्होंने श्रम विभाग के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों हेतु ख सक्षम इंस्टेंट पंजीकरण सिस्टम का लोकार्पण भी किया।

इन पहलों का उद्देश्य सरकारी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, दक्षता और गति बढ़ाना तथा जनसेवाओं को अधिक सुलभ और नागरिकों के अनुकूल बनाना है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में नये वर्ष के कैलेंडर और सरकार की नीतियों और योजनाओं को प्रदर्शित करती एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया।

लखनऊ में पीएम मोदी ने किया राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन, देश की महान विभूतियों को किया नमन

लखनऊ,25 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राजधानी लखनऊ की बसंत कुंज योजना स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने परिसर में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं का अवलोकन किया और उन्हें नमन किया। समारोह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंच पर पहुंचते ही बड़ी संख्या में मौजूद लोगों का अभिवादन किया। इसके बाद वंदे मातरम गीत गाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने भाजपा व जनसंघ के गलियारे का अवलोकन किया। इस गलियारे में जनसंघ और भाजपा की पूरी यात्रा को तस्वीरों के माध्यम से दिखाया गया है। इसके बाद पीएम मोदी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी गैलरी का भ्रमण किया। इस गैलरी में डॉ. मुखर्जी के जीवन से जुड़े हुए विभिन्न चित्र और प्रतीक चिह्न रखे गए हैं। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बन कर तैयार भव्य 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' भारतीय राष्ट्रवाद की त्रयी कहे जाने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीन दयाल उपाध्याय और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों और अमूल्य योगदान को जन-जन तक पहुंचाने का अनुपम प्रयास है।

ज्ञात हो कि लखनऊ के वसंत कुंज में राष्ट्र प्रेरणा स्थल को कमल की आकृति में बनाया गया है। प्रेरणा स्थल में राष्ट्रवाद के शिखर पुरुषों डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं दीन दयाल उपाध्याय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 65 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमाओं का निर्माण किया गया है। जिनका निर्माण विश्व विख्यात मूर्तिकार राम सुतार और मंटू राम आर्ट क्रिएशंस ने किया है। प्रतिमाओं को फेसेड लाइटिंग और प्रोजेक्शन मैपिंग से सजाया गया है। साथ ही परिसर में राष्ट्र नायकों को समर्पित संग्रहालय का निर्माण भी किया गया है।

संग्रहालय की इंटरप्रिटेशन वॉल पर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के म्यूरल आर्ट से देश की राष्ट्रीयता की यात्रा को दर्शाया गया है। संग्रहालय के कोर्टयार्ड में राष्ट्रीय भावना की प्रतीक भारत माता की प्रतिमा स्थापित की गई है। राष्ट्र नायकों को समर्पित गैलरियां उनके जीवन, विचारधारा और संघर्षों को जीवंत बनाती हैं। साथ ही राष्ट्र प्रेरणा स्थल परिसर में सिंथेटिक ट्रैक, मेडिटेशन सेंटर, विपश्यना केंद्र, योग केंद्र, हेलीपैड और कैफेटेरिया का भी निर्माण किया गया है।

इसके अलावा, परिसर में 3000 की क्षमता वाले एम्फीथिएटर और लगभग 2 लाख की क्षमता के रैली स्थल का भी निर्माण किया गया है। राष्ट्र प्रेरणा स्थल न केवल ऐतिहासिक स्मृति का बिंदु है, बल्कि भावी पीढ़ियों में राष्ट्रीयता की भावना का संचार करेगा।

नोएडा में क्रिसमस का जश्न, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद: मॉल और चर्चों में उमड़ी भीड़

नोएडा, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। नोएडा में क्रिसमस के मौके पर उत्सव का माहौल देखने को मिल रहा है। शहर के प्रमुख चर्चों और मॉल को आकर्षक रोशनी और सजावट से सजाया गया है। नोएडा के कई बड़े मॉल में 40-40 फीट ऊंचे भव्य क्रिसमस ट्री लगाए गए हैं, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। क्रिसमस की छुट्टी और त्योहार के चलते बाजारों, मॉल और चर्चों में जबरदस्त भीड़ उमड़ पड़ी है। भीड़ और सुरक्षा को देखते हुए नोएडा पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में है। पुलिस ने साफ फरमान जारी किया है कि आज क्रिसमस के दिन मॉल के बाहर सड़कों पर या चर्चों के सामने सड़क पर यदि कोई भी वाहन अवैध रूप से खड़ा पाया गया, तो उस पर भारी चालान किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि गलत पार्किंग के कारण यातायात बाधित होता है और आपात स्थिति में परेशानी खड़ी हो सकती है, इसलिए किसी भी सूरत में सड़क किनारे पार्किंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए पुलिस टीमों ने भीड़भाड़ वाले इलाकों, मॉल और प्रमुख बाजारों में डॉग स्क्वायड और अन्य विशेष टीमों के साथ निरीक्षण किया।संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जगह-जगह चेकिंग की जा रही है। पुलिस अधिकारी खुद मौके पर मौजूद रहकर सुरक्षा इंतजामों की निगरानी कर रहे हैं। इसके साथ ही अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि किसी भी अप्रिय घटना से निपटा जा सके। शहर के प्रमुख चौराहों, मॉल, चर्च और बाजारों में लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।कंट्रोल रूम से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। वहीं, ट्रैफिक पुलिस ने भी अलग-अलग इलाकों में रूट डायवर्जन और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए खास इंतजाम किए हैं। भीड़ अधिक होने के कारण कई इलाकों में जाम की स्थिति भी देखने को मिली।पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे बिना पार्किंग सुविधा के अपने वाहन सड़क पर न खड़े करें और मॉल व बाजारों में जाने के लिए निर्धारित पार्किंग का ही उपयोग करें। साथ ही, अनावश्यक रूप से वाहन लेकर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचें। नोएडा पुलिस का कहना है कि क्रिसमस का त्योहार शांति और सौहार्द के साथ मनाया जाए, इसके लिए सभी जरूरी कदम उठाए गए हैं।

अलीगढ़ शिक्षक हत्याकांड और उन्नाव रेप केस पर कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने भाजपा पर बोला हमला

लखनऊ,25 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने अलीगढ़ में शिक्षक की हत्या को लेकर उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज नहीं, बल्कि भाजपा और उससे जुड़े माफियाओं का राज चल रहा है, जो 'जंगल राज की पराकाष्ठा' है। आईएएनएस से बातचीत में सुरेंद्र राजपूत ने कहा, उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी का जब से शासन आया है, कचहरी, जेलों और अस्पतालों में हत्याएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हत्यारे जहां चाहें वहां हत्या कर दे रहे हैं, क्योंकि उत्तर प्रदेश में कानून का राज नहीं है। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी का राज है और भारतीय जनता पार्टी के जितने भी समर्थक और माफिया हैं, वो पूरे प्रदेश में घूम रहे हैं।इसी बीच, कांग्रेस प्रवक्ता ने उन्नाव रेप केस में दोषी कुलदीप सेंगर को जमानत मिलने का मामला उठाया। उन्होंने कहा, यह मामला भाजपा के माथे पर कलंक है, क्योंकि पार्टी से जुड़े नेता होने के कारण पीड़िता को न्याय नहीं मिल पा रहा है।सुरेंद्र राज-पूत ने यह भी कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी समेत पूरी कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में भी पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कानूनी मदद करेगी।सुरेंद्र राज-पूत ने महाराष्ट्र में बीएमसी चुनाव से जुड़े भाषा विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं का सम्मान होना चाहिए और उनका अपमान नहीं किया जाना चाहिए।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के आने के बाद से क्षेत्रीय भाषाओं का अपमान बढ़ा है, जिससे अस्मिता के मुद्दे उभर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई पूरे देश की है। मराठी भाषा का सम्मान जरूरी है, लेकिन इसके साथ सभी भाषाओं और लोगों का भी सम्मान होना चाहिए। देश की आर्थिक राजधानी में संकीर्ण मानसिकता देश के लिए उचित संदेश नहीं देती।

आज पूरी दुनिया कान खोलकर सुनती है कि भारत क्या बोल रहा है : राजनाथ सिंह

लखनऊ,25 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को राष्ट्र प्रेरणा स्थल के निर्माण के लिए बधाई देते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत की एकता और अखंडता के लिए लंबा संघर्ष किया और धारा 370 के विरोध में अपने प्राणों का बलिदान किया। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के इस सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरा किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज भारत की आर्थिक और वैश्विक हैसियत अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच चुकी है। उन्होंने दावा किया कि देश में महंगाई दर एक प्रतिशत से नीचे है और विकास दर आठ प्रतिशत से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया कान खोलकर सुनती है कि भारत क्या बोल रहा है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की बढ़ती ताकत का प्रमाण है। राजनाथ सिंह ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांव, गरीब और किसानों के लिए बड़े और निर्णायक फैसले किए हैं। उन्होंने कहा कि मनरेगा में पहले बड़े पैमाने पर धांधली होती थी, लेकिन अब व्यवस्था में पारदर्शिता लाई गई है। गांवों के विकास के लिए नए विधेयक के तहत अब 100 की जगह 125 दिनों का काम मिलेगा और स्थायी रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को याद करते हुए कहा कि एकात्म मानववाद और अंत्योदय का दर्शन आजाद भारत की सबसे बड़ी दार्शनिक अवधारण-ाओं में से एक है। दीनदयाल उपाध्याय ने समाज के अंतिम व्यक्ति की चिंता करते हुए जो विचार दिए, उन्हीं के आधार पर आज प्रधानमंत्री मोदी सरकार चला रहे हैं। उनका मानना था कि केवल धन से व्यक्ति सुखी नहीं हो सकता, बल्कि मान-सम्मान, शिक्षा और आत्मिक संतुलन भी उतना ही जरूरी है।

रक्षा मंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए उनके विनोदी स्वभाव का उल्लेख किया। उन्होंने अटल की पाकिस्तान यात्रा का किस्सा सुनाते हुए कहा कि एक महिला पत्रकार ने उनसे मजाकिया अंदाज में शादी का प्रस्ताव रखते हुए कश्मीर मांगा था, जिस पर अटल ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया था कि वे तैयार हैं, लेकिन बदले में पाकिस्तान चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का मान बढ़ाने वाले सबसे बड़े नेता हैं। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री को अब तक 29 देशों के सर्वोच्च सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे राष्ट्रनायकों को सम्मान देना और उनकी विरासत को स्मरण करना प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है। यही कारण है कि इन तीनों महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने भारत को नई पहचान दी और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रनायकों के विचारों से प्रेरणा देगा : योगी

लखनऊ,25 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का बटन दबाकर लोकार्पण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे प्रदेश और देश के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि यह स्थल आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रनायकों के विचारों से प्रेरणा देगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए गर्व का है। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने स्वतंत्र भारत में 'एक देश, एक विधान, एक निशान और एक प्रधान' का उद्घोष किया था, जबकि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार को वर्तमान सरकार जमीन पर उतारने का कार्य कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों को साकार करने की दिशा में सरकार निरंतर काम कर रही है और आधुनिक भारत के शिल्पकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लखनऊ आगमन अपने आप में ऐतिहासिक है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के करकमलों से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाओं का लोकार्पण हुआ है। इसके साथ ही एक भव्य म्यूजियम का भी उद्घाटन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत का जो स्वरूप आज देश देख रहा है, उसके पीछे इन तीनों महापुरुषों का मार्गदर्शन और प्रेरणा रही है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में करीब 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं और आत्मनिर्भर भारत का सपना तेजी से साकार हो रहा है। सीएम योगी ने अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि वे अक्सर कहा करते थे-'अंधेरा छंटेगा, सूर्य निकलेगा और कमल खिलेगा।' वे भारत के उज्ज्वल भविष्य को लेकर दृढ़ संकल्पित थे। एक पत्रकार, विचारक और कुशल नेतृत्वकर्ता के रूप में अटल जी ने देश को स्पष्ट विजन दिया, जिसका लाभ आज विकास के नए रूप में दिखाई दे रहा है।उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी को भारत रत्न देकर उन्हें देश की ओर से उचित सम्मान दिया गया है। लखनऊ की धरती अपने राष्ट्रनायकों को सदैव गौरव और सम्मान देती रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे राष्ट्रनायक आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरणा देते रहेंगे और देश के मार्गदर्शक बने रहेंगे।

काशी विश्वनाथ मंदिर में स्पर्श दर्शन पर रोक श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए फैसला

वाराणसी,25 दिसंबर (एजेंसियां)। शीतकालीन छुट्टियों की वजह से वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों की संख्या में इजाफा देखने को मिल रहा है। नववर्ष से पहले भी भक्त दूर-दूर से दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मंदिर में बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने प्रोटोकॉल दर्शन पर रोक लगा दी है और अब भक्तों को बाबा विश्वनाथ के झांकी दर्शन ही हो पाएंगे। यह फैसला श्रद्धालु की सुविधा के लिए ही लिया गया है। काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और दर्शन को सुलभ बनाने के लिए स्पर्श दर्शन पर रोक लगा दी है। अब दूर से बैरिकेड के जरिए ही भक्त बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर पाएंगे। यह रोक शीतकालीन छुट्टियों में बढ़ती भीड़ की वजह से लगाई गई है।प्रशासन की तरफ से जारी जानकारी में कहा गया है कि मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की अप्रत्याशित भीड़ देखी जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुविधापूर्वक दर्शन के लिए प्रशासन की तरफ से कुछ निर्णय लिए गए हैं, जिन्हें 25 दिसंबर से लागू किया गया है। इसमें प्रोटोकॉल दर्शन पर अस्थायी रोक लगाने का फैसला लिया गया है। अब भक्त सुरक्षा में लगे बैरिकेड से ही बाबा विश्वनाथ के झांकी दर्शन करेंगे।उन्होंने भक्तों से अपील की है कि सभी मंदिर प्रशासन का सहयोग करें और बिना धक्का-मुक्की के आराम से दर्शन करें। मंदिर प्रशासन ने साफ कर दिया है कि दर्शन के लिए किसी विशेष प्रकार की सुविधा नहीं दी जाएगी। भीड़ को देखते हुए वीआईपी दर्शन पर भी रोक लगा दी गई है।प्रशासन की मानें तो साल के आखिरी दिन और नए साल के पहले दिन मंदिर में 6 लाख तक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। भक्तों की सुरक्षा के लिए प्रशासन और मंदिर समिति की तरफ से कई चेकिंग पाइंट्स भी बनाए गए हैं। वहीं, चेकिंग पाइंट्स बनाए गए हैं, जहां फुटफॉल काउंटर्स हैं, जिसकी सहायता से मंदिर में दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालुओं की गिनती होती रहे।परिसर के अंदर और बाहर भी सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई। हर तरह की परेशानी से निपटने के लिए सुरक्षाकर्मी मदद के लिए तैनात हैं।

सिंहावलोकन 2025: विजय रूपाणी से शिवराज पाटिल तक, इस साल ने छीन लिए कई राजनेता

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। साल 2025 भारतीय राजनीति के लिए किसी गहरे सदमे से कम नहीं रहा है। 12 महीनों में देश ने कई प्रमुख नेताओं को खोया है। इन दिग्गज नेताओं में विजय रूपाणी और शिबू सोरेन से लेकर शिवराज पाटिल तक शामिल रहे, जिन्होंने अपने-अपने दौर में राजनीति को दिशा दी और जनसेवा की एक मिसाल कायम की। इसी महीने 12 तारीख को कांग्रेस के सीनियर नेता और देश के पूर्व गृह मंत्री शिवराज पाटिल इस दुनिया को छोड़कर चले गए। वे लंबे समय से बीमार थे और 12 दिसंबर को महाराष्ट्र के लातूर स्थित आवास पर उनका निधन हो गया। शिवराज पाटिल ने 2004 से 2008 तक देश के गृह मंत्री के रूप में आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली। इससे पहले वे 1991 से 1996 तक लोकसभा अध्यक्ष रहे। इसके अलावा उन्होंने पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक जैसे अहम संवैधानिक पदों पर भी सेवाएं दीं। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में शिवराज पाटिल ने कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा में अहम भूमिका निभाई। दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार मल्होत्रा का 30 सितंबर को एम्स में निधन हुआ था। उन्होंने अपना जीवन दिल्लीवालों के लिए समर्पित किया। वे 1972 में दिल्ली प्रदेश जनसंघ बने और फिर दो बार भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष रहे।

अलग झारखंड राज्य के आंदोलन को दिशा देने वाले शिबू सोरेन का भी इसी साल निधन हुआ। वे आदिवासी समाज की आवाज बनकर उभरे। जनता के बीच 'गुरुजी' के नाम से प्रसिद्ध रहे शिबू सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की स्थापना की थी, जो वर्तमान में राज्य में सत्तारूढ़ है। 81 वर्ष की उम्र में शिबू सोरेन किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। 4 अगस्त को उन्होंने आखिरी सांस ली।अपने बेबाक बयानों और स्पष्ट विचारों के कारण चर्चा में रहे पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का 5 अगस्त को निधन हुआ। 79 वर्षीय सत्यपाल मलिक ने मेघालय, जम्मू-कश्मीर, गोवा, बिहार और ओडिशा जैसे राज्यों में राज्यपाल के रूप में सेवाएं दीं। अनुच्छेद 370 हटाए जाने के दौरान वे जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे।21 जुलाई को केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ वामपंथी नेता वीएस अच्युतानंदन का निधन हो गया। 101 वर्षीय अच्युतानंदन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे। वे 2006 में केरल के मुख्यमंत्री बने थे। इसके अलावा, उन्होंने कई बार विपक्ष के नेता के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी निभाई थी। भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी सख्त छवि और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर उनकी स्पष्ट राय उन्हें एक अलग पहचान दिलाती रही।वहीं, 12 जून को गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का निधन अहमदाबाद विमान हादसे में हुआ था। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने राज्य में विकास और प्रशासनिक सुधारों को गति देने के लिए कई अहम पहल की थीं।

पुलिस मुठभेड़ में दुष्कर्म का आरोपी घायल, पैर में गोली लगी

मथुरा, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में लिफ्ट देने के बहाने दुष्कर्म करने वाले शातिर अपराधी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। थाना कोतवाली पुलिस और एसओजी (एसओजी) की संयुक्त टीम ने गुरुवार तड़के यह कार्रवाई की। सीओ सिटी आशना चौधरी ने इस कार्रवाई की जानकारी दी। जानकारी के अनुसार यह मुठभंड़ केआर डिग्री कॉलेज के पास हुई।

कार्रवाई के बाद दुष्कर्म के आरोपी ओमप्रकाश को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। दरअसल, पुलिस को देखते ही आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में आर-ोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान ओमप्रकाश (34), पुत्र राधारमन, निवासी ग्राम जुल्हेदी, थाना गोवर्धन के रूप में हुई है। उस पर आरोप है कि उसने लिफ्ट देने के बहाने एक महिला के साथ दुष्कर्म की जघन्य वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी।गुरुवार सुबह करीब 4:45 बजे मुखबिर से सूचना मिलने पर एसओजी और कोतवाली पुलिस ने केआर डिग्री कॉलेज के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही आरोपी ने भागने की कोशिश की और खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।

बाक्सिंग डे टेस्ट में चार तेज गेंदबाज़ों के साथ उतरेगा आस्ट्रेलिया स्मिथ करेंगे कप्तानी

मेलबर्न,25 दिसंबर (एजेंसियां) ।

आस्ट्रेलियाई टीम बाक्सिंग डे टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ आल-पेस आक्रमण के साथ उतरने की तैयारी में है। स्टैंड-इन कप्तान स्टीव स्मिथ ने पुष्टि की है कि टीम चार विशेषज्ञ तेज गेंदबाज़ों के साथ खेलेगी हालांकि अंतिम एकादश पर फैसला मैच से पहले पिच देखने के बाद ही किया जाएगा।

स्मिथ ने बताया कि चयनकर्ता मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) की पिच को लेकर सतर्क हैं जिस पर लगभग 10 मिमी घास है और सतह काफी हरी और फरी' नजर आ रही है। ऐसे में ब्रेंडन डागेट माइकल नेसर और लंबे समय बाद टेस्ट टीम में लौटे झाय रिचर्डसन में से अंतिम दो स्थानों के लिए चयन किया जाएगा।

पैट कमिंस की अनुपस्थिति में कप्तानी संभाल रहे स्टीव स्मिथ खुद भी अंदरूनी कान (इनर-ईयर) की समस्या से उबरकर टीम में लौटे हैं। उनकी वापसी के चलते विकेटकीपर-बल्लेबाज़ जोश इंग्लिस को अंतिम एकादश से बाहर होना पड़ा। वहीं एडिलेड टेस्ट में 82 और 40 रन की पारियां खेलकर उस्मान ख्वाजा ने अपनी जगह बरकरार रखी है।

यह सीरीज में दूसरी बार होगा जब आस्ट्रेलिया चार तेज गेंदबाज़ों के साथ खेलेगा। इससे पहले ब्रिस्बेन में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में भी ऐसा किया गया था जहां माइकल नेसर ने दूसरी पारी में पांच विकेट लिए थे। यदि नेसर को मौका मिलता है तो यह उनका पहला रेड-बाल टेस्ट होगा क्योंकि उनके अब तक के तीनों टेस्ट पिंक-बाल से खेले गए हैं।

इस फैसले से विक्टोरियन स्पिनर टाड मर्फी का अपने घरेलू मैदान पर बाक्सिंग डे टेस्ट खेलने का सपना फिलहाल टल गया है। झाय रिचर्डसन चार साल बाद अपना पहला टेस्ट खेलने के करीब हैं।

स्मिथ ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के हवाले से कहा रिचर्डसन को फिर से टीम में देखना रोमांचक है। उन्होंने चोट के कारण लंबा समय बाहर बिताया है लेकिन हम जानते हैं कि उनमें कितनी काबिलियत है। उन्होंने पहले भी इंग्लैंड के खिलाफ ऐशेज में शानदार प्रदर्शन किया है। स्मिथ ने बताया कि क्रिसमस मार्निंग के अंतिम अभ्यास सत्र के बाद टीम ने 12 खिलाड़ियों का चयन कर लिया है।

उन्होंने कहा हम पिच को एक बार और देखना चाहते हैं। हम चार तेज गेंदबाज़ों और बिना किसी स्पिनर के खेलेंगे। मौसम भी ठंडा और बादलों वाला रहने की संभावना है जिससे तेज गेंदबाज़ों को काफी मदद मिलेगी।

बल्लेबाज़ी क्रम में स्मिथ की वापसी के कारण उस्मान ख्वाजा नंबर पांच पर उतरेंगे। ट्रैविस हेड और जेक वेदराल्ड की ओपनिंग जोड़ी को बरकरार रखा गया है खासकर पिछली टेस्ट में हेड के शतक के बाद। यह लगभग चार साल में पहली बार होगा जब ख्वाजा टेस्ट में नंबर पांच पर बल्लेबाज़ी करेंगे।

एलेक्स कैरी अपने शानदार प्रदर्शन (106 और 72 रन) के बाद नंबर छह पर बने रहेंगे जबकि आलराउंडर कैमरन ग्रीन नंबर सात पर खेलेंगे। ग्रीन ने अंतिम बल्लेबाज़ी स्थान के लिए जोश इंग्लिस को पीछे छोड़ा।

न्यूज ब्रीफ

आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के तिलक बुमराह को हुआ लाभ

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी)। की ताजा टी20 रैंकिंग में भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने तीसरा स्थान हासिल किया है। तिलक ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम मैच में 42 गेंदों में 73 रन की तेज पारी खेली थी जिसका लाभ उन्हें मिला है। तिलक ने श्रीलंका के पथुम निसांका को पीछे छोड़ते हुए 805 रेटिंग अंकों के साथ ही बल्लेबाजी रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल किया। अभिषेक शर्मा बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं जबकि इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट दूसरे स्थान पर खिसक गये हैं। वहीं भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 10 स्थान की छलांग लगाकर 18वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बुमराह के अब 622 रेटिंग अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज के अंतिम मुकाबले में बुमराह ने 2 विकेट लिए थे। वहीं दक्षिण् अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस भी भारत के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन से मिला। पांच पायदान ऊपर आकर शीर्ष-10 बल्लेबाजों में पहुंच गये हैं। भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में सबसे अधिक 10 विकेट लेकर गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर बने हुए हैं। वरुण के 804 रेटिंग अंक हैं जबकि दूसरे नंबर पर मौजूद न्यूजीलैंड के जैकब डफी के 699 अंक हैं और वरुव उनसे काफी आगे हैं। से काफी आगे बने हुए हैं। वहीं 805 रेटिंग पाइंट्स के साथ तिलक वर्मा तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। वहीं टेस्ट रैंकिंग की बात करें तो आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाड़ी ऊपर आये हैं। इसका कारण एशेज सीरीज में आस्ट्रेलिया की 3-0 से अजेय बढ़त हैं। वहीं न्यूजीलैंड टीम ने भी और वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में जीत हासिल की है। न्यूजीलैंड के शानदार प्रदर्शन का असर रैंकिंग में साफ नजर आया है। एडिलेड टेस्ट में 170 रनों की शतकीय पारी के साथ ही आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड चार स्थान की छलांग लगाकर 815 रेटिंग अंकों के साथ ही संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

थरुर बोले वैभव में नजर आती है सचिन जैसी असाधारण प्रतिभा चयनकर्ता उन्हें अवसर दें

मुम्बई। 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 विश्वकप फाइनल में तो असफल रहे पर बिहार की ओर से विजय हजारे ट्राफी के अपने पहले ही मैच में उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ आक्रामक शतकीय पारी खेलकर सभी को प्रभावित किया है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी वैभव की प्रशंसा करते हुए उनकी तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से की है। वैभव की इस पारी की कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी जमकर प्रशंसा कह है। थरुर ने वैभव की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि इससे पहले जब 14 साल की उम्र में ऐसी असाधारण प्रतिभा सामने आयी थी तो वह सचिन तेंदुलकर थे। वहीं अब लगता है वैभव भी वैसे ही हैं। ऐसे में चयनकर्ता को उन्हें अवसर देना चाहिये। हालांकि अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ रन बनाने में विफल होने के बाद कहा जा रहा था कि वह वैभव मानसिक रुप से मजबूत नहीं है पर अब अपनी पारी से उन्होंने इस बात को गलत साबित किया है। वैभव ने साफ कर दिया कि एक मैच में विफल रहने से उनका मनोबल कम नहीं हुआ है। उन्होंने बेहद परिपक्वता शानदार टाइमिंग और ताकत के साथ सीनियर गेंदबाज़ों के खिलाफ भी अच्छी बल्लेबाजी की।

जोकोविच की नजरें आस्ट्रेलियाई ओपन पर लगीं

माल्टा। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच की नजरें अब अगले साल होने वाले आस्ट्रेलियन ओपन पर लगी हैं। इसमें वह रिकार्ड 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने उतरेंगे। इससे पहले वह एडिलेड इंटरनेशनल में उतरकर अपनी तैयारियों की समीक्षा करेंगे। इसी को देखते हुए जोकोविच ने नये ट्रेनिंग पार्टनर फ्रांस के आर्थर काजाक्स के साथ अभ्यास शुरु कर दिया है। इससे काजाक्स बेहद उत्साहित हैं। इस युवा खिलाड़ी ने लिखा तीन शानदार दिन ट्रेनिंग सीखने और एक महान खिलाड़ी के साथ अनुभव साझा करने का अवसर मिला। बहुत आभारी हूं। काजाक्स ने साल 2025 में अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 58 हासिल की। उन्होंने एटीपी फाइनल में खेलते हुए कई बड़े खिलाड़ियों को हराया और ग्रैंड स्लैम स्तर पर आस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन में दो जीत दर्ज की। इस प्रदर्शन से प्रभावित होकर ही जोकोविच ने उन्हें ट्रेनिंग पार्टनर बनाया है। इस साझेदारी से दोनों खिलाड़ियों को लाभ हो रहा है। जहां जोकोविच एक युवा से खेलकर इससे अपने खेल को और बेहतर बना रहे हैं। वहीं काजाक्स को एक शीर्ष खिलाड़ी से खेलने के कारण सीखने का मिल रहा है।

वर्ष 2026 में व्यस्त रहेगा भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का कैलेंडर सामने होंगी बड़ी चुनौतियां

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसियां) ।

उतार-चढ़ाव भरे 2025 के बाद भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के सामने 2026 में बेहद व्यस्त कार्यक्रम रहने वाला है। इस साल की सबसे बड़ी खासियत घरेलू परिस्थितियों में होने वाले टी20 विश्व कप का खिताब बचाने की चुनौती बड़ी संख्या में वनडे मुकाबले और विदेशी धरती पर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की कठिन परीक्षाएं होंगी।

साल 2025 भारत के लिए यादगार रहा। दुबई में खेले गए चैंपियंस ट्राफी में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता जिसमें चार स्पिनरों की रणनीति काफी सफल रही। टी20 अंतरराष्ट्रीय में भी भारत की प्रगति जारी रही और टीम ने घरेलू व विदेशी दौरों पर द्विपक्षीय सीरीज के साथ एशिया कप में भी जीत दर्ज की हालांकि अभी तक टी20 विश्व कप की ट्राफी हाथ में नहीं आई।

टेस्ट क्रिकेट में भारत का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। सिडनी में आस्ट्रेलिया से मिली हार के साथ ही भारत को बार्डर-गावस्कर ट्राफी सीरीज में 3-1 से हार झेलनी पड़ी और डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी खत्म हो गईं। इसी दौरान विराट कोहली रोहित शर्मा और चेतेश्वर पुजारा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया जिससे टीम में बड़े बदलाव की शुरुआत हुई।

शुभमन गिल को नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया और बाद में उन्होंने वनडे टीम की भी कमान संभाली। इंग्लैंड में 2-2 से ड्रा रही सीरीज के बाद भारत ने घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज को 2-0 से हराया। हालांकि न्यूजीलैंड से मिली 3-0 की हार की यादें तब फिर ताजा हो गईं जब दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 2-0 से पराजित किया। टेस्ट टीम में बल्लेबाजी क्रम अब भी स्थिर नहीं है और लगातार प्रयोगों के कारण भूमिका स्पष्टता व दीर्घकालिक योजना पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

2026 में भारत का ध्यान सबसे ज्यादा टी20 क्रिकेट पर रहेगा जबकि टी20 विश्व कप के बाद वनडे प्रारूप पर फोकस बढ़ेगा। साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड की टीम तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए भारत दौरे पर आएगी। इसके बाद 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका की मेजबानी में टी20 विश्व कप खेला जाएगा।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत इस टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतरेगा। मौजूदा फार्म और खिलाड़ियों की उपलब्धता को देखते हुए टीम इंडिया के पास खिताब बचाने का सुनहरा मौका होगा। अगर भारत ऐसा करने में सफल रहता है तो वह घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बनेगा और कुल तीन खिताब जीतने वाली इकलौती टीम भी।

टी20 विश्व कप और आईपीएल 2026 के बाद जून में अफगानिस्तान की टीम एक टेस्ट (डब्ल्यूटीसी चक्र से बाहर) और तीन वनडे खेलने भारत आएगी। इसके बाद जुलाई में भारत इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की सफेद गेंद की सीरीज खेलेगा।

डब्ल्यूटीसी 2026 के तहत भारत की टेस्ट चुनौतियां अगस्त में श्रीलंका दौरे से शुरू होंगी जहां दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। यह दौरा खास तौर पर अहम होगा क्योंकि स्पिन-अनुकूल पिचों पर स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ भारत का प्रदर्शन अब तक चिंता का विषय रहा है।

सितंबर में यूएई में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज संभावित है। बांग्लादेश दौरे को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है क्योंकि वहां की मौजूदा परिस्थितियों के चलते यह दौरा टल सकता है। इसके अलावा 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों के टी20 मुकाबलों में भारत की दूसरी पंक्ति की टीम हिस्सा ले सकती है।

भारत का घरेलू सत्र सितंबर-अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वनडे और पांच टी20 मैचों से शुरू होगा। इसके बाद अक्टूबर-नवंबर में टीम न्यूजीलैंड के कठिन विदेशी दौरे पर जाएगी जहां दो टेस्ट तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेले जाएंगे।

साल के अंत में दिसंबर में भारत श्रीलंका की मेजबानी करेगा जहां तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेले जाएंगे। यह सीरीज 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से अहम मानी जा रही है।

तीनों प्रारूपों में लगातार व्यस्त कार्यक्रम के बीच भारतीय खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन के लिए कार्यभार प्रबंधन बेहद अहम रहेगा ताकि टीम विभिन्न द्विपक्षीय सीरीज और बड़े टूर्नामेंटों में ट्राफी जीतने के लक्ष्य के साथ लगातार बेहतर प्रदर्शन कर सके।

ब्रूनो फर्नांडिस न्यूकैसल के खिलाफ मुकाबले से बाहर अमोरिम ने की पुष्टि

मैनचेस्टर,25 दिसंबर (एजेंसियां) ।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर रूबेन अमोरिम ने पुष्टि की है कि टीम के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस और युवा मिडफील्डर कोबी मैनू शुक्रवार को न्यूकैसल यूनाइटेड के खिलाफ होने वाले प्रीमियर लीग मुकाबले में उपलब्ध नहीं होंगे। हालांकि अमोरिम ने दोनों खिलाड़ियों की चोट को लेकर ज्यादा चिंता की बात नहीं बताई।

ब्रूनो फर्नांडिस को एस्टन विला के खिलाफ रविवार को मिली हार के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। मैच के दौरान वह दर्द में नजर आए थे और साफ्ट टिश्यू इंजरी के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। उस समय अमोरिम ने आशंका जताई थी कि उनके कप्तान को कुछ समय के लिए बाहर रहना पड़ सकता है।

हालांकि बाक्सिंग डे से पहले होने वाले प्रीमियर लीग के एकमात्र मुकाबले से पूर्व अमोरिम ने फर्नांडिस और कोबी मैनू की चोट को लेकर अपने रुख में नरमी दिखाई। मैनू को पिंडली (काफ) में चोट लगी थी जिसके चलते वह एस्टन विला के खिलाफ मैच नहीं खेल पाए थे।

मीडिया से बात करते हुए अमोरिम ने कहा इस मैच के लिए नहीं। दोनों रिकवरी कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि इसमें ज्यादा समय लगेगा। कोबी ब्रूनो से पहले वापसी कर सकता है। जब उनसे ब्रूनो फर्नांडिस की वापसी को लेकर संभावित समयसीमा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा मैं कोई निश्चित समय नहीं बताना चाहता। मेरे दिमाग में एक अंदाजा है लेकिन देखते हैं। 31 वर्षीय पुर्तगाली मिडफील्डर इस सीजन प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए हर मैच में शुरुआती एकादश का हिस्सा रहे हैं और वह लीग के सबसे रचनात्मक खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने अब तक 51 मौके बनाए हैं जबकि मैनचेस्टर सिटी के जेरेमी डोकू 40 से भी कम मौके बना पाए हैं। यूनाइटेड ने उन सात मैचों में से छह गंवाए हैं और एक ड्रा खेला है जिनमें ब्रूनो फर्नांडिस ने शुरुआत नहीं की। अमोरिम ने कहा अगर इसमें कोई सकारात्मक बात है तो वह यह कि अब बाकी खिलाड़ियों को आगे आना होगा और यह समझना होगा कि हम हर चीज के लिए सिर्फ एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रह सकते। मुझे भरोसा है कि हम किसी भी मुकाबले को जीत सकते हैं।

नेहरू स्टेडियम में फुटबाल का महाकुंभ 28 से तैयारियां जोरों पर

इंदौर। इंदौर के खेल गलियारों में एक बार फिर फुटबाल की धमक सुनाई देगी। सेन्ट्रल जीमखाना क्लब की मेजबानी में प्रकाश सोनकर व सुरेश ऐरन स्मृति अखिल भारतीय मोयरा गोल्ड कप फुटबाल स्पर्धा का आयोजन 28 दिसंबर से 11 जनवरी तक नेहरू स्टेडियम में किया जा रहा है। इस भव्य आयोजन की तैयारियां अब अपने अंतिम चरण में हैं जिसे लेकर शहर के फुटबाल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह व्याप्त है। खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय अनुभव देने के लिए नेहरू स्टेडियम के मैदान को जमना सिलावट के निर्देशन में ग्रीन कारपेट की तरह तैयार किया जा रहा है। मैदान की घास और मिट्टी को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संवारा गया है। दर्शकों की भारी भीड़ को देखते हुए स्टेडियम में अत्याधुनिक अस्थाई गैलरियों का निर्माण कार्य भी युद्धस्तर पर जारी है। हाल ही में विधायक महेन्द्र हार्डिया रमेश मूलचंदानी संजय लुणावत और एमआईसी सदस्य नंदकिशोर पाहड़िया सहित शहर की प्रमुख हस्तियों ने आयोजन स्थल पर भूमि पूजन कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान मनीष शर्मा हुकूम सोनी और राजेन्द्र बड़ेरिया जैसे कई गणमान्य जन मौजूद रहे जिन्होंने इस स्पर्धा को इंदौर की खेल परंपरा के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया।

सिंधु बनीं बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन काउंसिल की भी होंगी सदस्य

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसियां) ।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय शटलर पी.वी. सिंधु को 2026-29 कार्यकाल के लिए बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) की एथलीट्स कमीशन का चेयरपर्सन चुना गया है। इस भूमिका के साथ ही सिंधु बीडब्ल्यूएफ काउंसिल की सदस्य के रूप में भी सेवाएं देंगी जिससे विश्व बैडमिंटन की नीतियों और प्रशासन में खिलाड़ियों की आवाज और मजबूत होगी।

इसके अलावा हांगकांग चीन के चान हो यूएन डैनियल को पैरा बैडमिंटन एथलीट्स कमीशन का चेयर चुना गया है।

सिंधु वर्ष 2017 से बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की सदस्य रही हैं और 2020 से बीडब्ल्यूएफ इंटीग्रिटी एंबेसडर की भूमिका भी निभा रही हैं। 2019 की विश्व चैंपियन सिंधु अपने लंबे अनुभव और प्रभावशाली व्यक्तित्व के साथ इस अहम जिम्मेदारी को संभालेंगी।

इस मौके पर सिंधु ने कहा

मैं इस भूमिका को गहरी जिम्मेदारी और उद्देश्य के साथ स्वीकार करती हूं। एथलीट्स कमीशन की चेयर के रूप में मेरा फोकस यह सुनिश्चित करना होगा कि खिलाड़ियों की आवाज हर स्तर पर साफ निरंतर और सम्मान के साथ सुनी जाए। मैं इस भूमिका को खिलाड़ियों और प्रशासन के बीच एक सेतु के रूप में देखती हूं। साथी खिलाड़ियों द्वारा मुझ पर जताया गया भरोसा मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं पूर्व चेयर ग्रेसिया पोली को उनके शानदार कार्य के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं।

सिंधु की डिप्टी चेयर नीदरलैंड्स की डेबोरा जिले होंगी। दक्षिण कोरिया की एन से यंग मिस्त्र की दोहा हानी और चीन की जिया यी फैन भी कमीशन की अन्य खिलाड़ी प्रतिनिधि हैं।

पैरा बैडमिंटन में चान हो यूएन डैनियल ने इस साल की शुरुआत में अंतरिम चेयर के रूप में कार्य किया था और अब वह इस भूमिका को पूर्णकालिक रूप से निभाएंगे। दो बार के पैरालंपियन रह चुके खिलाड़ी चान ने कहा

बीडब्ल्यूएफ पैरा एथलीट्स कमीशन का चेयर चुना जाना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। यह न केवल मेरी व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि दुनिया भर के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों की मेहनत और प्रगति की पहचान भी है।

डेनमार्क की कैथरीन रोसेनग्रेन उनकी डिप्टी होंगी। अमेरिका की एमी बर्नेट फ्रांस के गुइयोम गैली भारत के अबू हुबैदा और मिस्त्र के तारेक अब्बास घरीब ज़हरी कमीशन के अन्य सदस्य हैं।

इस बीच ईरान की सोराया अगाएई हाजी आगा जो टोक्यो 2020 ओलंपिक में ईरान का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली महिला बैडमिंटन खिलाड़ी थीं को हाल ही में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की एथलीट्स कमीशन के पांच नए सदस्यों में शामिल किया गया है।

लिवरपूल के खिलाफ रेड कार्ड के बाद टॉटेनहम कप्तान रोमेरो पर लग सकता है लंबा प्रतिबंध

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसियां) ।

टाटेनहम हाटस्पर के कप्तान क्रिस्टियन रोमेरो पर लिवरपूल के खिलाफ मैच में रेड कार्ड मिलने के बाद लंबा प्रतिबंध लग सकता है। इंग्लैंड की फुटबाल एसोसिएशन (एफए) ने उन पर मैदान छोड़ने में देरी करने और रेफरी के प्रति आक्रामक' रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए औपचारिक चार्ज लगाया है।

पिछले शनिवार को खेले गए प्रीमियर लीग मुकाबले में टाटेनहम को लिवरपूल के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में रोमेरो को लिवरपूल डिफेंडर इब्राहिमा कोनाटे को किक मारने के लिए दूसरा येलो कार्ड दिखाया गया जिसके बाद रेफरी जान ब्रूक्स ने उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया।

रोमेरो के आउट होने से स्पर्स की स्थिति और खराब हो गई क्योंकि इससे पहले ही पहले हाफ में ज़ावी सिमंस को गंभीर फाउल प्ले के लिए रेड कार्ड दिखाया जा चुका था और टीम नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रही थी।

अर्जेंटीना के सेंटर-बैक रोमेरो को इससे पहले लिवरपूल के दूसरे गोल के दौरान ह्यूगो एकितीके द्वारा कथित धक्का दिए जाने पर विरोध जताने के लिए येलो कार्ड मिला था। नियमों के अनुसार एक ही मैच में दो येलो कार्ड मिलने पर वह स्वतः ही रेड कार्ड में बदल जाता है।

रेड कार्ड के चलते रोमेरो पर फिलहाल एक मैच का स्वचालित प्रतिबंध लग चुका है जिसके कारण वह रविवार को क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ होने वाले लंदन डर्बी में नहीं खेल पाएंगे। हालांकि एफए के आरोपों में दोषी पाए जाने पर उन पर अतिरिक्त सजा और लंबा प्रतिबंध भी लगाया जा सकता है। रोमेरो को 2 जनवरी तक इस आरोप का जवाब देना होगा।

आने वाले दिनों में टाटेनहम का कार्यक्रम भी काफी व्यस्त है। टीम 01 जनवरी को ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ खेलेगी 4 जनवरी को संडरलैंड की मेजबानी करेगी और इसके तीन दिन बाद बार्नमाउथ का दौरा करेगी।

एफए के बयान में कहा गया यह आरोप है कि रोमेरो ने 93वें मिनट में रेड कार्ड मिलने के बाद तुरंत मैदान नहीं छोड़ा और/या मैच रेफरी के प्रति टकरावपूर्ण अथवा आक्रामक व्यवहार किया।

इस सीजन प्रीमियर लीग में रोमेरो पहले ही सात येलो कार्ड प्राप्त कर चुके हैं। वहीं टाटेनहम के मुख्य कोच थामस फ्रैंक ने रेफरी जान ब्रूक्स पर गंभीर आरोप लगाए हैं। फ्रैंक का कहना है कि रेफरी ने अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन नहीं किया। फ्रैंक ने कहा मैदान पर जान ब्रूक्स से बड़ी गलती हुई। एकितीके ने साफ तौर पर दो हाथों से धक्का दिया। मुझे समझ नहीं आता कि उन्होंने यह कैसे नहीं देखा। वीएआर का होना इसलिए है कि ऐसी गलतियां सुधारी जाएं लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा अगर उस दूसरे गोल से पहले रेफरी ने अपना काम ठीक से किया होता तो रोमेरो को पहला येलो कार्ड ही नहीं मिलता। मेरे पास एक बेहद जुनूनी खिलाड़ी है और ऐसे खिलाड़ियों के साथ कभी-कभी सीमा तक जाना पड़ता है। इस हार के बाद टाटेनहम अंक तालिका में 14वें स्थान पर खिसक गया है जिससे जून में एंजे पोस्टेकोग्लू के जाने के बाद टीम की कमान संभालने वाले थामस फ्रैंक पर दबाव और बढ़ गया है।

रिलायंस ने फिर शुरू किया रूसी कच्चे तेल का आयात

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने एक बार फिर रूस से कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) का आयात शुरू कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी गुजरात के जामनगर स्थित अपनी विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी के लिए रूसी तेल की खरीदारी कर रही है।

पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच रिलायंस ने बदली रणनीति, घरेलू यूनिट में ही होगा रूसी तेल का इस्तेमाल

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के चलते भारतीय कंपनियां सतर्क रुख अपनाए हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिका ने रिलायंस को रूस की सरकारी तेल कंपनी रोजनेफ्ट से कच्चा तेल खरीदने के लिए एक महीने की अस्थायी छूट दी है। इससे पहले अक्टूबर में अमेरिका ने रोजनेफ्ट और लुकोइल जैसी रूसी कंपनियों पर सख्त प्रतिबंध लगाए थे और विदेशी कंपनियों को पुराने सौदे निपटाने के लिए सीमित समय दिया गया था। इस छूट के बाद नवंबर के अंतिम सप्ताह से अब तक करीब 15 रूसी जहाज जामनगर पहुंच चुके हैं।

रिलायंस के जामनगर कॉम्प्लेक्स में दो रिफाइनरियां हैं- एक एक्सपोर्ट के लिए सेज यूनिट और दूसरी घरेलू बाजार के लिए डीटीए यूनिट। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि रूसी कच्चे तेल को केवल घरेलू रिफाइनरी में ही प्रोसेस किया जाएगा। इससे यूरोप और अमेरिका के उन नियमों का उल्लंघन नहीं होगा, जो रूसी तेल से बने ईंधन के आयात पर रोक लगाते हैं। यूरोपीय संघ ने घोषणा की है कि जनवरी 2026 से वह उन रिफाइनरियों से ईंधन नहीं खरीदेगा, जिन्होंने हाल के महीनों में रूसी तेल का उपयोग किया हो।

इसी वजह से रिलायंस ने अपनी एक्सपोर्ट यूनिट को पूरी तरह रूस-मुक्त कर दिया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद भारत को रूसी तेल रियायती दरों पर मिल रहा है। इसी लाभ को बनाए रखने के लिए रिलायंस ने यह संतुलित रणनीति अपनाई है। साथ ही जरूरत पड़ने पर कंपनी ने इराक, कुवैत और सऊदी अरब जैसे देशों से तेल आयात भी बढ़ाया है, ताकि सप्लाई पर कोई असर न पड़े।

न्यूज ब्रीफ

पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट स्कीम एक भरोसेमंद विकल्प

नई दिल्ली। वर्तमान समय में जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ गया है, निवेशक ऐसे विकल्प खोज रहे हैं जहां पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहे। इस मामले में पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट स्कीम एक भरोसेमंद विकल्प साबित हो रही है। यह योजना पूरी तरह सरकार द्वारा समर्थित है, जिससे निवेशक को किसी तरह का मार्केट रिस्क नहीं उठाना पड़ता। इस योजना में निवेशक अपनी जरूरत के अनुसार खाता 1 साल, 2 साल, 3 साल या 5 साल के लिए खोल सकते हैं। जिसमें एक साल में 6.9 फीसदी, दो साल में 7 फीसदी, तीन साल में 7.1 फीसदी और पांच साल में 7.5 फीसदी ब्याज मिलता है। सबसे अधिक लोकप्रिय विकल्प 5 साल की योजना है, क्योंकि इसमें रिटर्न ज्यादा होता है और मैच्योरिटी पर बेहतर रकम मिलती है। जैसे अगर कोई निवेशक 5 साल के लिए 4.5 लाख जमा करता है, तो 7.5 फीसदी सालाना ब्याज के हिसाब से मैच्योरिटी पर उसे लगभग 6,52,477 मिलेंगे। यानी सिर्फ ब्याज से करीब 2 लाख की कमाई संभव है। 5 साल की योजना में निवेश पर आयकर के तहत सेक्शन 80सी के अनुसार टैक्स छूट भी मिलती है। खाता सिंगल या ज्वाइंट खोल सकते हैं, न्यूनतम राशि 1,000 रुपए है और अधिकतम राशि की कोई सीमा नहीं। यह योजना उन निवेशकों के लिए आदर्श है जो रिस्क से दूर रहना, पैसा सुरक्षित रखना और तय समय पर सुनिश्चित रिटर्न पाना चाहते हैं।

रियलमी 16 प्रो सीरीज नए इमेजिंग अनुभव के साथ जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली। चाइनीज कंपनी रियलमी द्वारा रियलमी 16 प्रो सीरीज को पेश किया जा रहा है, जिसमें 200 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा दिया गया है। यह कैमरा सैमसंग के एचपी5 सेंसर से लैस है और इसे खासतौर पर रियल-वर्ल्ड फोटोग्राफी में बेहतर क्लैरिटी, गहराई और नैचुरल कलर देने के लिए डिजाइन किया गया है। इस हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे के साथ 3.5एक्स पेरिस्कोप लेंस जोड़ा गया है, जो एक फ्लेक्सिबल फुल-फोकल पोर्ट्रेट सिस्टम तैयार करता है। इससे वाइड शॉट्स से लेकर क्लोज-अप और स्टेज फोटोग्राफी तक हर फ्रेम में संतुलन और रियलिज्म बना रहता है। इमेज क्वालिटी को और बेहतर बनाने के लिए रियलमी की नई लूमाकलर इमेज टेक्नोलॉजी को शामिल किया गया है, जो लाइट और कलर को एक साथ प्रोसेस कर नेचुरल स्किन टोन और गहराई का एहसास देती है। इसके साथ एआई आधारित फीचर्स फोटोग्राफी और वीडियो को और आसान बनाते हैं। एआई टूल्स न सिर्फ तस्वीरों की डिटेल सुधारते हैं, बल्कि सोशल मीडिया के लिए रेडी कंटेंट तैयार करने में भी मदद करते हैं।

साल 2025 बिटकॉइन के लिए मिला-जुला रहा, व्हेल्स की भारी बिकवाली से दबाव बढ़ा

नई दिल्ली। साल 2025 बिटकॉइन (बीटीसी) के लिए मिला-जुला रहा। इस साल बिटकॉइन ने कई नई ऊंचाइयां छुईं लेकिन कीमतें अस्थिर रहीं। एक ऑन-चेन विश्लेषक के अनुसार पिछले 12 महीनों में बड़े निवेशकों यानी व्हेल्स ने 1,61,294 बिटकॉइन बेचे, जिसकी कीमत लगभग 15 अरब डॉलर है। उनका कहना है कि इस तरह की बिकवाली आमतौर पर बाजार में गिरावट के पहले या दौरान होती है, न कि पहले से गिर चुकी कीमतों पर। व्हेल्स की भारी बिकवाली के कारण बिटकॉइन की कीमत में कई बार अचानक गिरावट देखी गई। फिलहाल यह 87,000 डॉलर के नीचे कारोबार कर रहा है। निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है क्योंकि बाजार में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। सभी बड़े निवेशक बिकवाली नहीं कर रहे हैं। मध्यम आकार के निवेशक, जिन्हें शार्क कहा जाता है, पूरे साल शुद्ध खरीदार रहे। शार्क्स की खरीदारी ने व्हेल्स के दबाव को कुछ हद तक कम किया और संकेत दिया कि बाजार का प्रभाव धीरे-धीरे छोटे और मध्यम निवेशकों की ओर बढ़ रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर व्हेल्स की बिकवाली का सिलसिला साल 2026 में भी जारी रहा, तो बिटकॉइन के लिए टिकाऊ रिकवरी मुश्किल हो सकती है। इसका मतलब है कि अगले साल भी कीमतों में गिरावट का खतरा बना रह सकता है और तेजी के रुझान कमजोर हो सकते हैं।

62 प्रतिशत कर्मचारी रोजमर्रा के काम में कर रहे एआई का प्रयोग

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल के मामले में तेजी से दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हो रहा है। देश में 62 प्रतिशत कर्मचारी अपने रोजमर्रा के काम में जेनरेटिव एआई का नियमित उपयोग कर रहे हैं। 'ईवाई 2025 वर्क रीइमेजिन्ड सर्वे' के मुताबिक, भारत में एआई केवल एक तकनीकी ट्रेंड नहीं, बल्कि वर्क कल्चर का अहम हिस्सा बन चुका है। सर्वे में शामिल 90 प्रतिशत कंपनियों और 86 प्रतिशत कर्मचारियों का मानना है कि एआई के इस्तेमाल से काम की उत्पादकता में साफ तौर पर बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, एआई की मदद से न सिर्फ काम तेजी से पूरा हो रहा है, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया भी ज्यादा प्रभावी बन रही है। करीब 75 प्रतिशत कर्मचारी और 72 प्रतिशत कंपनियां मानती हैं कि जेनएआई बेहतर फैसले लेने में मदद करता है। वहीं, 82 प्रतिशत कर्मचारियों और 92 प्रतिशत कंपनियों का कहना है कि एआई के इस्तेमाल से काम की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। यह आंकड़े दिखाते हैं कि भारत में एआई को सिर्फ ऑटोमेशन टूल नहीं, बल्कि वैल्यू क्रिएशन के साधन के तौर पर अपनाया जा रहा है। सर्वे में भारत का 'एआई एडवांटेज स्कोर' 53 दर्ज किया गया है, जो वैश्विक औसत 34 से काफी अधिक है। यह स्कोर इस बात को दर्शाता है कि एआई की वजह से कर्मचारियों का कितना समय बच रहा है और उनके काम करने का तरीका कितना आसान और प्रभावी हुआ है। रिपोर्ट का छठा संस्करण 29 देशों के 15,000 कर्मचारियों और 1,500 कंपनियों से मिले आंकड़ों पर आधारित है। भारत में इस दौरान 800 कर्मचारियों और 50 कंपनियों से फीडबैक लिया गया। रिपोर्ट में भारत का टैलेंट हेल्थ स्कोर 82 रहा, जो सभी देशों में सबसे ऊंचा है। इसका मतलब है कि भारतीय कर्मचारी अपने कार्य वातावरण, वेतन, करियर ग्रोथ और सीखने के अवसरों से काफी संतुष्ट हैं। तुलना करें तो वैश्विक स्तर पर टैलेंट हेल्थ स्कोर का औसत 65 है। इसके अलावा, 94 प्रतिशत कंपनियां और 89 प्रतिशत कर्मचारी मानते हैं कि भारत में एआई का इस्तेमाल जिम्मेदारी और सही तरीके से किया जा रहा है, जिससे तकनीक पर भरोसा बढ़ा है। हालांकि रिपोर्ट यह भी बताती है कि स्किलिंग के मोर्चे पर अभी सुधार की गुंजाइश है।

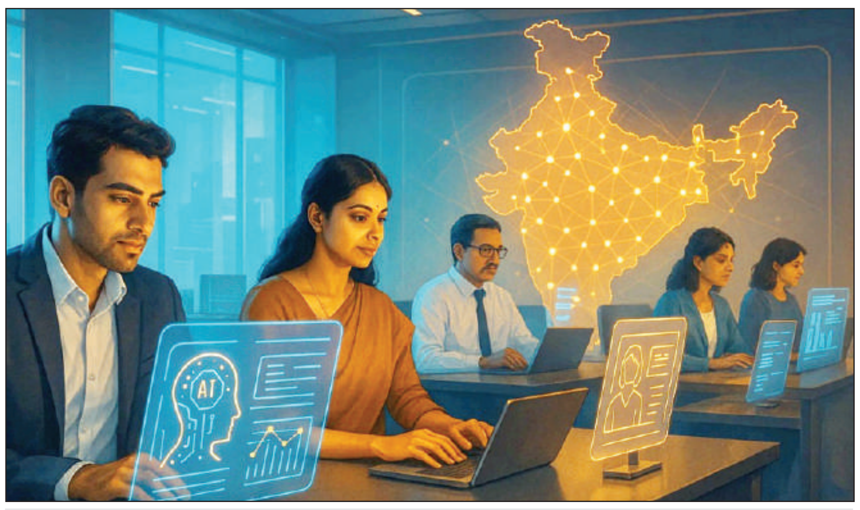

नए साल में होगी बीएमडब्ल्यू बाइक्स की कीमतों में होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। बीएमडब्ल्यू मोटोराड इंडिया ने ऐलान किया है कि 1 जनवरी 2026 से भारत में बिकने वाली सभी बीएमडब्ल्यू मोटरसाइकिलों की कीमतों में 6 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की जाएगी। कंपनी के मुताबिक, कीमतों में बढ़ोतरी का फैसला मौजूदा आर्थिक हालात को देखते हुए लिया गया है। यह बढ़ोतरी कंपनी के पूरे पोर्टफोलियो पर लागू होगी, यानी एंट्री-लेवल से लेकर प्रीमियम और सुपरबाइक सेगमेंट तक सभी मॉडल्स महंगे हो जाएंगे। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने बताया कि विदेशी मुद्रा में लगातार उतार-चढ़ाव और इनपुट कॉस्ट बढ़ने का सीधा असर प्रोडक्शन और लॉजिस्टिक्स खर्च पर पड़ा है। पिछले कुछ महीनों में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर और यूरो के मुकाबले कमजोर हुआ है, जिससे आयातित कच्चे माल और कंपोनेंट्स की लागत बढ़ गई। ऐसे में कीमतों में संशोधन करना कंपनी के लिए जरूरी हो गया। भारत में बीएमडब्ल्यू मोटोराड का पोर्टफोलियो काफी बड़ा है, जिसमें लोकली मैन्युफैक्चर और पूरी तरह इम्पोर्टेड दोनों तरह की मोटरसाइकिलें शामिल हैं। 'मेड इन इंडिया' मॉडल्स में बीएमडब्ल्यू जी 310 आर और इलेक्ट्रिक स्कूटर बीएमडब्ल्यू सीई 02 शामिल हैं। वहीं, प्रीमियम और हाई-परफॉर्मेंस सेगमेंट की ज्यादातर बाइक्स सीबीयू के तौर पर आती हैं। इनमें बीएमडब्ल्यू एफ 900 जीएस, एफ 900 जीएसए, आर 1300 जीएस, आर 1300 जीएसए, एस 1000 आरआर, एस 1000 आर और एम 1000 आरआर जैसे मॉडल्स शामिल हैं। इसके अलावा बीएमडब्ल्यू के क्रूजर और टूरिंग सेगमेंट में आर 18 ट्रांसकॉन्टीनेंटल, आर 12, आर 12 नाइनटी, आर 1250 आरटी और के 1600 सीरीज जैसी लग्जरी मोटरसाइकिलें भी भारतीय बाजार में उपलब्ध हैं। कीमतें बढ़ने के बावजूद कंपनी ने साफ किया है कि ग्राहकों के लिए फाइनेंस ऑप्शंस पहले की तरह जारी रहेंगे। बीएमडब्ल्यू फाइनेंसियल सर्विसेस की ओर से कस्टमाइज्ड फाइनेंस प्लान, आकर्षक ईएमआई, कुछ मॉडल्स पर कम ब्याज दर और फ्लेक्सिबल टर्म ऑप्शन मिलते रहेंगे।

इलेक्ट्रिक वर्जन टाटा सिएरा ईवी की तैयारी में जुटी टाटा मोटर्स

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसियां)। हाल ही में भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स ने अपनी बहुप्रतीक्षित सिएरा एसयूवी को लॉन्च किया है। अब इसी लाइनअप को आगे बढ़ाते हुए कंपनी इसके इलेक्ट्रिक वर्जन टाटा सिएरा ईवी की तैयारी में जुट गई है। सिएरा ईवी को भारतीय सड़कों पर टेस्टिंग के दौरान देखा गया है, जिससे इसके डिजाइन और मैकेनिकल बदलावों की झलक सामने आई है। यह मॉडल टाटा मोटर्स की सस्टेनेबल मोबिलिटी रणनीति का एक अहम हिस्सा माना जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाटा सिएरा ईवी में बैटरी पैक के विकल्प हैरियर ईवी से लिए जा सकते हैं। इसमें 65केडब्ल्यूएच और 75केडब्ल्यूएच की बैटरी कॉन्फिगरेशन मिलने की संभावना है। साथ ही, टू-व्हील ड्राइव और ऑल-व्हील ड्राइव दोनों विकल्प पेश किए जा सकते हैं। हालांकि, सिएरा ईवी की पावर को हैरियर ईवी से थोड़ा कम रखा जा सकता है, ताकि दोनों मॉडलों के बीच स्पष्ट अंतर बना रहे और बेहतर ड्राइविंग रेंज पर फोकस किया जा सके।

स्पाई शॉट्स में सिएरा ईवी की इलेक्ट्रिक पहचान साफ नजर आती है, जिसमें एग्जॉस्ट पाइप की गैरमौजूदगी प्रमुख संकेत है। सबसे बड़ा बदलाव इसके इंडिपेंडेंट रियर सस्पेंशन सेटअप को माना जा रहा है, जो इस सेगमेंट में आम बीम एक्सल की तुलना में ज्यादा एडवांस है। इससे ड्राइविंग स्टेबिलिटी, कम्फर्ट और हैंडलिंग में सुधार होने की उम्मीद है। इंटीरियर की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि इसमें टाटा के इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो के अनुरूप आधुनिक फीचर्स, बेहतर कनेक्टिविटी, खास ईवी बैजिंग और एयरो-ऑप्टिमाइज्ड डिजाइन देखने को मिलेगा। इन खूबियों के साथ टाटा सिएरा ईवी मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में एक प्रीमियम विकल्प के रूप में उभर सकती है। कंपनी द्वारा इस एसयूवी की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 11.49 लाख रुपये रखी गई है।

आरबीआई ने चेक क्लीयरेंस की फेज-2 योजना टाली

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चेक क्लीयरेंस को और तेज करने के उद्देश्य से लाई गई फेज-2 योजना को फिलहाल स्थगित कर दिया है। यह योजना 3 जनवरी 2026 से लागू होने वाली थी। आरबीआई ने 24 दिसंबर को जारी सर्कुलर में स्पष्ट किया कि अगली सूचना तक फेज-1 प्रणाली ही लागू रहेगी। फेज-1 के तहत चेक ट्रंकेशन सिस्टम में कंटीन्यूअस क्लीयरेंस एंड सेटलमेंट लागू है। चेक जमा करने की विंडो सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक खुली रहती है, जबकि बैंक सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे के बीच चेक को अप्रूव या रिजेक्ट कर सकते हैं। इस व्यवस्था ने पुराने बैच सिस्टम को खत्म कर दिया है। अब चेक जमा होते ही उसे स्कैन कर उसकी इमेज क्लीयरिंग हाउस भेज दी जाती है। संबंधित बैंक को तय समय में जांच करनी होती है, अन्यथा चेक स्वतः अप्रूव माना जाता है। फेज-2 में बैंकों को चेक की इमेज मिलने के 3 घंटे के भीतर निर्णय लेना था, जिससे चेक क्लीयरेंस लगभग रियल-टाइम हो जाता। आरबीआई ने बताया कि फेज-2 की नई तारीख बाद में घोषित की जाएगी।

अब आम निवेशक भी बनेंगे हाईवे की कमाई के भागीदार

एनएचएआई की आरआईआईटी को सेबी की मंजूरी

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने आम लोगों के लिए निवेश का एक नया रास्ता खोल दिया है। एनएचएआई की नई पहल राजमार्ग इंफ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरआईआईटी) को बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है। इस स्कीम के ज़रिये अब रिटेल निवेशक भी नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स में सीधे निवेश कर सकेंगे और टोल टैक्स से होने वाली कमाई में हिस्सा पा सकेंगे। अब तक हाईवे और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में निवेश बड़े कॉरपोरेट्स या विदेशी निवेशकों तक सीमित था।

लेकिन इस पब्लिक इनविट का मकसद आम निवेशकों को जोड़ना है। चूंकि यह योजना एनएचएआई से जुड़ी है, इसलिए इसमें सरकारी भरोसे का फायदा मिलता है। साथ ही, इनविट से होने वाली आय का बड़ा हिस्सा निवेशकों को डिविडेंड के रूप में दिया जाएगा, जिससे नियमित इनकम की संभावना बनती है। आरआईआईटी को आप एक तरह की रेंटल इनकम स्कीम की तरह समझ सकते हैं। निवेशक इसकी यूनिट्स खरीदेंगे, जो शेयर की तरह होंगी। ट्रस्ट इन पैसों से बनी हुई सड़कों को सरकार से लीज पर लेकर मैनेज करेगा।

इन सड़कों पर चलने वाले वाहनों से मिलने वाला टोल टैक्स ट्रस्ट की कमाई होगी, जिसे खर्च निकालने के बाद यूनिट होल्डर्स में बांटा जाएगा। निवेश की सुरक्षा और बेहतर प्रबंधन के लिए एनएचएआई ने राजमार्ग इंफ्रा इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स प्राइवेट लिमिटेड बनाई है। इसमें एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, पीएनबी सहित देश के 10 बड़े वित्तीय संस्थान शामिल हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

रैतु भरोसा...

परिचालन खर्च के लिए प्रति वर्ष 40 लाख रुपये आवंटित किए जाएंगे। इसके तहत, झगढडअण और डअठ हर महीने के पहले सप्ताह में सभी जिलों का सैटेलाइट सर्वे करेंगे और खेती के तहत आने वाली भूमि की विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगे।वर्तमान में, कृषि विस्तार अधिकारी गांवों में खेतों का दौरा करने और मोबाइल ऐप के माध्यम से फसल विवरण अपलोड करने के लिए जिम्मेदार हैं। हालांकि, सरकार को शिकायतें मिली थीं कि अत्यधिक कार्यभार के कारण कुछ अधिकारी बिना भौतिक निरीक्षण के डेटा अपलोड कर रहे थे। एक अएज के पास लगभग 5,000 एकड़ भूमि और चार गांवों की जिम्मेदारी होती है, जिससे जमीनी सत्यापन चुनौतीपूर्ण हो जाता है।तेलंगाना की 12,000 से अधिक ग्राम पंचायतों को 2,604 क्लस्टरों में बांटा गया है। इन अधिकारियों को राज्य की लगभग 1.5 करोड़ एकड़ कृषि भूमि का डिजिटल सर्वेक्षण करने का काम सौंपा गया था। डेटा में विसंगतियों को देखते हुए सरकार ने सैटेलाइट आधारित सत्यापन का रास्ता चुना है।

वीबी जी...

इस मिशन में महिला स्वयं सहायता समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी और इससे संबंधित बैठकें ग्रामैक्य भवनों में आयोजित की जाएंगी। इन प्रयासों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

यात्रीगण कृपया...

लागत में हो रही वृद्धि और अवसंरचना विकास परियोनाओं के लिए राशि की पूर्ति के लिए जरूरी है। रेलवे के मुताबिक बीते 10 वर्षों में उनके नेटवर्क और ट्रेनों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। सुरक्षा और बेहतर संचालन के लिए रेलकर्मियों की संख्या भी बढ़ाई गयी है, जिनकी सैलरी और भत्ते का खर्च भी बढ़ा है। रेलवे के मुताबिक उसका कुल परिचालन खर्च पिछले वित्त वर्ष में 2.63 लाख करोड़ रुपये रहा। रेल कर्मियों के वेतन और भत्तों का वार्षिक खर्च बढ़कर 1.15 लाख करोड़ रुपये और पेंशन पर खर्च 60,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। रेल मंत्रालय ने बताया कि यह 2025 में दूसरी बार किराया संशोधन है। इससे पहले जुलाई 2025 में भी यात्री किराए में बढ़ोतरी की गई थी। मंत्रालय का कहना है कि इस फैसले का उद्देश्य यात्रियों की वहन क्षमता और रेलवे के बढ़ते संचालन खर्च के बीच संतुलन बनाना है।

कर्नाटक के...

चित्रदुर्ग के अस्पतालों में ले जाया गया।पुलिस ने बताया कि बस में चालक और सह चालक सहित 32 यात्री सवार थे। इनमें से 21 घायल हो गए और उनका इलाज चल रहा है, जिनमें से कई गंभीर रूप से जल गए हैं, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है।पुलिस महानिरीक्षक बी आर रविकांत गौड़ा ने कहा, ङ्घङ्घलॉरी डिवाइडर पार कर गई और बस से आमने-सामने टकरा गई। शुरुआती जांच से पता चलता है कि टक्कर से ईंधन बाहर निकल गया होगा, जिससे आग लग गई।शुरुआती जांच के अनुसार ट्रक सड़क डिवाइडर को पार कर गया और बस से टकरा गया।

ओड़ीशा के...

कैडरों के बीच कई बार मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ समाप्त होने के पश्चात क्षेत्र में व्यवस्थित सर्च एवं एरिया डॉमिनेशन ऑपरेशन चलाया गया। अभियान के उपरांत तलाशी के दौरान दो महिला कैडरों सहित चार माओवादियों के शव तथा हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किए गए।

मुठभेड़ में मारे गए माओवादियों में से एक की पहचान गणेश उइके के रूप में हुई है, जो प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) संगठन का सेंट्रल कमेटी सदस्य (सीसीएम) एवं ओडिशा स्टेट कमेटी का प्रभारी था। उसके ऊपर एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित था।गणेश उइके रूपा, राजेश तिवारी, चम्रू, पक्का हनुमंतु, गणेशन्ना एवं सोमारू जैसे कई उपनामों से भी जाना जाता था। वह तेलंगाना राज्य के नलगोंडा जिले के चेंदुर मंडल स्थित पुल्लेमाला गांव का निवासी था।वर्ष 1988 से दंडकारण्य क्षेत्र में सक्रिय गणेश उइके माओवादी संगठन का एक वरिष्ठ और सक्रिय कैडर था। उसने जगदलपुर में सिटी ऑर्गनाइजर (1988-1998), वेस्ट बस्तर डिवीजनल कमेटी के सचिव (1998-2006), तथा दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य (2006 के पश्चात) के रूप में कार्य किया।गणेश उइके एक कट्टर माओवादी कैडर था, जिसके विरुद्ध छत्तीसगढ़ के सुकमा एवं बीजापुर जिलों में कुल 16 आपराधिक प्रकरण दर्ज थे। उसके आपराधिक पिछले जीवन से संबंधित विस्तृत विवरण संकलित किया जा रहा है।

गणेश उइके कई गंभीर अपराधों में संलिप्त था, जिनमें वर्ष 2014 में सुकमा जिले के तोंगपाल क्षेत्र अंतर्गत तहकवाड़ा में पुलिस दल पर किया गया सशस्त्र हमला प्रमुख है, जिसमें 15 पुलिस जवान शहीद हुए। उसके आपराधिक कृत्यों में नागरिक हत्याएं, हत्या का प्रयास, अपहरण, पुलिस बलों पर सशस्त्र हमले तथा हथियारों एवं विस्फोटकों का अवैध उपयोग एवं कब्जा शामिल है।शेष तीन मारे गए माओवादी कैडरों की पहचान ओडिशा पुलिस द्वारा की जा रही है।बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पैट्रिलिंगम ने बताया कि गणेश उइके का मारा जाना ओडिशा में माओवादी नेतृत्व, विशेषकर ओडिशा स्टेट कमेटी के लिए एक बड़ा झटका है।उन्होंने आगे कहा कि इससे ओडिशा एवं आसपास के क्षेत्रों में माओवादियों की कमान, नियंत्रण एवं समन्वय क्षमता गंभीर रूप से कमजोर होगी। आज की यह सफलता सुरक्षा बलों की खुफिया-आधारित एवं समन्वित कार्रवाई की प्रभावशीलता को दर्शाती है तथा वामपंथी उग्रवाद के उन्मूलन के प्रति सरकार की सतत प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो भाग्यनगर
शुभ लाभ
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 26 दिसंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

तेलंगाना में एसबीआई का बहुआयामी विस्तार

आवास वित्त, शाखा विस्तार और सामुदायिक पहलों पर ज़ोर

हैदराबाद, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के सबसे बड़े बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने तेलंगाना में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए एक व्यापक अभियान की शुरुआत की है। बैंक के अध्यक्ष श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी की हैदराबाद यात्रा के दौरान तीन दिवसीय मेगा प्रॉपर्टी एक्सपो का शुभारंभ, राज्य भर में 16 नई शाखाओं का वर्चुअल उद्घाटन और एसबीआई एरिसा लैब जैसी कई सामुदायिक पहलों की शुरुआत की गई।

एसबीआई हैदराबाद मंडल ने 19 से 21 दिसंबर, 2025 तक माधापुर में छठे मेगा प्रॉपर्टी एक्सपो का आयोजन किया। यह आयोजन प्रमुख डेवलपर्स और संभावित घर खरीदारों को एक मंच पर लाया। इस दौरान डइख ने रियल एस्टेट दिग्गजों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए और 100 करोड़ रुपये का बिल्डर फाइनेंस स्वीकृति पत्र सौंपा।एक्सपो का उद्घाटन करते हुए चेयरमैन शेट्टी ने डेवलपर्स से पारदर्शिता बनाए रखने और निर्माण लागत कम करने के लिए नवाचार खोजने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की बढ़ती आकांक्षाओं के बीच किफायती आवास सबसे महत्वपूर्ण है।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हमारा होम लोन पोर्टफोलियो 9 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। हैदराबाद का बाजार बहुत ही अनुशासित और स्थिर है। प्रोजेक्ट अप्रूवल के मामले में एसबीआई का नाम ग्राहकों के लिए विश्वास का प्रतीक है।

शारीरिक पहुंच को सुदृढ़ करते हुए, चेयरमैन ने हैदराबाद मंडल के मुख्य महाप्रबंधक श्री एस. राधाकृष्णन की उपस्थिति में तेलंगाना में 16 नई शाखाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने घोषणा की कि डइख की योजना वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान हैदराबाद मंडल में 48 नई शाखाएं खोलने की है। उन्होंने कर्मचारियों को चार बुनियादी सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा कि ग्राहक-केंद्रितता, व्यावसायिक विकास, सतत विकास और कर्मचारी-केंद्रितता।

सामुदायिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, एसबीआई ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। जिनमें-

शिक्षा और स्वास्थ्य: बौद्धिक रूप से दिव्यांग बच्चों के स्कूल को एक स्कूल बस और मथैलेसीमिया एंड सिकल सेल सोसाइटीफ को एक एम्बुलेंस दान की गई।

महिला स्वास्थ्य: यूनिपैड्स फाउंडेशन के साथ मिलकर तेलंगाना के ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को 60,000 हाइजीन किट वितरित करने की घोषणा की गई।

स्मार्ट कृषि : प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय में एसबीआई अरिसा लैब का उद्घाटन किया गया। यह एआई रोबोटिक्स और आईओटी आधारित लैब स्मार्ट कृषि के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान का केंद्र बनेगी।इन पहलों के माध्यम से, एसबीआई ने तेलंगाना की समावेशी और सतत प्रगति में एक विश्वसनीय वित्तीय भागीदार के रूप में अपनी भूमिका को पुनः पुष्ट किया है।

आदरणीय गोविंद गिरिजी महाराज कोषाध्यक्ष अयोध्या राम मंदिर ने नगरागमन पर महेश बैंक के नवनिर्वाचित वाईस चेयरमैन गोविन्द नारायण राठी और महेश बैंक के निदेशकों को आशीर्वाद दिया।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 157वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप 28 को

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा मुन्नूरूकापू (कापू) विद्यार्थी वसतिगृह के सहयोग से 157वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप रविवार, 28 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। यह शिविर काचीगुडा स्टेशन रोड स्थित मुन्नूरूकापू (कापू) विद्यार्थी वसतिगृह में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा।अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस शिविर में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल, बेगमपेट की ओर से जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी एवं हड्डी रोग विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

शिविर में ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, बीपी जांच एवं आरबीएस जैसी जांच सुविधाएं भी निशुल्क प्रदान की जाएंगी।

इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साध-राम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा रोगियों की नेत्र जांच कर निशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे तथा मोतियाबिंद ऑपरेशन की भी व्यवस्था की जाएगी।सामान्य चिकित्सा परामर्श डॉ. अखिल क्लिनिक के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी द्वारा दिया जाएगा।दंत परीक्षण एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत राज द्वारा किया जाएगा, जबकि फिजियोथैरेपी सेवाएं बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा प्रदान की जाएंगी।शिविर में श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा एक रोगी को कृत्रिम अंग प्रदान किया जाएगा तथा जरूरतमंद रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इसके लिए रोगियों को अपने पूर्व चिकित्सा रिपोर्ट साथ लाना अनिवार्य होगा, ताकि उन्हें उचित परामर्श दिया जा सके।शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा, जबकि नाम पंजीकरण दोपहर 12 बजे तक ही किया जाएगा।

इस शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, मुन्नूरूकापू विद्यार्थी वसतिगृह ट्रस्ट एवं होस्टल प्रबंधन से संपर्क किया जा सकता है। आयोजकों ने सभी नागरिकों से इस निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

बेगम बाजार में अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जन्मजयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई गई

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी बेगम बाजार विभाग, गोशमहल विधानसभा क्षेत्र में पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जन्मजयंती को सुशासन दिवस के रूप में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया।इस अवसर पर बेगम बाजार विभाग के पार्षद जी. शंकर यादव, गोलकुंडा जिला के पूर्व अध्यक्ष पांडु यादव, गोलकुंडा जिला के पूर्व महामंत्री रघुनंदन यादव, गोलकुंडा जिला महिला मोर्चा की महामंत्री श्रीमती सपना, श्रीमती ममता सहित बेगम बाजार विभाग के सभी पदाधिकारी, सदस्य एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान अटल जी के विचारों और उनके सुशासन के योगदान को स्मरण करते हुए फल एवं बिस्किट का वितरण किया गया। उपस्थित नेताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी जी के जीवन, राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

दिनचर्या ही बदल गई : भगतराम गोयल

हैदराबाद, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के सेवा कार्यों से जुड़कर मेरी पूरी दिनचर्या ही बदल गई है। पहले जीवन में सोच रहती थी कि पहले अपने काम कर लेंगे, लेकिन अब मन में भाव आता है कि पहले सेवा का काम करना हैयह संस्कार इस परिवार ने मुझे सिखाया है। उक्त विचार श्री भगतराम गोयल ने व्यक्त किए।

नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिल्लर नंबर 1265-ए के पास राधे राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए श्री गोयल ने कहा कि राधे राधे ग्रुप से जुड़ना उनका परम सौभाग्य है। यहाँ सेवा केवल कार्य नहीं, बल्कि साधना है, जहाँ अन्नदान के माध्यम से मानव सेवा और ईश्वर भक्ति दोनों का सुंदर संगम देखने को मिलता है।

उन्होंने कहा कि राधे राधे ग्रुप ने यह समझाया कि सच्ची खुशी दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने में है और यही भावना जीवन को सही दिशा देती है।

इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे तथा सभी ने एक स्वर में सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई जगन चंपापेट,भगतराम गोयल, प्रतिका अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया,गौरव गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, अरविंद गुप्ता, उमा रानी, आयुष गुप्ता, पीयूष गुप्ता, विहान गुप्ता आदि उपस्थित थे।

केबीआर पार्क पर किया गया नियमित अन्नदान

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों, राहगीरों एवं मरीजों के परिजनों को श्रद्धा एवं सेवा भाव से भोजन वितरित किया गया।इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल,अरविंद गुप्ता,उमारानी, आयुष गुप्ता,प्रियांशु गुप्ता, विवान गुप्ता,रणधीर, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गुप्ता, जयप्रकाश सारडा, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया,युवान केडिया, गौरव गोयल आदि उपस्थित थे।कार्यक्रम में ग्रुप के कई सदस्यों एवं स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही। सभी ने सेवा कार्य को आगे भी निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया और समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति से इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने का आह्वान किया।

कादंबिनी क्लब की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अहिल्या मिश्र का निधन

हिंदी साहित्य जगत में शोक की लहर

हैदराबाद, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कादंबिनी क्लब की संस्थापक अध्यक्ष तथा हिंदी साहित्य जगत में दक्षिण भारत का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने वाली वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अहिल्या मिश्र (77) का निधन हो गया। उनके निधन से हिंदी साहित्य जगत में गहरा शोक व्याप्त है।

उनका अंतिम संस्कार जुबली हिल्स स्थित महाप्रस्थानम में संपन्न हुआ। उनके पुत्र मानवेंद्र मिश्र ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा में नगर के अनेक साहित्यकार, लेखक, कवि एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि कादंबिनी क्लब की संस्थापक अध्यक्ष और हिंदी साहित्य जगत में दक्षिण भारत का गौरव बढ़ाने वाली डॉ. अहिल्या मिश्र का गुरुवार सुबह निधन हो गया था। उनके निधन का समाचार हिंदी साहित्य जगत में दावानल की तरह फैल गया, जिससे उनके चाहने और जानने वाले साहित्यकारों, लेखकों और कवियों की आंखें नम हो गईं।

डॉ. अहिल्या मिश्र के निधन पर अनेक साहित्यकारों, लेखकों और कवियों ने शोक व्यक्त करते हुए उनके साथ बिताए गए स्मरणीय पलों को याद किया और उन्हें हिंदी साहित्य की एक महान हस्ती बताते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

अमीरपेट महिला मंडल द्वारा कर्नाटक में पिकनिक का आयोजन

हैदराबाद, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कर्नाटक के सेडम स्थित आर.के. फर्म्स में अमीरपेट महिला मंडल द्वारा हूरड़ा प्रथ्येवं पिकनिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंडल की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरे आयोजन का भरपूर आनंद उठाया।

यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पिकनिक के दौरान सभी सदस्यों ने आपसी मेल-मिलाप, मनोरंजन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समय का सदुपयोग किया। आयोजन सौहार्दपूर्ण और आनंदमय वातावरण में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मंडल की अध्यक्षा पूजा झंवर, मंत्राणी श्रुति भक्कड़, वरिष्ठ उपाध्यक्षिका राधिका असावा, पूर्व अध्यक्षिका शीतल लड्ढा, सलाहकार प्रेमलता भक्कड़, नंदा चांदक, श्वेता मांधाना, धनरक्षिका आरती लड्ढा सहित कार्यकारिणी सदस्य संगीता असावा, मंजू शुक्ला, उर्मिला भूतड़ा, निधि तापड़िया, मंजू राँधद, प्रीती काबरा, रंजिता नावंदर, नेहा सदानी एवं कंचन झंवर ने भाग लिया।

तेलंगाना0आंध्र प्रदेशिक माहेश्वरी युवा संगठन का दल नागपुर रवाना

हैदराबाद, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित ऑल इंडिया माहेश्वरी स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु तेलंगाना0आंध्र प्रदेशिक माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा विभिन्न खेल वर्गों में चयनित विजेता खिलाड़ियों का एक दल आज नागपुर के लिए रवाना हुआ। यह दल वहां आयोजित ऑल इंडिया माहेश्वरी स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में सहभागिता करेगा। सभी खिलाड़ी उत्साह और उमंग के साथ राज्य का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं।

खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देने के लिए महेश बैंक के निवर्तमान चेयरमैन रमेश कुमार बंग, नव-निर्वाचित निदेशक अमित लड्डा (गग्गू), दीपक कुमार बंग, कैलाश मंत्री सहित अनेक समाज बंधु सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर उपस्थित रहे।

संगठन की ओर से अध्यक्ष नवल किशोर बंग, उपाध्यक्ष श्रीकांत बंग, सांस्कृतिक मंत्री सुनील कुमार सोनी तथा हैदराबाद0सिकंदराबाद माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष प्रीतम जाजू के साथ विशाल बिड़ला, भरत सारडा, कृष्णकांत सारडा, प्रदीप भुताड़ा सहित अन्य पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को जीत की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

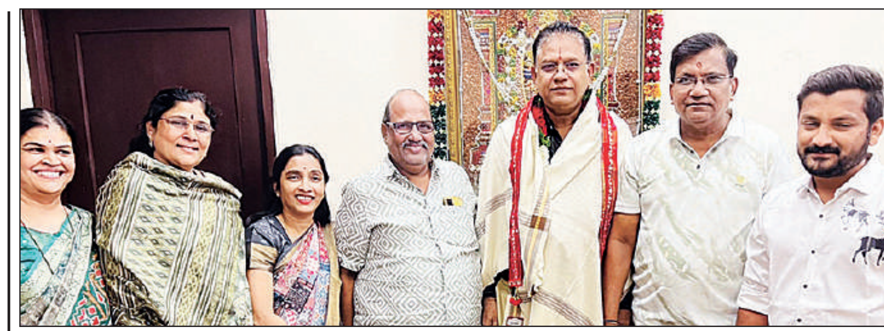

महेश बैंक के नवनिर्वाचित चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड का स्वागत करते हुए शाहबाद महिला मण्डल की सदस्य- किरण सारडा, उमा लाहोटी, शर्मिला तोतला, हेमा जाजू। साथ में हैं ब्रिजगोपाल सारडा, भारती पलोड, संतोष पलोड एवं नन्दकिशोर पलोड ।

महेश बैंक के नवनिर्वाचित चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड का स्वागत करते हुए सतीश जैन, ऊषा जैन। साथ में हैं भारती पलोड, संतोष पलोड एवं नन्दकिशोर पलोड ।

अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन पर भाजपा की विजय सम्मान सभा आयोजित

डोंगली, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन के अवसर पर शिरपुर गांव में भारतीय जनता पार्टी जिला मुख्यालय के उपस्थित में गुरुवार को जन्मदिन मनाया गया। इसी के साथ भाजपा हाईकमान के आदेशानुसार डोंगली मंडल शिरपुर गांव में भारतीय जनता पार्टी समर्थक सरपंचों व वार्ड सदस्यों की विजय सम्मान सभा का आयोजन जुक्कल विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक अरुणा तारा की अध्यक्षता में किया गया।

इस सभा में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष नीलम चिन्ना रेड्डी, जहनाबाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व संवद बिबी पाटिल ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए विक्रम ने बताया कि जुक्कल विधानसभा क्षेत्र में भाजपा ने 10 सरपंचों के साथ 40 वार्ड सदस्यों की विजय हासिल की। विजयी सरपंचों को आदर्श विकास, प्रजाप्रिया सेवा करने का संदेश दिया।

तेलंगाना में अभी एमपीटीसी, जेडपीटीसी व नगरपालिका चुनाव आने वाले हैं। हर गांव में जनता का आशीर्वाद लेकर भाजपा झंडा लहराना चाहिए। अब जुक्कल विधानसभा क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं व नेताओं की कमी नहीं। बिचकुंडा नगरपालिका में भाजपा की जीत होगी। हर मंडल में विकास के लिए भाजपा निधि दे रही है। ग्राम पंचायत चुनाव में कार्य करने वाले नेताओं व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा आज वीर बाल दिवस का आयोजन

हैदराबाद, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा शुक्रवार, 26 दिसंबर 2025 को भाजपा तेलंगाना प्रदेश कार्यालय में वीर बाल दिवस को भव्य रूप से मनाया जाएगा।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा तेलंगाना के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने बताया कि सनातन धर्म की रक्षा हेतु अपने प्राणों की आहुति देने वाले बाल साहिबजादों एवं माता गुजरी जी के बलिदान दिवस को वीर बाल दिवस के रूप में आयोजित किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में शाम 4.30 बजे से कीर्तन होगा तथा बाल साहिबजादों के शौर्य, बलिदान एवं धर्मनिष्ठा का गुणगान किया जाएगा।

कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर सरदार जगमोहन सिंह, हरप्रीत सिंह गुलाटी, रजनीश जैन, सिमरप्रीत सिंह, सतीश जैन हुंडिया, मनमोहन सिंह एवं सनमीत माखीजा उपस्थित रहे।इस अवसर पर गुजराती समाज एवं जैन समाज की ओर से सरदार जगमोहन सिंह का स्वागत जसमत पटेल, रिद्धिश

जागीरदार, सतीश जाजू, राकेश अग्रवाल, सतीश हुंडिया, मुकेश जैन चौहान एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया।

सरदार जगमोहन सिंह ने बताया कि वीर बाल दिवस के अवसर पर विशेष रूप से जैन समाज को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि जैन समाज और सिख समाज का संबंध ऐतिहासिक रूप से अत्यंत गहरा रहा है।उन्होंने बताया कि गुरु गोविंद सिंह जी के वीर बालक जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह के अंतिम संस्कार हेतु टोडरमल जैन ने सोने की मोहरें बिछाकर 4 गज भूमि खरीदी थी, जिसकी कीमत आज के समय में लगभग 400 करोड़ रुपये के बराबर बताई जाती है।

इस अवसर पर भाजपा के सभी पदाधिकारियों एवं धर्मप्रेमी भाइयों-बहनों से कार्यक्रम में पधारकर वीर बाल दिवस को सफल बनाने का आह्वान किया गया।

साने गुरुजी ट्रस्ट अस्पताल का उद्घाटन

किनवट, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जनभागीदारी की शक्ति पर निर्मित साने गुरुजी इमरजेंसी एंड मल्टीस्पेशलिटी ट्रस्ट अस्पताल का भव्य उद्घाटन कोठारी ग्राम पंचायत क्षेत्र के एमआईडीसी में हुआ। सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर, डॉ. तात्याराव लहाने और पद्मश्री डॉ. अभय बंग ने इसे न केवल स्वास्थ्य केंद्र बल्कि सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया।

उद्घाटन समारोह में मुख्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुनील वेदपाठक, व्यवसायी मदनलाल बलदोटा, डॉ. योगेन्द्र वराडकर, नगराध्यक्षा सुजाता एंड्रालवार, डॉ. शुभांगी अखौरी, सरपंच ईश्वर आरके, एमआईडीसी के कोठारे, आनंदवन के ट्रस्टी सुधाकर कडू, सुहाना मसले के गिरीश क्षीरसागर, वेंकटेश जोशी उपस्थित रहे। माधव बावगे ने प्रस्तावना पेश की, जबकि डॉ. शारदा कदम और संदीप काले ने संचालन किया। धर्मराज बल्लाळ ने धन्यवाद ज्ञापित किया।मेधा पाटकर ने कहा कि अशोक बेलखोडे के कार्यों के पीछे डॉ. बाबा आमटे प्रेरणास्रोत हैं। आम जनता, श्रमिकों और वंचित वर्गों को साथ लेकर चलना सराहनीय है। अच्छा स्वास्थ्य जीवन की मूलभूत आवश्यकता है, इसलिए यहां विभिन्न उपचार पद्धतियां उपलब्ध हों। उन्होंने श्रमिकों के अन्याय, प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग पर सरकारी जिम्मेदारी पर जोर दिया।पद्मश्री डॉ. तात्याराव लहाने ने अपनी माँ की बीमारी के बाद सेवा की प्रेरणा का जिक्र किया। डॉ. विकास आमटे से जुड़कर स्वास्थ्य सेवा में समर्पित हुए। डॉ. बेलखोडे भी इसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग के दुष्प्रभावों पर चेतावनी दी।पद्मश्री डॉ. अभय बंग ने कहा कि यह अस्पताल आदिवासी और वंचितों के लिए नया मानक स्थापित करेगा। मबिना दरवाजे वाले अस्पतालफ की अवधारणा से सेवा सुलभ-सस्ती बनेगी। पहले 150 किमी यात्रा करनी पड़ती थी, अब स्थानीय सुविधा मिलेगी। डॉ. बेलखोडे तीन दशकों से वादियों-टांडों में सेवा दे रहे हैं।न्यायाधीश सुनील वेदपाठक ने समारोह को अविस्मरणीय बताया और डॉ. बेलखोडे की सेवा की कामना की। अध्यक्षीय भाषण में डॉ. अशोक बेलखोडे भावुक हुए- हमारा जीवन मबाबामयफ है। बाबा आमटे और बाबा अधव ने दिशा दी। देशभर से दानदाताओं ने सहयोग किया। अब किनवटवासियों का दायित्व है इसे आगे बढ़ाना।अस्पताल 26 जनवरी 2026 से औपचारिक रूप से शुरू होगा। इस दौरान प्रा. वसंत राठोड की पुस्तक मडॉ. सर्वात्माफ (डॉ. अशोक बेलखोडे पर) का मान्यवरों द्वारा विमोचन हुआ।

ऐतिहासिक मंचेरियाल सीमेंट कंपनी की नीलामी होने वाली है !

मंचेरियाल, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण भारत की सबसे पुरानी सीमेंट निर्माता कंपनियों में से एक, मंचेरियाल सीमेंट कंपनी (एमसीसी), जिसे पहले एसोसिएटेड सीमेंट कंपनीज (एसीसी) के नाम से जाना जाता था, जल्द ही देनदारियों को चुकाने के लिए नीलाम होने जा रही है। इस कदम से सैकड़ों कर्मचारियों की पुनर्जीवन की उम्मीदें चकनाचूर हो गई हैं।

54.04 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने में विफल रहने पर इंडियन बैंक ने कंपनी की संपत्तियों की नीलामी के लिए नोटिस जारी किया।

इस नीलामी के साथ ही 67 साल पुरानी इस कंपनी का अंत हो गया। इस कारखाने ने जिले को औद्योगिक क्षेत्र में पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई, साथ ही हजारों लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार प्रदान किया।

वर्तमान में कुछ ही कर्मचारी काम कर रहे हैं और उन्हें नियमित वेतन नहीं मिल रहा। प्रबंधन बढ़ते कर्ज को चुकाने के लिए संघर्ष कर रहा है, क्योंकि उत्पादन बहुत पहले बंद हो चुका है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानदंडों को पूरा करने के लिए हाल ही में संयंत्र के इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर (ईएसपी) को आधुनिक उपकरणों से बदला गया है।

हैदराबाद-नागपुर राजमार्ग पर स्थित 350 एकड़ भूमि पर उन्नत जर्मन तकनीक से 1958 में स्थापित इस संयंत्र की क्षमता 1,000 मीट्रिक टन प्रतिदिन थी। हालांकि पुरानी तकनीक और प्रबंधन की कुप्रथाओं से प्रदर्शन में गिरावट आई। 20 वर्षों से अधिक परिचालन घाटे, बढ़ते कर्ज से प्रमोटरों में आंतरिक कलह शुरू हो गई। उन्होंने विभिन्न अदालतों का रुख किया और प्रबंधन के खिलाफ लगभग 20 मामले लंबित हैं।

पूरे कार्यबल को नौकरी से निकाल दिया गया। प्रभावित श्रमिकों ने विरोध प्रदर्शन किया, अदालतों का रुख किया, लेकिन कोई फायदा नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंधन ने श्रम कानूनों का उल्लंघन किया, जिससे उनके साथ घोर अन्याय हुआ। उनमें से कुछ ने आत्महत्या कर ली।

अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर फल वितरण

चेन्नूर, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर भाजपा द्वारा चेन्नूर नगर में कार्यक्रम आयोजित किए गए। भाजपा जिला अध्यक्ष नगुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ ने भाजपा नगर कार्यालय में वाजपेयी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।इसके बाद चेन्नूर सरकारी अस्पताल में भर्ती मरीजों को भाजपा नेताओं ने फल वितरित किए। इस मौके पर वेंकटेश्वर गौड़ ने कहा कि वाजपेयी जी के नेतृत्व में भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षण, स्वर्ण चतुर्भुज योजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे ऐतिहासिक कार्य किए, जिससे देश विश्व पटल पर गौरवान्वित हुआ।

इस कार्यक्रम में भाजपा नगर अध्यक्ष तुम्मा श्री पाल, राज्य भाजपा परिषद सदस्य भत्तुला सम्मैया, पूर्व जिला उपाध्यक्ष रापर्ती वेंकटेश्वर, प्रमुख सचिव कायित वेंकटेश, मौनिका राउत शंकर, जिला कार्यकारिणी सदस्य केवीएम श्रीनिवास, वेंकट नरसैया, राज्य बीजे वाई एम सदस्य एथम शिवकृष्ण, महिला नेत्री स्वरूपा, चिरंजीवी, श्रीवर्धन, चेन्नूर ग्रामीण अध्यक्ष बुर्रा राजशेखर गौड़, भाजपा नेता राजा राम, वेंकट, साईकृष्ण, श्रीकांत, अमेरिशेट्टी रमेश सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं नेता उपस्थित रहे।

भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते अशोक फाउंडेशन अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल साथ में हैं नीतेश अग्रवाल ।

बिना भेदभाव सभी त्योहार मिल-जुलकर मनाएं : मंत्री विवेकानंद

चेन्नूर, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य के श्रम, रोजगार प्रशिक्षण, कारखाना एवं खान विभाग मंत्री गड्डम विवेकानंद ने कहा कि जाति-धर्म के भेदभाव के बिना सभी लोग हर त्योहार को आपसी सद्भाव और खुशी के साथ मनाएं। वे गुरुवार को क्रिसमस पर्व के अवसर पर चेन्नूर मंडल केंद्र स्थित आईईएम चर्च में आयोजित विशेष प्रार्थनाओं में जिला कलेक्टर कुमार दीपक एवं अधिकारियों के साथ शामिल हुए। मंत्री ने कहा कि सरकार अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। क्रिसमस प्रेम और त्याग का प्रतीक है। प्रत्येक चर्च को पेंटिंग एवं विद्युत सजावट के लिए 30 हजार रुपये की सहायता दी गई है। योग्य अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को विदेश शिक्षा हेतु 20 लाख रुपये

तथा एक बार का निःशुल्क हवाई यात्रा सुविधा प्रदान की जा रही है। छात्रवृत्तियां, प्रवेश शुल्क जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं को दी जा रही सिलाई मशीनों का सदुपयोग कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने का आह्वान किया। 1 जनवरी से पात्र लाभार्थियों को सिलाई मशीनें वितरित होंगी।

बाद में विधायक कैंप कार्यालय में कल्याण लक्ष्मी/शादी मुबारक चेक वितरण कार्यक्रम में 29 लाभार्थियों को चेक वितरित किए। चेन्नूर नगर विकास के लिए 18 करोड़ रुपये मंजूर, टीएमआईडीसी से 100 करोड़ तक की निधि की संभावना। जयपुर और भीमराम मंडलों में अंबेडकर भवन, 25 लाख से जगजीवन राम भवन तथा 25 लाख से अनुसूचित जनजाति समुदाय हॉल का निर्माण। चेन्नूर विधानसभा में रेत माफिया पर रोक, अवैध रेत परिवहन में सहयोगी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई। इंदिरम्मा आवास योजना के तहत पात्र गरीबों को ठेके, सैंड बाजार से 2 हजार रुपये में रेत।

जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि सरकार शिक्षा-स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही है। सरकारी स्कूलों में सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मध्याह्न भोजन में पौष्टिक आहार। चेन्नूर में 100 बिस्तरों वाला अस्पताल निर्माणाधीन, सामुदायिक-शहरी स्वास्थ्य केंद्र सक्रिय। गर्मी में पेयजल के लिए अग्रिम योजना। इंदिरम्मा योजना में जिले में 6 हजार मकानों का बेसमेंट, 2,300 का रूफ लेवल पूरा। स्लैब लेवल पर 4 लाख, पूर्ण मकानों पर 5 लाख रुपये स्वीकृत। कार्यक्रम में अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

हैदराबाद किराणा मर्चेंट्स एसोसिएशन द्वारा महेश को-ऑपरेटिव बैंक के नव-निर्वाचित निदेशक मंडल का सम्मान

हैदराबाद, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद किराणा मर्चेंट्स एसोसिएशन, बेगम बाज़ार, हैदराबाद द्वारा आज महेश को-ऑपरेटिव बैंक, हैदराबाद के नव-निर्वाचित निदेशक मंडल के सम्मान में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष दामोदर दास विजयवर्गीय, मानद मंत्री अविनाश देवड़ा, उपाध्यक्ष रमेश भाटी, उपाध्यक्ष महेश गुप्ता, सह मंत्री मनीष भाटी, कोषाध्यक्ष कमल जैन, सह कोषाध्यक्ष देवेंद्र सांकला, इंटरकॉम समिति के कैलाश मंत्री, राज सिंह पंवार उपस्थित रहे। साथ ही परामर्शदाता के रूप में लक्ष्मीनारायण राठी, रमेश सांकला (रामसा) एवं राकेश अग्रवाल मौजूद रहे।

कार्यकारिणी सदस्यों- पुखराज भाटी, राधेश्याम भाटी, शरद अट्टल, दिलीप गहलोत, राकेश कच्छवाहा एवं सुशील जैन द्वारा नव-निर्वाचित निदेशक मंडल का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में नरेशचंद्र विजयवर्गीय, मुकंदलाल डोबा, गोपाल बजाज, गोविंद अट्टल, प्रकाश राठी, दिनेश देवड़ा, महेश कुमार बजाज, बजरंगलाल पंवार, अशोक भूतड़ा, अनिल सांकला, भगवानदास मूंदड़ा, गोविंद पंवार, अश्विनी विजयवर्गीय, विजय भाटी, अभिषेक विजयवर्गीय, दिनेश सांकला (लड्डू), पवन सांकला सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।एसोसिएशन की ओर से महेश को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, पूर्व वाइस चेयरमैन लक्ष्मीनारायण राठी, चेयरमैन मुरली मनोहर पलोड़, वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी, निदेशक- अमित लड्डा (गग्गू भाई), देवेंद्र झंवर, कैलाश मंत्री, दीपक कुमार बंग, विनोद बंग, सीए अल्का झंवर एवं कविता तोषनीवाल का नव-निर्वाचन पर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महामंत्री अविनाश देवड़ा के स्वागत भाषण से हुआ। इसके पश्चात अध्यक्ष दामोदरदास विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष कमल जैन, उपाध्यक्ष महेश गुप्ता, परामर्शदाता लक्ष्मीनारायण राठी, राकेश अग्रवाल एवं रमेश सांकला (रामसा) ने शुभकामना संदेश दिए।इस अवसर पर महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, नव-निर्वाचित चेयरमैन मुरली मनोहर पलोड़, वाइस चेयरमैन गोविंद राठी एवं निदेशक कैलाश मंत्री ने किराना मर्चेंट्स एसोसिएशन के सदस्यों को संबोधित करते हुए बैंक की भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा बैंक की स्थापना से लेकर आज तक के विकास में किराना मर्चेंट्स के निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम का समापन सह कोषाध्यक्ष देवेंद्र सांकला के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

अग्र महिला मंच तेलंगाना द्वारा नववर्ष आगमन का आयोजन

हैदराबाद, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुबली हिल्स स्थित एयर लाइव में अग्र महिला मंच तेलंगाना द्वारा नववर्ष 2026 की पूर्व संध्या पर एक भव्य एवं उल्लासपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंच की अध्यक्षा श्रीमती दीपा गर्ग ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी कि इस आयोजन में लगभग 80 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ लकी ड्रॉ से हुआ, जिसके पश्चात सभी उपस्थित महिलाओं ने स्वादिष्ट स्नैक्स एवं शीतल पेय का आनंद लिया। मनोरंजन के लिए विशेष एवं रोचक खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें सभी प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एयर लाइव में डीजे की मधुर धुनों पर किया गया नृत्य रहा, जिसमें सभी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर वातावरण को उल्लासमय बना दिया। साथ ही सभी के लिए सुस्वादु मध्याह्न भोजन की उत्तम व्यवस्था भी की गई थी।

खेलों का संचालन श्रीमती अंजू गोयल एवं श्रीमती दीपा गर्ग द्वारा किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।

बेस्ट डांस का पुरस्कार हेमंती एवं कृति को, बेस्ट ड्रेस का पुरस्कार दीपिका एवं सिंपल को, गेम्स में मीनाक्षी को तथा लकी ड्रॉ में मंजू सेन एवं श्वेता को विजेता घोषित किया गया। सभी विजेताओं को अग्र महिला मंच की ओर से सम्मानित किया गया।

मस्ती, उल्लास और सौहार्द से परिपूर्ण इस कार्यक्रम की सफलता में मंच की मुख्य पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इनमें अध्यक्षा दीपा गर्ग, मंत्राणी अंजू गोयल, मंजू केजरीवाल, मधु गोयल, सरला अग्रवाल, सपना गुप्ता, सीमा पंसारी, अर्चना अग्रवाल, प्रभावती अग्रवाल, सीमा गर्ग, संगीता देवड़ा, मीता पंसारी, वंदना अग्रवाल, सरला जिंदल, संजीता अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल एवं मीना कुंछल विशेष रूप से उल्लेखनीय रहीं।

कार्यक्रम के अंत में अमिता बगड़िया ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

कला और चिकित्सा का संगम

डॉ. सरोज तापड़िया की कला प्रदर्शनी में दिखा सूक्ष्म अवलोकन का प्रभाव

हैदराबाद, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। डॉ. सरोज तापड़िया के लिए कला जीवन में उसी तरह रची-बसी है जैसे शरीर में सांस। यह न तो पूर्व-निर्धारित है, न ही थोपी गई है और इसे कभी किसी कार्य की तरह नहीं देखा गया। इसी दृष्टिकोण के साथ मंगलवार को ICONART गैलरी में उनकी कला प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ, जहाँ उनकी कृतियाँ 25 दिसंबर तक प्रदर्शित की गई। 23 को उद्घाटन समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के कलाकार, पेशेवर और गणमान्य अतिथि शामिल हुए, जो गैलरी की दीवारों से परे कला की व्यापक पहुँच को दर्शाते हैं।

जब डॉ. तापड़िया से पूछा गया कि उनके बदलते विषयों और माध्यमों के बीच क्या स्थिर रहता है, तो उन्होंने कहा, मेरे लिए अवलोकन निरंतर बना रहता है। यह मेरे चिकित्सा प्रशिक्षण की देन है। एक बार जब आप बारीकी से देखना सीख जाते हैं, तो यह आपकी दृष्टि का हिस्सा बन जाता है।

पेशे और शौक के बीच संतुलन एक पेशेवर एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (निश्चेतक विशेषज्ञ) के रूप में कार्यरत डॉ. तापड़िया बताती हैं कि उनके जीवन के व्यापक कालखंड में कला का प्रवेश 2014 में हुआ है। शादी, बच्चों और एक चुनौतीपूर्ण पेशे की जिम्मेदारियों को निभाने के बाद, पिछले 11 वर्षों में ही वे अपने इस शौक के लिए समय निकाल पाई हैं। उन्होंने साझा किया, पहले समय ही नहीं था। अब, काम के साथ-साथ मैं खुद के लिए और कला के लिए समय निकाल पाती हूँ।

यह समय किसी लक्ष्य या उत्पादन के दबाव में नहीं बँधा है। वे एक ही बैठक में किसी कलाकृति को पूरा करने के इरादे से नहीं बैठतीं। वे कहती हैं, अलग-अलग कृतियाँ अलग-अलग समय लेती हैं। कुछ में एक दिन लगता है, कुछ में एक सप्ताह, तो कुछ में एक या डेढ़ महीना। मैं इसे इसलिए नहीं करती क्योंकि मुझे करना है, बल्कि यह स्वाभाविक रूप से होता है।

प्रकृति, विज्ञान और आध्यात्मिकता का प्रभाव

पक्षी, पेड़, फूल और परिदृश्य उनकी कृतियों में बार-बार उभरते हैं, लेकिन यह कोई चुना हुआ विषय नहीं बल्कि एक सहज उपस्थिति है। डॉ. तापड़िया ने बताया कि पेंटिंग करने से उन्हें काम के तनाव से मुक्ति और मानसिक शांति मिलती है। वे रेत (Sand), तेल, एक्रिलिक और डिजिटल मीडिया जैसे विभिन्न माध्यमों में काम करती हैं। रेत को माध्यम के रूप में चुनने के पीछे अजंता और कोणार्क जैसे शास्त्रीय भारतीय स्थलों का प्रभाव है। वे स्वीकार करती हैं कि रेत की पेंटिंग का अपना अनुशासन है और इसका रख-रखाव कठिन है।

विज्ञान, विशेष रूप से एनाटॉमी (शरीर रचना विज्ञान) और जूलॉजी (प्राणी विज्ञान) में उनकी पृष्ठभूमि ने उनके कलात्मक स्वरूप को आकार दिया है। वे कहती हैं, मैंने वर्षों तक संरचना का अध्ययन किया है, जिसने मेरी आँखों को प्रशिक्षित करने में बहुत मदद की है। इसके साथ ही, महाराष्ट्र के लातूर के एक धर्मपरायण परिवार से आने वाली डॉ. तापड़िया के लिए आध्यात्मिकता भी उनके जीवन और कार्य का एक अभिन्न हिस्सा है। उनके अनुसार, विज्ञान और चिकित्सा में होने के बावजूद उनकी आस्था अटूट है, जो उनकी कला में भी झलकती है। हैदराबाद आर्ट सोसाइटी के अध्यक्ष और मूर्तिकार एम.वी. रमना रेड्डी ने उद्घाटन के अवसर पर कहा कि सेवा-उन्मुख व्यवसायों, विशेषकर डॉक्टरों के लिए रचनात्मक अभिव्यक्ति मानसिक कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर दिया कि सार्वजनिक प्रदर्शनी एक अतिरिक्त लाभ है, लेकिन कला का असली मूल्य भावनात्मक और मानसिक सुकून में निहित है। इस अवसर पर हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार भी उपस्थित थे, जिन्होंने डॉ. तापड़िया के काम और एक कठिन पेशे के साथ कला के प्रति उनके अनुशासन की सराहना की। सार्वजनिक प्रदर्शन के बावजूद, डॉ. तापड़िया अपने प्राथमिक कर्तव्य को लेकर स्पष्ट हैं। वे कहती हैं, मैं पहले अपने पेशे के साथ न्याय करती हूँ। मैं एक डॉक्टर हूँ, कला मेरा शौक है। जब भी मुझे समय मिलता है, मैं उस पर ध्यान केंद्रित करती हूँ।

ठाकुर विकास सिंह बने तेलंगाना हाईकोर्ट में केंद्र सरकार के स्थायी अधिवक्ता

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्र सरकार ने वरिष्ठ अधिवक्ता ठाकुर विकास सिंह को तेलंगाना राज्य के लिए हाईकोर्ट में सेंट्रल गवर्नमेंट काउंसिल के रूप में नियुक्त किया है। इस संबंध में विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा आधिकारिक आदेश जारी किए गए हैं।जारी आदेश के अनुसार, ठाकुर विकास सिंह केंद्र सरकार से संबंधित लंबित एवं आगामी न्यायालयीन मामलों में सरकार की ओर से पैरवी करेंगे। उनकी यह नियुक्ति तीन वर्षों की अवधि के लिए अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगी।विधि एवं न्याय मंत्रालय के सचिव द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि यह नियुक्ति केंद्र सरकार के हितों की प्रभावी कानूनी पैरवी सुनिश्चित करने तथा न्यायिक प्रक्रियाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से की गई है।ठाकुर विकास सिंह की इस नियुक्ति पर विधि क्षेत्र से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं तथा आशा जताई है कि वे अपने अनुभव और दक्षता से केंद्र सरकार का प्रभावी रूप से प्रतिनिधित्व करेंगे।

गुजरात सचीवालय मे पंचायल मंत्री संजय सिंह महीडा, टेकनिकल शिक्षामंत्री त्रिकमभाई छांगा, रोजगार मंत्री कांतीलाल अमृतिया, शहरी विकास मंत्री दर्शनाबेन वाघेला, राजकोट सांसद परशोत्तम रूपाला, साबरकंठा सांसद शोभनाबेन महेन्द्र, खेडा सांसद देवसिंह चौहान, सांसद मयंक नायक, पूर्व मंत्री जयसिंह चौहान को हिन्दी जर्नविस्ट एसोसियेशन की गतिविधियो की जानकारी देते तथा स्मृति चिन्ह भंटकर सम्मानित करते हुए पूर्व अध्यक्ष महेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष भरत भट्ट, मंत्री कृष्णकुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष रिद्धीश जागीरदार ।

दादाजी का स्नेह और राधे राधे ग्रुप का आशीर्वाद : वंश अग्रवाल

हैदराबाद, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप के संयोजक आदरणीय दादाजी जगतनारायण जी अग्रवाल का स्नेह और राधे राधे ग्रुप हैदराबाद का पारिवारिक अपनापन केवल शब्दों में नहीं, बल्कि हर सेवा कार्य में प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देता है। यह ग्रुप एक संस्था नहीं, बल्कि संस्कारों से जुड़ा हुआ स्नेहिल परिवार है।

बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने आयोजित राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के नियमित सेवा कार्यक्रम में अपने भाव व्यक्त करते हुए वंश अग्रवाल (सिमलावाले) ने कहा कि आदरणीय दादाजी का मार्गदर्शन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके आशीर्वाद और ग्रुप के सभी सदस्यों के प्रेम से सेवा कार्य में निरंतर उत्साह और समर्पण बना रहता है।

उन्होंने कहा कि राधे राधे ग्रुप से जुड़कर यह अनुभव होता है कि जब हम सब मिलकर निस्वार्थ भाव से सेवा करते हैं, तभी समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव होता है। यही राधे राधे ग्रुप की आत्मा और पहचान है।

इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, रवि अग्रवाल, गोविंदराम पचेरिया, अनिल अग्वाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल आदि उपस्थित थे।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, P. LAKSHMI Spouse of Service No Ex.6917979P Ex.Naik (Trade SHGD) POTHURI VEERA SEKHARA RAO, Resident of H.No.2-29-46A, Kavairaja Park Road, Nandulapeta, Tenali Guntur Dist, Andhra Pradesh-522201 have changed my name from P.LAKSHMI to POTHURI LAKSHMI vide affidavit dt:23-12-2025 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Army No Ex.6917979P Ex Naik (Trade SHGD), POTTURI VEERA SEKHARA RAO, Resident of H.No.2-29-46A, Kavairaja Park Road, Nandulapeta, Tenali, Guntur Dist, Andhra Pradesh-522201 have changed my name from POTTURI VEERA SEKHARA RAO to POTHURI VEERA SEKHARA RAO vide affidavit dt:23-12-2025 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, KIRAN DEVI, Legaly wedded wife of No JC-753112 N Rank:EX-SUB, Name: MADAN MOHAN MISHRA, Residing at Flat No-208, Kirtivilla, Select Talkies Road, OPP.Balaji Rice mill, Macha Bollaram, Dist: Medchal Malkajgiri, Secunderabad, State: Telangana, Pin- 500010, I have Changed my name From KIRAN DEVI to KIRAN MISHRA, vide Affidavit dated 23/12/2025.

CHANGE OF NAME
I, UMA DEVI, dependent Mother of No 14647588L, Hav/Dvr (MT) Name: Satish Shukla, Unit: 4 Trg BN 1EME Centre Secunderabad, Residing at Vill: Pankri, Post: Kishunpur, Dist: Palamu, State: Jharkhand, Pin 822123, I have Changed my name from UMA DEVI to URMILA DEVI, And my DOB is 01/01/1960, Affidavit Singed by B YADAGIRI, (MMCP BA, LLB) dated 24/12/2025

CHANGE OF NAME
I, CHANDRADHAN SUKLA, dependent Father of No: 14647588L, Hav/Dvr(MT) Name, Satish Shukla, Unit: 4 Trg BN 1 EME Centre, Secunderabad, residing at Vill: pankri, Post: Kishunpur, Dist: Palamu, State: Jharkhand, Pin 822123, I have changed my name from CHANDRADHAN SUKLA to CHANDRADHAN SHUKLA and my DOB is 13/09/1951, Affidavit Singed by B. YADAGIRI, (MMCP BA, LLB) dated 24/12/2025

CHANGE OF NAME
I, D. L. N BHARGAVI, Legaly wedded Wife of No JC-768689L Rank: SUB/MAJ, Name: Panchangnula Jaya Krishna Kishore, Unit:608 EME BN C/o. 56 APO, Residing at H-No. 1-5-563/1/411, Flat No 502, Rambagicha Apartment, Road No 16 Vill: Alwal, Post: Alwal, Teh: Alwal, Dist: Medchal Malkajgiri, State: Telangana, Pin 500010, I have Changed my name from D. L. N BHARGAVI to P L N BHARGAVI Affidavit dated 05/12/2025

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

भाजपा ने अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि, सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया

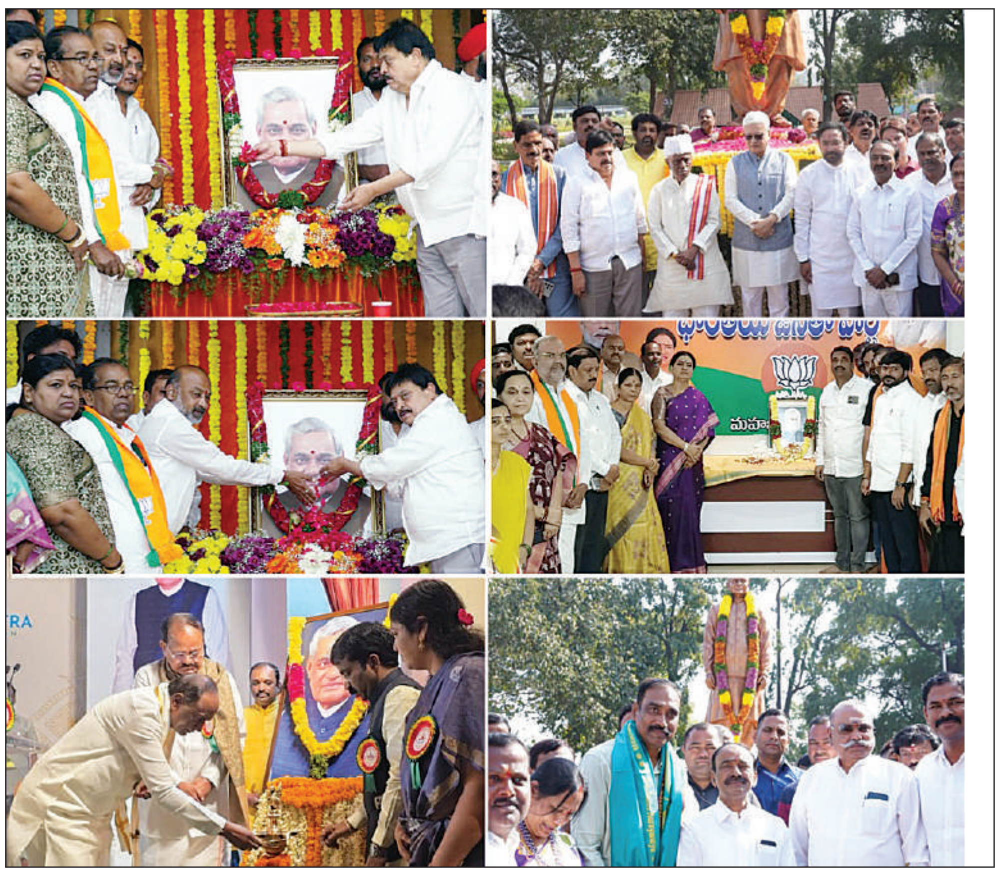

हैदराबाद, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर पूरे तेलंगाना में कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की। इस दिन को मसुशासन दिवसफ के रूप में मनाया गया।

उत्सव के हिस्से के रूप में, भाजपा तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने भाजपा तेलंगाना राज्य कार्यालय में वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना राज्य महासचिव वेमुला अशोक और थुल्ला वीरेंद्र गौड़, वरिष्ठ नेता कुमारी बंगारू श्रुति, विभिन्न मोर्चा के नेता और पार्टी कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

मीडिया को संबोधित करते हुए रामचंद्र राव ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में वाजपेयी का कार्यकाल देश में परिवर्तनकारी बदलाव लेकर आया और मूल्य-आधारित राजनीति एवं सुशासन के एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में स्थापित हुआ। उन्होंने मस्वर्ण चतुर्भुज परियोजनाफ के तहत राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार, मोबाइल फोन क्रांति और परिवारों के लिए बुनियादी सुविधाओं में सुधार जैसे प्रमुख प्रयासों को याद किया।

वर्तमान राजनीति पर चिंता व्यक्त करते हुए रामचंद्र राव ने तेलंगाना में राजनीतिक मूल्यों में गिरावट पर खेद प्रकट किया। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के नेताओं द्वारा जिस तरह की अपमानजनक भाषा का उपयोग किया जा रहा है, वह जनता का अपमान है। इसके विपरीत, वाजपेयी ने कभी व्यक्तिगत हमले नहीं किए और वे सार्वजनिक जीवन में अपने सैद्धांतिक विरोध और गरिमापूर्ण आचरण के लिए जाने जाते थे।

पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार और वर्तमान कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए रामचंद्र राव ने आरोप लगाया कि दोनों प्रशासनों ने राज्य को वित्तीय संकट में धकेल दिया है। उन्होंने दावा किया कि बड़े-बड़े वादों के बावजूद कांग्रेस सरकार तेलंगाना में महत्वपूर्ण निवेश आकर्षित करने में विफल रही है।भाजपा नेता ने इस बात पर जोर दिया कि मुफ्त चावल वितरण, ग्रामीण सड़क निर्माण, पेयजल आपूर्ति और स्वच्छता कार्यों सहित कई कल्याणकारी और विकास योजनाएं केंद्र सरकार के सहयोग से लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वाजपेयी के आदर्शों से प्रेरित होकर स्थिर और प्रभावी शासन प्रदान कर रहे हैं और देश को तेजी से विकास की ओर ले जा रहे हैं।अंत में, वाजपेयी को युवाओं के लिए एक शाश्वत प्रेरणा बताते हुए रामचंद्र राव ने लोगों से पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा दिखाए गए मूल्य-आधारित राजनीति और सुशासन के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

सड़क दुर्घटना में चार की मौत चार गंभीर रूप से घायल

सोंडो गांव के पास मोड़ पर अनियंत्रित कार पुल से टकराई

आसिफाबाद, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नागपुर से राजुरा होते हुए कागजनगर जा रही एक कार के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह भीषण हादसा रात करीब 12:30 बजे सोंडो गांव के पास एक मोड़ पर हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कागजनगर का एक परिवार टीएस 02 ईएन 5544 नंबर की कार से नागपुर में इलाज करा रहे अपने रिश्तेदारों से मिलने गया था। वापस लौटते समय वे राजुरा और आसिफाबाद होते हुए कागजनगर की ओर जा रहे थे। सोंडो गांव के पास एक तीखे मोड़ पर कार अनियंत्रित हो गई और पुल के खंभों से टकरा गई, जिससे यह भयावह दुर्घटना घटी।इस हादसे में 12 वर्षीय अफसा शबरीन, 42 वर्षीय सायरा बेगम, 45 वर्षीय सलमा बेग और 55 वर्षीय अफजल बेगमकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं नुसरत बेगम, नजाहत बेगम और शाहीन निशा गंभीर रूप से घायल हो गईं। मृतक एवं घायल सभी कागजनगर के निवासी बताए जा रहे हैं।

दुर्घटना देर रात होने के कारण मदद मिलने में देरी हुई। बताया जा रहा है कि अंधेरे और दुर्गम स्थान के कारण बचाव अभियान में बाधा आई, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई।फिलहाल, जिस राजमार्ग पर यह हादसा हुआ, वहां निर्माण कार्य चल रहा है और क्षेत्र में वाहन चलाना बेहद खतरनाक बताया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इस स्थान पर पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद राजमार्ग प्रशासन या संबंधित ठेकेदारों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपाय उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।घटना की सूचना मिलने पर राजुरा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है।

बाबोसा पंचमी के पावन अवसर पर अत्तापुर स्थित बाबोसा मंदिर में बाबोसा भक्त मंडल द्वारा भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और भजनों के माध्यम से बाबा बाबोसा की स्तुति कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान श्राद्धा, भक्ति और उल्लास का विशेष माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने बाबा बाबोसा से सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की।

बंडी संजय का कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला, शासन की विफलता और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाये

हैदराबाद, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने गुरुवार को तेलंगाना में शासन की विफलता और भ्रष्टाचार को लेकर वर्तमान कांग्रेस सरकार और पिछली बीआरएस (इठड) सरकार पर तीखा हमला बोला।

भाजपा राज्य कार्यालय में मीडिया के साथ अनौपचारिक बातचीत के दौरान, उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (घउठ) के खिलाफ की गई टिप्पणियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए ऐसी भाषा अशोभनीय है और उन्हें अपनी गरिमा बनाए रखनी चाहिए।

बंडी संजय ने आरोप लगाया कि केसीआर के परिवार ने तेलंगाना को अपूरणीय क्षति पहुंचाई है। उन्होंने दावा किया कि राज्य बनने के बाद केवल केसीआर का परिवार समृद्ध हुआ जबकि जनता को नुकसान उठाना पड़ा। कृष्णा नदी जल विवाद पर उन्होंने केसीआर को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि उन्होंने 575 टीएमसी पानी में से केवल 299 टीएमसी स्वीकार करने पर सहमति जताई थी, जो तेलंगाना के साथ अन्याय था। उन्होंने कहा कि भाजपा जरूरत पड़ने पर इन समझौतों को सार्वजनिक करने के लिए तैयार है।

पंचायतों की स्थिति पर दुख जताते हुए केंद्रीय मंत्री

ने कहा कि उन्हें पर्याप्त धन न देना शर्मनाक है। उन्होंने प्रति पंचायत 5 लाख रुपये की घोषणा को हास्यास्पद बताया और कहा कि प्रत्येक पंचायत को कम से कम 1 करोड़ रुपये मिलने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार द्वारा पंचायतों को 3,005 करोड़ रुपये जारी किए जा रहे हैं, जिसे स्वयं मुख्यमंत्री ने भी स्वीकार किया है।

उन्होंने सवाल उठाया कि जनता से कर वसूलने के बावजूद कांग्रेस अपनी छह गारंटियों को लागू करने में क्यों विफल रही है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के विधायक स्वयं निराश हैं और अंदरूनी बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने दो-तीन मंत्रियों पर अवैध माध्यमों से भारी संपत्ति जुटाने का आरोप लगाया और कहा कि सही समय आने पर इन अनियमितताओं का पर्दाफाश किया जाएगा।कालेश्वरम परियोजना: उन्होंने सवाल किया कि 1 लाख करोड़ रुपये के कथित घोटाले की जांच केवल 9,000 करोड़ रुपये तक ही सीमित क्यों है? यह जांच किसे बचाने के लिए है?

फोन टैपिंग: उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान 6,000 से अधिक लोगों के फोन टैप किए गए थे, जिसमें केसीआर का परिवार शामिल था। उन्होंने वादा किया कि भाजपा के सत्ता में आने पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हैदराबाद की राजनीति पर बोलते हुए उन्होंने कांग्रेस और मजलिस के बीच साठगांठ का आरोप लगाया। उन्होंने घोषणा की कि भाजपा आगामी जीएचएमसी (नगर निगम) चुनाव अकेले लड़ेगी, मेयर का पद जीतेगी और हैदराबाद का विकास सुनिश्चित करेगी। उन्होंने नारा दिया, मजलिस-मुक्त हैदराबाद ही भाजपा का लक्ष्य है। सांप्रदायिक सद्भाव पर उन्होंने कहा कि तनाव केवल कांग्रेस के शासन में होता है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिना किसी धार्मिक भेदभाव के सभी पात्र वर्गों और अल्पसंख्यकों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

विधायक राजा सिंह के निलंबन पर स्पष्टीकरण देते हुए उन्होंने कहा कि राजा सिंह अब भाजपा में नहीं हैं और वे एक स्वतंत्र व्यक्ति हैं।

भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के 101 वीं जन्म जयंती पर भाजपा तेलंगाना प्रदेश कार्यालय मे श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भाजपा तेलंगाना सह कोषाध्यक्ष विजय सुराणा, भाजपा नेता सतीश जाजू, सतीश हुंडिया, राकेश अग्रवाल, लव फोर काऊ फाउंडेशन के जसमत पटेल, रिद्धिश जागीरदार , मुकेश जैन चौहान, भाजपा नेत्री नित्या पारीक एवं अन्य।

किशन रेड्डी ने वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि सांसद खेल महोत्सव का किया शुभारंभ

हैदराबाद, 25 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री और सिकंदराबाद के सांसद जी. किशन रेड्डी ने गुरुवार को भाजपा तेलंगाना राज्य कार्यालय में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इसके बाद, किशन रेड्डी ने युवाओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आयोजित किए जा रहे मसांसद खेल महोत्सवफ में सक्रिय रूप से भाग लेने और इसे भव्य रूप से सफल बनाने का आह्वान किया। वे सिकंदराबाद के महबूब कॉलेज, डतखढ ऑडिटोरियम में आयोजित सांसद खेल महोत्सव कार्यक्रम में इस आयोजन का पोस्टर लॉन्च करने और पंजीकरण के लिए टठ कोड का अनावरण करने के बाद बोल रहे थे।खेल प्रतियोगिताओं के लिए पंजीकरण 25 दिसंबर से 10 जनवरी तक खुले रहेंगे, जबकि स्पर्धाएं 20 जनवरी से 3 फरवरी तक आयोजित की जाएंगी। इन प्रतियोगिताओं में क्रिकेट, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल और एथलेटिक्स शामिल होंगे, जिसमें लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग स्पर्धाएं होंगी।वाजपेयी की विरासत को याद करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजनीति से ऊपर थे और उन्होंने समाज के सभी वर्गों के लोगों का स्नेह जीता। उन्होंने वाजपेयी को एक कवि, राजनेता और दूरदर्शी नेता के रूप में वर्णित किया, जिन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि रखा और एक सांसद कम होने पर सत्ता संभालने से इनकार कर दिया था।मंत्री ने पोखरण परमाणु परीक्षणों को अधिकृत करने में वाजपेयी के साहसी नेतृत्व पर प्रकाश डाला और भारत के आधुनिक राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क की आधारशिला रखने का श्रेय उन्हें दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश विकास की राह पर निरंतर आगे बढ़ रहा है, जिसमें राजमार्गों, ग्रामीण सड़कों और बुनियादी ढांचे में भारी निवेश किया जा रहा है।किशन रेड्डी ने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने वाजपेयी की जयंती को खेलों के लिए समर्पित किया है, क्योंकि उनका युवाओं के साथ गहरा जुड़ाव था। उन्होंने कहा कि वाजपेयी को प्यार से ङ्कयुवा दिलों का सम्राटङ्क कहा जाता था और उन्होंने छात्रों और युवा नेताओं की पीढ़ियों को प्रेरित किया।

खेल महोत्सव की रूपरेखा बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र के सभी 40 डिवीजनों में समितियां बनाई गई हैं। डिवीजन स्तर की प्रतियोगिताओं के बाद विधानसभा क्षेत्र और संसदीय क्षेत्र स्तर के कार्यक्रम होंगे। व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शिक्षण संस्थान, खेल संघ, पार्टी नेता और खिलाड़ी इसमें शामिल होंगे।उन्होंने सभी पात्र प्रतिभागियों से टठ कोड के माध्यम से पंजीकरण करने का आग्रह किया और बताया कि इंटरमीडिएट और डिग्री कॉलेजों में इंटर-कैंपस प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिसमें अंबेडकर कॉलेज और केशव मेमोरियल कॉलेज जैसे स्थान शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना और युवाओं के बीच खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की धर्मपत्नी जसोदा बेन ने चारमीनार स्थित माँ भाग्यलक्ष्मी मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name :
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

स्व. श्रीमती रुक्मिणीबाई गोयल के पुण्य स्मृति के अवसर पर श्री नोबत राय जी परिवार
वितरण स्थल : इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने, के.बी.आर गार्डन के पास
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.